● वर्ष : 17 ● अंक : 175 ● मूल्य : 02 रुपया मात्र ● पृष्ठ : 08

LKS

RNI NO.: DELHIN / 2008 / 23928

www.loktantrakishaan.com

दैनिक लोकतंत्र की शान

लोकतंत्र का स्तंभ

दिल्ली से प्रकाशित

बुधवार 15 अप्रैल 2026

सड़क, रेलवे, अन्य इंफ्रास्ट्रक्चर देश की 'भाग्य रेखाएं' होती हैं: मोदी मोदी

प्रधानमंत्री ने दिल्ली–देहरादून आर्थिक गलियारे का उद्घाटन किया

एजेंसी। देहरादून

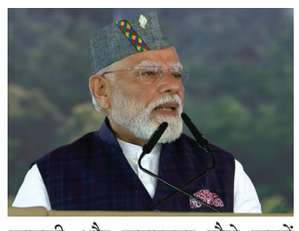

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को बहुप्रतीक्षित दिल्ली–देहरादून आर्थिक गलियारे का उद्घाटन करते हुए कहा कि सड़क, रेलवे और अन्य इंफ्रास्ट्रक्चर देश की 'भाग्य रेखाएं' होती हैं और बीते एक दशक में भारत इनका व्यापक निर्माण कर रहा है। उन्होंने कहा कि यह परियोजना उत्तराखंड के विकास को नई गति देने के साथ-साथ उत्तर प्रदेश के कई शहरों के लिए भी लाभकारी साबित होगी। प्रधानमंत्री ने देहरादून में उद्घघाटन समारोह में कहा कि उत्तराखंड अपनी स्थापना के 25 वर्ष पूरे कर 26वें वर्ष में प्रवेश कर चुका है और इस अवसर पर दिल्ली–देहरादून एक्सप्रेस-वे का उद्घाटन राज्य की प्रगति में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। उन्होंने अपने पूर्व कथन को दोहराते हुए कहा कि यह दशक उत्तराखंड का दशक होगा और 'डबल इंजन' सरकार की नीतियों तथा राज्य के लोगों के परिश्रम से यह संभव होता दिख रहा है। उन्होंने कहा कि यह आर्थिक गलियारा उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद, बागपत, बड़ौत, शामली और सहारनपुर जैसे शहरों से होकर गुजरता है, जिससे इन क्षेत्रों को भी व्यापक लाभ मिलेगा। पर्यटन के दृष्टिकोण से इसे अत्यंत महत्वपूर्ण बताते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि इससे देहरादून, हरिद्वार, ऋषिकेश, मसूरी और चारधाम यात्रा को नई गति मिलेगी। प्रधानमंत्री ने इंफ्रास्ट्रक्चर को राष्ट्र के भविष्य से जोड़ते हुए कहा कि जैसे लोग हाथ की रेखाओं से भविष्य देखते हैं, वैसे ही किसी राष्ट्र की भाग्य रेखाएं उसकी सड़कें, हाई-वे, रेलवे, एयरवेज और वाटरवेज होती हैं। उन्होंने कहा कि ये केवल वर्तमान की सुविधाएं नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों की समृद्धि की गारंटी हैं। उन्होंने बताया कि वर्ष 2014 तक देश में इंफ्रास्ट्रक्चर पर सालाना खर्च 2 लाख करोड़ रुपये से कम था, जो अब बढ़कर 12 लाख करोड़ रुपये से अधिक हो चुका है। उत्तराखंड में ही सवा दो लाख करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाओं पर काम जारी है। प्रधानमंत्री ने कहा कि पहले जहां गांवों में सड़कों के लिए पीढ़ियों तक इंतजार करना पड़ता था, वहीं अब सड़कें गांव-गांव तक पहुंच रही हैं और पलायन से खाली हुए गांव फिर से आबाद हो रहे हैं। दिल्ली–देहरादून आर्थिक गलियारे के लाभ गिनाते हुए उन्होंने कहा कि इससे यात्रा समय छह घंटे से घटकर लगभग ढाई घंटे रह जाएगा। इससे न केवल समय की बचत होगी, बल्कि ईंधन की खपत कम होगी और परिवहन लागत भी घटेगी। करीब 12,000 करोड़ रुपये की लागत से बने इस प्रोजेक्ट ने हजारों लोगों को रोजगार भी प्रदान किया है और किसानों की उपज तेजी से बाजारों तक पहुंच सकेगी। प्रधानमंत्री ने पर्यावरण संरक्षण पर भी जोर देते हुए कहा कि देवभूमि की पवित्रता बनाए रखना सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने पर्यटकों और श्रद्धालुओं से अपील की कि वे प्राकृतिक स्थलों को स्वच्छ रखें और प्लास्टिक तथा कचरे से इन क्षेत्रों को प्रदूषित न करें।

महिलाएं कई क्षेत्रों में बेहतरीन काम कर रहीं, विधायी संस्थाओं में भी भागीदारी बढ़े

नई दिल्ली। पीएम नरेंद्र मोदी ने मंगलवार देश की महिलाओं के नाम एक पत्र लिखा है। इसमें मोदी ने कहा कि अगर 2029 में लोकसभा और अलग-अलग विधानसभाओं के चुनाव महिलाओं के लिए पूरे आरक्षण के साथ होते हैं, तो भारतीय लोकतंत्र और भी ज्यादा मजबूत और जीवंत हो जाएगा। उन्होंने कहा कि जब महिलाएं कई क्षेत्रों में बेहतरीन काम कर रही हैं, तो यह बिल्कुल सही है कि विधायी संस्थाओं में भी महिलाओं की भागीदारी बढ़े। भारत की बेटियों से उस चीज के लिए हमेशा इंतजार करने को नहीं कहा जा सकता, जो उनका हक है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक एक्स पर पोस्ट में पीएम मोदी ने लिखा- "यहां भारत की नारी शक्ति के नाम मेरा पत्र है, जिसमें मैं उस वादे को पूरा करने की हमारी प्रतिबद्धता दोहरा रहा हूं, जो दशकों से लंबित था। मैंने अपने साथी नागरिकों के साथ उस संकल्प को जल्द ही साकार करने के विषय पर अपने विचार साझा किए हैं।" जब महिलाएं कई क्षेत्रों में बेहतरीन काम कर रही हैं, तो यह बिल्कुल सही है कि विधायी संस्थाओं में भी महिलाओं की भागीदारी बढ़े। 2029 के लोकसभा और विधानसभा चुनाव महिलाओं के लिए पूरे आरक्षण के साथ होते हैं, तो लोकतंत्र और भी ज्यादा मजबूत हो जाएगा। सितंबर 2023 में संसद ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम पास किया गया था, जिसे आम तौर पर महिला आरक्षण अधिनियम के नाम से जाना जाता है। यह विधायी संस्थाओं में महिलाओं के प्रतिनिधित्व को बढ़ाने की दिशा में एक बड़ा कदम था। इस अधिनियम में लोकसभा और राज्यों की विधानसभाओं में महिलाओं के लिए एक-तिहाई सीटें आरक्षित करने का प्रावधान किया गया था। मौजूदा कानून के तहत महिलाओं के लिए आरक्षण 2034 से पहले लागू नहीं हो पाता, क्योंकि यह 2027 की जनगणना के बाद परिसीमन प्रक्रिया पूरी होने से जुड़ा हुआ था।

ज्वलंत मुद्दा **संपादकीय**

ट्रंप का पागलपनः अमेरिका के लिए ब्रिक्स के बाद अब अफ्रीकी देशों की चुनौती

वैश्विक राजनीति और अर्थव्यवस्था के बदलते परिदृश्य में अमेरिका की पारंपरिक ताकत को कई मोर्चों पर चुनौती मिलना शुरू हो गई है। ब्रिक्स देशों के विस्तार और अमेरिका के प्रति नाराजी के बाद अब अफ्रीकन यूनियन भी वैश्विक शक्ति संतुलन में अमेरिका के खिलाफ अपनी भूमिका को मजबूती से स्थापित करने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। सबसे बड़ा परिवर्तन आर्थिक मोर्चे पर देखने को मिल रहा है। लंबे समय से अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में अमेरिकी डॉलर का वर्चस्व बना हुआ था। पहले "पेट्रो-डॉलर" की व्यवस्था कहा जाता है। डॉलर के जरिए पेट्रोलियम का कारोबार जब से शुरू हुआ है तब से डॉलर और अमेरिका दोनों का प्रभुत्व बढ़ता चला गया। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दूसरी बार राष्ट्रपति बनने के बाद जिस तरह से टैरिफ को लेकर सारी दुनिया के देशों को धमकाया।

वैश्विक व्यापार संधि को ठुकराते हुए उन्होंने अपने नियम कानून बनाने शुरू कर दिए। इससे अमेरिका की साख सारी दुनिया में घट गई। अमेरिका ने जिस तरह से वेनेजुएला के राष्ट्रपति और उनकी पत्नी को आधी रात को राष्ट्रपति भवन से उठा लिया था, इस कार्रवाई को दुनिया के किसी भी देश ने पसंद नहीं किया। अब इजरायल और अमेरिका ने मिलकर ईरान के ऊपर हमला किया है, यह हमला उस समय हुआ था जब बातचीत चल रही थी। इस हमले के जरिए ईरान के धर्मगुरु सहित 180 छोटी-छोटी बच्चियों और हजारों लोगों की हत्या इजराइल और अमेरिका ने की है। उसके बाद से अमेरिका की मुश्किलें एक के बाद एक बढ़ती चली जा रही हैं। ईरान, रूस और चाइना जैसे देश अपने द्विपक्षीय व्यापार में स्थानीय मुद्राओं का उपयोग लगातार बढ़ा रहे हैं। कई देशों ने अमेरिकी ट्रेजरी से बांड और गोल्ड का स्टॉक निकाल लिया है। सारी दुनिया के देशों की डॉलर पर निर्भरता कम हो रही है। अमेरिका की आर्थिक स्थिति भी दिन-प्रतिदिन खराब होती चली जा रही है। अमेरिका की आर्थिक और सामरिक ताकत ही सबसे बड़ी ताकत थी, जिसके बल पर वह सारी दुनिया में राज कर रहा था।

यहां अफ्रीकी यूनियन का रुख भी महत्वपूर्ण हो चला है। अफ्रीका के कई देश मिलकर अपने संसाधनों विशेषकर खनिज और ऊर्जा के क्षेत्र में अधिक संतुलित और बहुध्रुवीय व्यापार व्यवस्था की ओर आगे बढ़ रहे हैं। इससे अमेरिका और पश्चिमी देशों की पारंपरिक पकड़ और आर्थिक स्थिति कमजोर हो सकती है। ऐसे में यदि अफ्रीकी देश एकजुट होकर व्यापार और मुद्रा के नए विकल्प तलाश कर लेते हैं, तो बड़ी तेजी के साथ वैश्विक आर्थिक समीकरण बदलना तय है। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव विशेषकर इजरायल और ईरान के बीच संघर्ष ने अमेरिका की ताकत को चुनौती देने का काम कई देश मिलकर कर रहे हैं।

सैयद जकी हैदर | सम्पादक/प्रकाशक
MOBE NO.**9911371802**
EMAIL. SYEDZAKIHAIDER**786**@GMAIL.COM

संक्षिप्त समाचार

जगन्नाथ मंदिर के रत्न भंडार 48 साल बाद खुले भीतरी कक्ष में गिनती जारी

पुरी। ओडिशा के जगन्नाथ मंदिर में स्थित रत्न भंडार को लेकर एक बार फिर रहस्य और जिज्ञासा का माहौल बन गया है। लगभग 48 वर्षों बाद मंदिर के भीतरी रत्न भंडार कक्ष को खोला गया है, जहां रखे बहुमूल्य आभूषणों और खजाने की गिनती का कार्य जारी है। मंदिर से जुड़े पुजारियों और उनके वंशजों का दावा है कि इस रत्न भंडार में सोने, चांदी और हीरे-जवाहरात का विशाल भंडार मौजूद है। साथ ही मंदिर परिसर में कई खुफिया चैम्बर और एक गुप्त सुरंग होने की भी चर्चा लंबे समय से होती रही है। बताया जाता है कि वर्ष 2018 में एक बंद पड़े गुप्त तहखाने तक पहुंचने की कोशिश की गई थी, लेकिन उस समय उसका दरवाजा खोलने के लिए चाबी नहीं मिल सकी। बाद में जुलाई 2024 में उस कक्ष को खोला गया, हालांकि अंदर मौजूद वस्तुओं को लेकर अब भी स्पष्ट जानकारी सार्वजनिक नहीं की गई है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार मंदिर के पुजारी बताते हैं, कि प्राचीन काल में विभिन्न राजाओं द्वारा जीते गए धन और आभूषण इसी रत्न भंडार में सुरक्षित रखे जाते थे। इनमें सोने-चांदी के मुकुट, सिंहासन और बहुमूल्य रत्न शामिल हैं। वहीं दूसरी तरफ कहा जाता है, इतिहास में उल्लेख मिलता है कि मंदिर को कई बार लूटने के प्रयास हुए, लेकिन हर बार प्रतिहारियों ने भगवान की मूर्तियों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचा दिया।

नोएडा आंदोलन मजदूरों की आखिरी चीख, सरकार ने अनसुना किया : राहुल गांधी

नई दिल्ली। लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी नोएडा में अपनी मांगों को लेकर आंदोलित श्रमिकों का समर्थन किया है। उन्होंने कहा कि मजदूर देश की रीढ़ हैं, लेकिन सरकार ने उन्हें बोझ समझ लिया है। कांग्रेस पार्टी मजदूरों के साथ है। राहुल गांधी ने 'एक्स' पर लिखा कि सोमवार को नोएडा की सड़कों पर जो हुआ, वह इस देश के श्रमिकों की आखिरी चीख थी, जिसकी हर आवाज को अनसुना किया गया और जो मांगते-मांगते थक गया। नोएडा में काम करने वाले मजदूर की 12 हजार रुपये महीने की तनख्वाह में से 4 हजार-7 हजार रुपये किराए में चला जाता है। सालाना 300 रुपये की तनख्वाह बढ़ोतरी मकान मालिक के 500 रुपये किराया बढ़ाने से दब जाती है। महंगाई मजदूरों की जिंदगी का गला घोंट रही है और उन्हें कर्ज में डुबा रही है। उन्होंने कहा कि गैस के दाम बढ़ते हैं, पर तनख्वाह नहीं। मजदूरों को कभी-कभी 5 हजार रुपए तक का सिलेंडर खरीदना पड़ता है। यह सिर्फ नोएडा की बात नहीं है, दुनियाभर में ईंधन की कीमतें बढ़ रही हैं, सप्लाई चेन टूट रही है, लेकिन इसका बोझ उद्योगपतियों पर नहीं पड़ा, सबसे बड़ी मार दिहाड़ी मजदूर पर पड़ी है। राहुल गांधी ने सरकार पर आरोप लगाया कि उसने नवंबर, 2025 से बिना संवाद के चार लेबर कोड लागू कर काम का समय 12 घंटे तक बढ़ा दिया। जो मजदूर रोज़ 12 घंटे खड़े होकर काम करता है और बच्चों की स्कूल फीस कर्ज लेकर भरता है, उसकी मांग गैरवाजिब नहीं है।

द्रमुक के शासन में सांस्कृतिक राजधानी 'अपराध की राजधानी' में तब्दील हो रहीः जेपी नड्डा

चेन्नई। केंद्रीय स्वास्थ्य, परिवार कल्याण, रसायन एवं उर्वरक मंत्री जगत प्रकाश नड्डा ने मंगलवार को यहां कहा कि द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) एक परिवारवादी पार्टी है जिसके शासन में चेन्नई एक सांस्कृतिक राजधानी से 'अपराध की राजधानी' में तब्दील हो रही है जो पूरे देश के लिए चिंता का विषय है। श्री नड्डा ने तमिलनाडु की राजधानी में पुथांडु (तमिल नववर्ष) और डॉ. भीमराव अंबेडकर की 135वीं जयंती के शुभ अवसर पर तमिलनाडु विधानसभा चुनाव 2026 के लिए अपना दृष्टिपत्र 'कमल के वादे 2026' को जारी करने के बाद समारोह को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने राज्य की वर्तमान स्थिति पर चिंता व्यक्त करते हुए सत्तारूढ़ द्रमुक सरकार पर कड़ा प्रहार किया। उन्होंने कहा, "हम भारतीयों को तमिलनाडु पर बहुत गर्व है क्योंकि यह दुनिया की सबसे प्राचीन सभ्यताओं में से एक का उद्गम स्थल है लेकिन मौजूदा द्रमुक सरकार के शासन में यह सांस्कृतिक राजधानी 'अपराध की राजधानी' में तब्दील हो रही है, जो गंभीर चिंता का विषय है। श्री नड्डा ने कहा कि जब वह वंशवादी परिवार की बात करते हैं तो यह एक परिवार की ओर से संचालित पार्टी है जहां स्टालिन शीर्ष पर हैं, उदयनिधि उत्तराधिकारी हैं, कनिमोझी सहयोगी हैं। उन्होंने सवाल किया कि पार्टी इसी तरह चलती है? यह पारिवारिक शासन है। द्रमुक ने महिलाओं, युवाओं और समाज के हाशिए पर रहने वाले वर्गों के विश्वास को धोखा दिया है। घोषणापत्र के शुभारंभ के दौरान पुथांडु के अवसर पर बधाई देते हुए केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि इस शुभ अवसर पर तमिलनाडु में अपने भाई-बहनों के साथ रहना उनके लिए अत्यंत प्रसन्नता का विषय है।

सिंधिया ने प्रधानमंत्री संग्रहालय में `एक भारत श्रेष्ठ भारत' प्रदर्शनी का उद्घाटन किया

एजेंसी। नई दिल्ली

केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने मंगलवार को प्रधानमंत्री संग्रहालय एवं पुस्तकालय (पीएमएमएल) के चौथे स्थापना दिवस पर 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' फिलाटेलिक प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। इस दौरान उन्होंने संविधान, बाबा साहेब डॉ. अंबेडकर और प्रधानमंत्री कार्यालय के स्थापना दिवस से जुड़े विशेष पोस्टकार्ड्स का लोकार्पण किया। कार्यक्रम में पीएमएमएल की कार्यकारी परिषद के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्रा, महानिदेशक (डाक) जितेंद्र गुप्ता समेत डाक विभाग और प्रधानमंत्री संग्रहालय के अधिकारी मौजूद रहे। इस दौरान सिंधिया को देश के प्रधानमंत्रियों और संविधान निर्माता बाबा साहेब अंबेडकर से जुड़ी उनकी उपलब्धियों की डाक्यूमेंट्री भी दिखाई गई। उन्होंने पीएमएमएल परिसर में लगाए गए देश के सभी प्रधानमंत्रियों के योगयान को लेकर जारी किए गए आज तक के सभी डाक टिकट भी देखे। सिंधिया ने कहा कि आज का दिन संविधान और बाबा साहेब को श्रद्धांजलि देने का है। डाक विभाग और प्रधानमंत्री संग्रहालय मिलकर देशभर में प्रदर्शनी और सुविधाओं के माध्यम से साझेदारी को आगे बढ़ाएंगे। इसके तहत प्रधानमंत्री संग्रहालय में डाक विभाग का एक आउटलेट स्थापित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि जैसे पिछले 75 वर्षों से डाक विभाग ने भारत की स्वतंत्रता और लोकतांत्रिक प्रणाली में योगदान दिया है, वैसे ही आने वाले 22 से 30 वर्षों में भी यह विभाग अपनी जिम्मेदारी निभाएगा। उन्होंने इसे केवल श्रद्धांजलि नहीं बल्कि संकल्प बताया कि आने वाले भारत को आत्मनिर्भर, सशक्त और विकसित बनाने की दिशा में हम सब मिलकर आगे बढ़ेंगे। करीब 45 मिनट तक चले इस कार्यक्रम में प्रदर्शनी का उद्घाटन, फिलाटेलिक डिस्प्ले का अवलोकन, पोस्टकार्ड्स का लोकार्पण और एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए।

नारी शक्ति वंदन अधिनियम से लोकतंत्र में महिलाओं का बढ़ेगा योगदानः रक्षा खडसे

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम को ऐतिहासिक बताते हुए इसके समर्थन की अपील की है। पार्टी ने कहा है कि इस अधिनियम को लागू करने के लिए 16 अप्रैल से लोकसभा और राज्यसभा का तीन दिवसीय विशेष सत्र बुलाया गया है। भाजपा मुख्यालय में मंगलवार को पत्रकार वार्ता में केंद्रीय युवा मामले एवं खेल राज्यमंत्री रक्षा खडसे ने कहा कि यह अधिनियम देश की नारी शक्ति को सशक्त बनाने के लिए है। संसद और विधानमंडल में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण मिलेगा, जिससे निर्णय प्रक्रिया में उनका योगदान बढ़ेगा। पंचायतों और नगर निकायों में पहले से ही लगभग 50 प्रतिशत आरक्षण है और वहां महिलाएं सफलतापूर्वक नेतृत्व कर रही हैं। इसी तरह अब संसद और विधानमंडलों में भी महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित होगी। खडसे ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2014 से ही महिलाओं के स्वास्थ्य और सशक्तिकरण पर जोर दिया है। उन्होंने लाल किले से महिलाओं के लिए योजनाओं की घोषणा की थी और उसके बाद प्रधानमंत्री आवास योजना में लगभग 72 प्रतिशत घर महिलाओं के नाम पर दिए गए। मुद्रा योजना और 'लखपति दीदी' जैसी पहलें भी महिलाओं को आर्थिक रूप से मजबूत बनाने में सहायक रही हैं।

राष्ट्रपति, लोकसभा अध्यक्ष और गृहमंत्री ने नव वर्ष की दी शुभकामनाएं

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला तथा गृहमंत्री अमित शाह ने मंगलवार को देशवासियों को नव वर्ष की शुभकामनाएं दी। राष्ट्रपति ने एक्स पर कहा, "मैं बैसाखी, विशु, विषुव, बोहाग बिहू, पोइला बैसाख, मेषादी, वैशाखादि और पुथांडु के शुभ अवसर पर भारत और विदेश में रह रहे सभी देशवासियों को बधाई और शुभकामनाएं देती हूं। ओम बिरला ने कहा कि बैसाखी, बोहाग बिहू, मेषादी पुथांडु (तमिल नव वर्ष), विशु (केरल नव वर्ष), पाना संक्रांति (ओडिया नव वर्ष) और चीराओबा त्योहार 'एक भारत - श्रेष्ठ भारत' की भावना को दर्शाते हैं और हमारी समृद्ध विविधता में एकता के बंधन को मजबूत करते हैं। ये आनंदमय अवसर हर घर में शांति, समृद्धि और नई आशा लेकर आएं। अमित शाह ने कहा कि प्रभु जगन्नाथ का आशीर्वाद आप सभी को सुख और अच्छे स्वास्थ्य प्रदान करे। नव वर्ष के इस उमंग भरे उत्सव से संस्कृति के साथ हमारा बंधन और गहरा हो, सामाजिक एकता मजबूत हो और सभी को सुख-समृद्धि, समृद्धि और आनंद प्राप्त हो।

देश के कई राज्यों में 3 से 6 डिग्री बढ़ेगा पारा, हीटवेव का अलर्ट जारी

एजेंसी। नई दिल्ली

सबसे ज्यादा तापमान 43.1 डिग्री अकोला (महाराष्ट्र) में किया दर्ज

अप्रैल का महीना जैसे-जैसे बीत रहा है, वैसे-वैसे तापमान में भी बढ़ रहा है। मौसम विभाग के मुताबिक अगले 4 से 5 दिनों में उत्तर-पश्चिम, मध्य और पूर्वी भारत में अधिकतम तापमान में 3 से 6 डिग्री सेल्सियस हो सकता है। दिल्ली-एनसीआर समेत पूरे उत्तर भारत के तापमान में बढ़ोत्तरी देखने को मिल रही है। अप्रैल के मध्य में ही कई शहरों का तापमान 40 डिग्री तक पहुंच गया है। उत्तर-पश्चिम भारत में 14 से 18 अप्रैल के बीच तापमान में 4 से 6 डिग्री तक बढ़ोतरी हो सकती है। वहीं दिल्ली-एनसीआर में 17 अप्रैल तक अधिकतम तापमान 41 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने की संभावना है आने वाले दिनों में उत्तर भारत के लोगों को चिलचिलाती धूप और बढ़ती गर्मी का सामना करना पड़ सकता है। पिछले 14 घंटे में देश में सबसे ज्यादा अधिकतम तापमान 43.1 डिग्री अकोला (महाराष्ट्र) में दर्ज किया गया। मौसम विभाग के मुताबिक पूरे भारत में तापमान लगातार बढ़ रहा है। उत्तरी मैदानों, पश्चिमी क्षेत्रों और मध्य भारत में समय से पहले ही लू जैसी स्थितियां देखने को मिल रही हैं। 14,15,16 अप्रैल को मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, ओडिशा, बिहार, झारखंड, गुजरात, आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु में हीटवेव का अलर्ट जारी किया है। भीषण गर्मी और हीटवेव से बचने के लिए महाराष्ट्र सरकार ने आउटडोर श्रमिकों, विशेषकर निर्माण और अन्य असंगठित क्षेत्रों के लिए एक विस्तृत मानक संचालन प्रक्रिया जारी की है। इस एसपीओ के तहत ऑरेंज और रेड अलर्ट के दौरान दोपहर 12 बजे से शाम 4 बजे तक काम बंद रखने, काम के घंटे सुबह-शाम करने के निर्देश दिए हैं।

होर्मुज की नाकाबंदी का असर, ईरान का रुख पड़ा नरम अमेरिका भी पसीजा, परसों शुरू हो सकती है बातचीत

एजेंसी। वाशिंगटन

अमेरिकी नौसेना की होर्मुज जलडमरूमध्य समेत ईरान के सभी बंदरगाहों की नाकाबंदी का असर दिखने लगा है। अमेरिका और ईरान के बीच जारी संघर्ष विराम के इस्लामाबाद में हुई शांति वार्ता के विफल होने पर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कड़ा फैसला लिया। उन्होंने ईरान के सभी बंदरगाहों पर नाकाबंदी का ऐलान कर धमकी दी कि अगर इस क्षेत्र में कोई भी ईरानी जहाज पास आया तो उसे समुद्र में डुबो दिया जाएगा। अमेरिकी अधिकारियों के अनुसार, जिद पर अड़े ईरान का रुख नरम पड़ा है। इससे ट्रंप भी खुश हैं। अब दोनों देशों के प्रतिनिधिमंडलों के बीच परसों (गुरुवार) बातचीत हो सकती है। अल जजीरा और फॉक्स न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, ट्रंप ने कहा कि ईरान ने बातचीत करने की उत्सुकता जताई है। उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने भी कहा कि गेंद ईरान के पाले में है। अब निश्चिततौर पर को बड़ा समझौता हो सकता है। इस्लामाबाद में अमेरिका ने ईरान को 20 साल के लिए यूरेनियम संवर्धन पर रोक लगाने का प्रस्ताव दिया था। इसके जवाब में सोमवार को ईरान ने एक जवाबी प्रस्ताव दिया। इसमें उसने कहा कि 20 साल नहीं, बल्कि पांच साल का प्रस्ताव वह मानने को तैयार है। अमेरिकी नाकाबंदी अगर जारी रही तो हालात बिगड़ सकते हैं। इसलिए मध्यस्थ देशों ने फिर कोशिश शुरू कर दी है। मध्यस्थ देशों में से एक के राजनयिक ने कहा कि संघर्ष विराम के दौरान देनों देशों के बीच बातचीत गुरुवार को फिर शुरू हो सकती है। इस मामले से जुड़े अधिकारियों का कहना है कि बातचीत का मकसद 21 अप्रैल को संघर्ष विराम खत्म होने से पहले सुलह कराना है।

मिडिल ईस्ट मुद्दे पर जयशंकर और इजरायली विदेश मंत्री ने की फोन पर चर्चा

नई दिल्ली। मिडिल ईस्ट मुद्दे पर दिल्ली से खबर आ रही हैं कि भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर ने इजरायल के विदेश मंत्री से फोन पर चर्चा की है। जयशंकर ने बताया कि मंगलवार दोपहर में इजरायल के विदेश मंत्री से फोन पर बात हुई, जिसमें पश्चिम एशिया की मौजूदा स्थिति को लेकर कई पहलुओं पर बात हुई। इजरायली विदेश मंत्री गिदोन साआर ने जयशंकर से लेबनान और ईरान के अलावा हार्मुज में चल रही टेंशन को लेकर विस्तार से चर्चा की। इतना ही नहीं उन्होंने इस्लामाबाद वार्ता में अमेरिका की शर्तों की भी हिमायत की और उन्हें जरूरी बताया। वहीं साआर की ओर से बताया गया, मेरे मित्र, भारतीय विदेश मंत्री जयशंकर के साथ हमेशा की तरह एक अच्छी बातचीत हुई। हम दोनों ने ईरान, स्ट्रेट ऑफ होर्मुज और लेबनान पर चर्चा की। 'मैंने कहा कि वार्ता में अमेरिका का सख्त रुख, ऐसी शर्तों पर जो ईरान को परमाणु हथियार हासिल करने से रोकें (ईरान में किसी भी तरह का संवर्धन नहीं, और समृद्ध सामग्री को ईरान से हटाना) पूरे अंतरराष्ट्रीय समुदाय के लिए बेहद महत्वपूर्ण है।

Mfg & mkt by.. ANGEN PHARMACEUTICALS (OPC) PRIVATE LIMITED

Distributorship ke liye contact Karen .
(9315755133 / ya email Karen)
angenpharmaceuticals@gmail.com

दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे आधुनिकता को आध्यात्मिकता से जोड़ने वाला सेतु : रेखा गुप्ता

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर की जयंती के अवसर पर मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे को जनता को समर्पित किया। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता भी इस कार्यक्रम में वर्चुअली जुड़ीं और इस एक्सप्रेसवे को दिल्ली की आधुनिकता को देवभूमि की आध्यात्मिकता से जोड़ने वाला सेतु बताया। मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री का आभार जताते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में दिल्ली

की जरूरतों को समझते हुए कई महत्वपूर्ण परियोजनाएं पूरी हुई हैं। उन्होंने यह भी बताया कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में केंद्र सरकार द्वारा परिवहन मंत्रालय के तहत दिल्ली में करीब 1.25 लाख करोड़ रुपये के काम चल रहे हैं, जो राजधानी के बुनियादी ढांचे को नई दिशा दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि 12,000 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित यह एक्सप्रेसवे दिल्ली और देहरादून के बीच यात्रा समय को लगभग 6 से 7 घंटे से घटाकर मात्र 2 से 2.5 घंटे कर देगा। उन्होंने कहा कि देश में एक्सप्रेसवे और हाई-स्पीड कॉरिडोर का नेटवर्क तेजी से विस्तार कर रहा है, जो 3,000 किमी से अधिक हो चुका है, वहीं नेशनल हाईवे नेटवर्क भी लगभग 51,000 किमी से बढ़कर 1,46,000 किमी तक पहुंच गया है। यह देश में बुनियादी ढांचे के तीव्र विकास का प्रमाण है। मुख्यमंत्री ने 'डबल इंजन सरकार' की ताकत का जिक्र करते हुए कहा कि केंद्र और राज्य सरकारों के बेहतर तालमेल से दिल्ली तेजी से विकास की राह पर आगे बढ़ रही है। कई प्रमुख सड़कों को भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) को सौंपा गया है, जिससे उनका बेहतर रखरखाव और विकास संभव हो सकेगा। लगभग 5,000 करोड़ रुपये की लागत से मुनक नहर पर बनने वाली एलिवेटेड रोड परियोजना से ट्रैफिक और सुगम होगा और जाम की समस्या भी काफी हद तक कम होगी। दिल्ली सरकार अब जमीनी स्तर पर काम करते हुए हर समस्या के समाधान के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री ने कहा कि शिक्षा, स्वास्थ्य और बुनियादी ढांचे के क्षेत्र में दिल्ली निरंतर प्रगति कर रही है और आने वाले समय में नई परियोजनाओं और नीतियों के माध्यम से राजधानी को और सशक्त बनाया जाएगा। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि प्रधानमंत्री के 'विकसित भारत 2047' के विजन के अनुरूप दिल्ली विकास की नई ऊंचाइयों को प्राप्त करेगी।

कांग्रेस ने कहा- मोदी सरकार द्वारा लागू की गई श्रम संहिताओं के कारण मजदूरों का शोषण चरम पर

लोकतंत्र की शान

Public Meeting at Malda, West Bengal

नई दिल्ली: कांग्रेस ने नोएडा, मानेसर, फरीदाबाद में हुए हालिया मजदूर आंदोलनों का हवाला देते हुए केंद्र की मोदी सरकार और राज्यों की भाजपा सरकारों को जमकर घेरा है। कांग्रेस नेता डॉ. उदित राज ने कहा कि मोदी सरकार द्वारा नवंबर 2025 से लागू की गई श्रम संहिताओं के कारण ठेका मजदूरों का शोषण चरम पर पहुंच गया है। नई दिल्ली स्थित कांग्रेस कार्यालय में पत्रकार वार्ता के दौरान असंगठित कामगार एवं कर्मचारी कांग्रेस के चेयरमैन डॉ. उदित राज ने देश में मजदूरों की दयनीय स्थिति और उनके भयंकर शोषण का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि नोएडा व अन्य औद्योगिक क्षेत्रों में मजदूरों को औसतन 11,000 से 12,000 रुपये प्रति माह वेतन मिल रहा है। उन्होंने सवाल किया कि जिस शहर में छह-सात हजार रुपये केवल किराया हो, वहां एक मजदूर अपने परिवार का पेट कैसे पालेगा और बच्चों को कैसे पढ़ाएगा? उन्होंने मौजूदा हालात के लिए मोदी सरकार की चार नई श्रम संहिताओं को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने कहा कि इन नई श्रम संहिताओं ने कांग्रेस सरकारों द्वारा बनाए गए 42 श्रम कानूनों को ध्वस्त कर दिया है। उन्होंने कहा कि एक दशक पहले ट्रेड यूनियनें हड़ताल करती थीं तो पूरा देश प्रभावित होता था और सरकारें उनसे बातचीत कर उनकी मांगों पर विचार करती थीं। लेकिन अब माहौल बदल चुका है और हिंदू-मुस्लिम नैरेटिव के कारण मीडिया में मजदूरों से जुड़े मुद्दों पर चर्चा लगभग बंद हो गई है।

ख़ास ख़बर

आर्मी अधिकारी से मारपीट मामले में दो आरोपित गिरफ्तार, मर्सिडीज कार जब्त

लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली। दक्षिण पश्चिम जिले में आर्मी अधिकारी के साथ हुई मारपीट के मामले में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दो आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया है। दोनों आरोपित उस लग्जरी कार में सवार थे, जिसका इस्तेमाल वारदात के दौरान किया गया था। पुलिस ने आरोपितों की मर्सिडीज कार भी जब्त कर ली है और मामले की गहन जांच जारी है। दक्षिण पश्चिम जिले के पुलिस उपायुक्त अमित गोयल के अनुसार गिरफ्तार आरोपितों की पहचान महम नगर निवासी सतेंद्र उर्फ सोनू (49) और संजय शर्मा (56) के रूप में हुई है। सतेंद्र उर्फ सोनू एक निजी कंपनी चौधरी एविएशन प्राइवेट लिमिटेड का डायरेक्टर है, जो चार्टर्ड फ्लाइट, कार्गो फ्लाइट और एयरक्राफ्ट की खरीद-फरोख्त से जुड़ा कारोबार करता है। वहीं संजय शर्मा महम नगर इलाके में स्थित "पंडित जी ढाबा" का संचालन करता है। पुलिस के अनुसार, दोनों आरोपित घटना के समय उसी मर्सिडीज कार में मौजूद थे, जिससे आर्मी अधिकारी के साथ मारपीट की गई थी। घटना के बाद से ही पुलिस आरोपितों की पहचान और गिरफ्तारी के लिए लगातार प्रयास कर रही थी। सीसीटीवी फुटेज, तकनीकी निगरानी और स्थानीय इनपुट के आधार पर पुलिस ने दोनों आरोपितों को ट्रेस कर दबोच लिया। जांच में सामने आया है कि वारदात के दौरान कार का इस्तेमाल न केवल मौके पर पहुंचने के लिए किया गया, बल्कि घटना के बाद आरोपित उसी वाहन से फरार भी हो गए थे। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए उस मर्सिडीज कार को भी जब्त कर लिया है, जिसे अब मामले में अहम साक्ष्य माना जा रहा है। सूत्रों के अनुसार, शुरुआती पूछताछ में आरोपितों से घटना के कारणों और उनकी भूमिका को लेकर जानकारी जुटाई जा रही है। पुलिस अन्य आरोपितों की तलाश में छापेमारी कर रही है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि दोनों आरोपितों से गहन पूछताछ की जा रही है और मामले के हर पहलू की जांच की जा रही है। घटना के पीछे की असल वजह, विवाद की प्रकृति और पूरे घटनाक्रम को स्पष्ट करने के लिए सभी जरूरी साक्ष्य एकत्र किए जा रहे हैं। दिल्ली पुलिस ने स्पष्ट किया है कि कानून व्यवस्था से खिलवाड़ करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी, चाहे वे किसी भी पृष्ठभूमि से क्यों न हों। इस मामले में भी निष्पक्ष जांच के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल, दोनों आरोपित पुलिस हिरासत में हैं और जल्द ही उन्हें अदालत में पेश किया जाएगा।

अंबेडकर जयंती पर एनएसयूआई ने "सामाजिक न्याय सम्मेलन" का किया आयोजन

लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली। भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन (एनएसयूआई) ने बाबासाहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती के अवसर पर मंगलवार को "सामाजिक न्याय सम्मेलन" का आयोजन किया। जिसमें छात्रों और वरिष्ठ नेतृत्व की भागीदारी रही। कार्यक्रम को संबोधित

करते हुए एनएसयूआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष विनोद जाखड़ ने बाबा साहेब अंबेडकर के विचारों की स्थायी प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि डॉ. अंबेडकर ने भारतीय संविधान के माध्यम से देश को समानता, स्वतंत्रता और बंधुत्व का मार्ग दिखाया और उनका जीवन सामाजिक न्याय, शिक्षा और अधिकारों के संघर्ष के लिए आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करता रहेगा। इस सम्मेलन में प्रमुख नेताओं की उपस्थिति रही, जिनमें एआईसीसी के एनएसयूआई प्रभारी कन्हैया कुमार, एआईसीसी अनुसूचित जाति विभाग के अध्यक्ष राजेंद्र पाल गौतम, एआईसीसी समन्वयक एनएसयूआई प्रभारी अंशुल त्रिवेदी तथा एनएसयूआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष विनोद जाखड़ शामिल रहे। इस सम्मेलन में विभिन्न शिक्षण संस्थानों से बड़ी संख्या में छात्रों ने भाग लिया और संवैधानिक मूल्यों, समानता और अधिकारों जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विचार-विमर्श किया। यह कार्यक्रम जागरूकता, भागीदारी और एक न्यायपूर्ण एवं समावेशी समाज के निर्माण के प्रति सामूहिक प्रतिबद्धता को दर्शाता है। इस अवसर पर यह संदेश दिया गया कि अंबेडकर जयंती केवल एक स्मरण दिवस नहीं है, बल्कि सामाजिक जागरूकता, जिम्मेदारी और परिवर्तन के संकल्प का प्रतीक है।

भारतीय मुसलमानों के गौरवशाली इतिहास पर पांच दिवसीय प्रदर्शनी का उद्घाटन

लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली। जमाअत-ए-इस्लामी हिंद के मुख्यालय में मंगलवार को "द वोवन लैंडः ए विजुअल नैरेटिव ऑफ मुस्लिम हिस्ट्री इन इंडिया" नामक एक प्रदर्शनी का उद्घाटन किया गया। इस प्रदर्शनी में भारत के निर्माण में मुसलमानों के ऐतिहासिक योगदान को विस्तार से दिखाया गया है। 'इंडियन हिस्ट्री फोरम' की ओर से आयोजित इस प्रदर्शनी का औपचारिक उद्घाटन सुबह 11:00 बजे कई प्रमुख हस्तियों की उपस्थिति में हुआ। इनमें जमाअत-ए-इस्लामी हिंद के अध्यक्ष सैयद सआदतुल्लाह हुसैनी, अजमेर शरीफ दरगाह की अंजुमन कमेटी के सचिव मौलाना सैयद सरवर चिश्ती, मौलाना असगर अली इमाम मेहदी, सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता शमशाद आलम समेत अन्य बुद्धिजीवी और सामुदायिक नेता शामिल थे। यह प्रदर्शनी भारत में इस्लाम के आगमन और अलग-अलग क्षेत्रों में उसके योगदान और प्रभाव की पूरी कहानी तस्वीरों और दृश्यों के जरिए बताती है। सुव्यवस्थित प्रदर्शनों और मॉडलों की एक श्रृंखला के माध्यम से, यह शिक्षा, व्यापार, सामाजिक समानता, महिला सशक्तिकरण और शास्त्रीय ग्रंथों के अनुवाद में मुसलमानों की भूमिका को उजागर करती है। इसके साथ ही वास्तुकला, संस्कृति, भाषा के विकास के साथ-साथ विज्ञान और खगोल विज्ञान में हुई प्रगति को भी प्रदर्शित किया गया है। प्रदर्शनी का एक मुख्य आकर्षण इसका '360-डिग्री विजुअल अनुभव' है, जिसे आगंतुकों को इतिहास की एक गतिशील यात्रा से जोड़ने के लिए डिज़ाइन किया गया है। यह इंस्टॉलेशन कहानी कहने की कला को दृश्यों के साथ जोड़ता है, ताकि उस साझा विरासत और सांस्कृतिक समन्वय की गहरी समझ पैदा हो सके जिसने सदियों से भारतीय समाज को आकार दिया है। प्रदर्शनी जनता के लिए 14 अप्रैल से 19 अप्रैल तक प्रतिदिन सुबह 10:00 बजे से रात 9:00 बजे तक खुली रहेगी। उद्घाटन के बाद से ही इसमें भारी संख्या में लोग पहुंच रहे हैं और समाज के विभिन्न वर्गों के लोग इस कार्यक्रम का हिस्सा बन रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने भीमराव अंबेडकर को दी श्रद्धांजलि, शालीमार बाग में दो वॉटर एटीएम का किया उद्घाटन

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने भारत रत्न बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती के अवसर पर अंबेडकर राष्ट्रीय स्मारक में उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि दी। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया अकाउंट पर पोस्ट करते हुए कहा कि बाबा साहब का संघर्षमय जीवन और उनके विचार हमारी सरकार की सेवा यात्रा के लिए प्रेरणा स्रोत हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में हम बाबा साहब के सामाजिक न्याय के स्वप्न को साकार करने के लिए पूरी संवेदनशीलता से कार्य कर रहे हैं। हमारी सरकार दलितों, पिछड़ों और वंचितों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने को अपनी सर्वोच्च प्राथमिकता मानती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि बाबा साहब के 'शिक्षित बनो' के आह्वान को आधार बनाकर हम वंचित वर्ग के बच्चों के लिए आधुनिक शिक्षा के अवसर सुनिश्चित कर रहे हैं और विभिन्न योजनाओं के माध्यम से उनके आर्थिक व सामाजिक सशक्तिकरण की दिशा में कार्य कर रहे हैं। उन्होंने

कहा कि हम बाबा साहब के समानता और सम्मान के आदर्शों के अनुरूप एक ऐसी समावेशी दिल्ली के निर्माण के लिए कृतसंकल्पित हैं, जहां हर नागरिक को आगे बढ़ने का समान अवसर मिले। इस अवसर पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय महासचिव तरुण चुग एवं अनुसूचित जाति मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष लाल सिंह आर्य सहित पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारीगण और कार्यकर्ताओं की गरिमामयी उपस्थिति रही। इसके अलावा मुख्यमंत्री ने आज अंबेडकर जयंती के अवसर पर शालीमार बाग विधानसभा के जीपी ब्लॉक एवं बेरीवाला बाग ब्लॉक में वॉटर एटीएम का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि वार्ड संख्या 55, 56 और 57 में 7 स्थानों पर स्थापित ये वॉटर एटीएम सुनिश्चित करेंगे कि हर परिवार तक स्वच्छ पेयजल सम्मानपूर्वक पहुंचे। वॉटर एटीएम की प्रति घंटे 2000 लीटर शुद्ध पानी की उपलब्धता है। वाटर एटीएम कार्ड के माध्यम से प्रति व्यक्ति प्रतिदिन 20 लीटर पेयजल ले सकता है।मुख्यमंत्री ने कहा कि शालीमार बाग को आदर्श विधानसभा बनाने के लिए हमारा काम लगातार जारी है, ताकि हर नागरिक को सुविधा भी मिले, सम्मान भी मिले और विकास हर घर तक पहुंचे। इस अवसर पर पार्षद अनीता जैन, अमित नागपाल, जिलाध्यक्ष अजय खटाना, मंडल अध्यक्ष नीतीश जैन, नरेश जैन उपस्थित रहे।

महापौर ने निगम मुख्यालय में अंबेडकर की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर दी श्रद्धांजलि

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। भारत रत्न बाबासाहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की 135वीं जयंती के अवसर पर मंगलवार को दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) में एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर महापौर राजा इकबाल सिंह ने निगम मुख्यालय में बाबासाहेब डॉ. बीआर अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके उपरांत केदारनाथ सहनी ऑडिटोरियम में एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान स्कूली बच्चों द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी गईं। इस अवसर पर निगम के कर्मचारियों को उनके उत्कृष्ट कार्यों के लिए सम्मानित भी किया गया। महापौर राजा इकबाल सिंह ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि बाबासाहेब डॉ. बीआर अंबेडकर का जीवन संघर्ष, शिक्षा और सामाजिक न्याय के प्रति समर्पण का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि विपरीत परिस्थितियों में भी शिक्षा के माध्यम से समाज में बदलाव लाने की उनकी प्रेरणा आज भी हम सभी के लिए मार्गदर्शक है। महापौर ने कहा कि "शिक्षित बनो, संगठित रहो और संघर्ष करो" का बाबासाहेब का संदेश समाज को सशक्त बनाने का आधार है। उन्होंने सभी से आह्वान किया कि वे बाबासाहेब डॉ. बीआर अंबेडकर के आदर्शों को अपनाते हुए समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास का लाभ पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध रहें। कार्यक्रम में निगमायुक्त संजीव खिरवार सहित वरिष्ठ अधिकारी, पार्षद एवं बड़ी संख्या में कर्मचारी उपस्थित रहे।

आदतन ड्रग तस्कर हसीना खातून पर पीआईटीएनडीपीएस के तहत कार्रवाई, चेन्नई जेल भेजने की तैयारी

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। राजधानी में नशीले पदार्थों की सप्लाई चेन को तोड़ने के लिए दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एक आदतन महिला ड्रग तस्कर को पीआईटीएनडीपीएस एक्ट (विशेष अधिकारी) के तहत हिरासत में ले लिया है। आरोपित को दिल्ली से दूर चेन्नई की पुझल सेंट्रल जेल में शिफ्ट किया जाएगा ताकि उसके नेटवर्क को तोड़ा जा सके। क्राइम ब्रांच के पुलिस उपायुक्त राहुल अलवाल ने मंगलवार को बताया कि क्राइम ब्रांच की एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स ने आरोपित जाकिर नगर निवासी हसीना खातून उर्फ बज्जी उर्फ सना (25) को 11 अप्रैल को तिहाड़ जेल परिसर से ही डिटेंशन ऑर्डर के तहत हिरासत में लिया। आरोपित पहले से ही एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स के एक मामले में न्यायिक हिरासत में बंद थी। कार्रवाई इंस्पेक्टर राकेश की टीम के सुपरविजन में हुई। पुलिस के मुताबिक, हसीना खातून लंबे समय से नशीले पदार्थों की तस्करी में सक्रिय थी और उसका मुख्य मकसद अवैध तरीके से मादक पदार्थों की सप्लाई कर आर्थिक लाभ कमाना था। आरोपित के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तीन मामले और एक अन्य मामला (पॉस्को व आईपीसी) दर्ज हैं। जांच में सामने आया है कि पहली बार वर्ष 2021 में थाना गोविंदपुरी में दर्ज एनडीपीएस मामले में उसका नाम सामने आया था, जहां उसे मुख्य आरोपितों को ड्रग सप्लाई करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। इसके बाद जेल से छूटने पर उसने फिर से तस्करी शुरू कर दी और एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स क्राइम ब्रांच के मुकदमें में कमर्शियल मात्रा में स्मैक के साथ पकड़ी गई। इसके अलावा थाना हजरत निजामुद्दीन में दर्ज एक अन्य एनडीपीएस मामले में भी मुख्य आरोपितों ने उसे गांजा सप्लायर के रूप में नामित किया था। इस काम में उसका पति मासूम आलम भी शामिल पाया गया, जिसके खिलाफ भी एनडीपीएस एक्ट के दो मामले दर्ज हैं। पुलिस ने बताया कि आरोपित की लगातार आपराधिक गतिविधियों को देखते हुए उसका डिटेंशन प्रस्ताव तैयार कर वित्त मंत्रालय के राजस्व विभाग को भेजा था। इसके बाद पीआईटीएनडीपीएसएक्ट, 1988 के तहत डिटेंशन ऑर्डर जारी किया गया। पुलिस का कहना है कि हसीना खातून की समाज में मौजूदगी सार्वजनिक स्वास्थ्य और सुरक्षा के लिए खतरा थी। यही वजह है कि सामान्य कानूनी कार्रवाई के बजाय उसे प्रिवेंटिव डिटेंशन में लिया गया है। अब तिहाड़ जेल प्रशासन को निर्देश दिए गए हैं कि आरोपित को जल्द ही चेन्नई की पुझल सेंट्रल जेल शिफ्ट किया जाए, जिससे उसके ड्रग नेटवर्क को पूरी तरह से तोड़ा जा सके।

मंत्री सिरसा ने डिपॉजिट रिटर्न स्कीम लागू करने की संभावनाओं का अध्ययन करने के निर्देश दिए

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। दिल्ली के पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने पर्यावरण विभाग को नॉन-बायोडिग्रेडेबल कचरे की समस्या से निपटने के लिए डिपॉजिट रिटर्न स्कीम (डीआरएस) लागू करने की संभावनाओं पर विस्तृत अध्ययन करने के निर्देश दिए हैं। यह जानकारी एक विज्ञप्ति के जरिए दी गई। विज्ञप्ति के मुताबिक, पर्यावरण मंत्री सिरसा की अध्यक्षता में हुई उच्च स्तरीय बैठक में संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ प्लास्टिक और अन्य कचरे से जुड़ी गंभीर समस्या पर चर्चा की गई। यह कचरा नालों को जाम कर रहा है, जल स्रोतों को प्रदूषित कर रहा है, मिट्टी को नुकसान पहुंचा रहा है और खुले में जलने से वायु प्रदूषण बढ़ा रहा है। बैठक के दौरान सिरसा ने कहा कि यह योजना अन्य राज्यों में सफल रही है और दिल्ली को भी अपने शहरी चुनौतियों के अनुसार इसे अपनाने पर विचार करना चाहिए, ताकि जल्दी और ठोस परिणाम मिल सकें। मंत्री ने इस संबंध में स्टैंडिंग ऑर्डर जारी करते हुए पर्यावरण विभाग को कहा कि वे इन मॉडलों का विस्तृत अध्ययन करें, दिल्ली के लिए उपयुक्त डीआरएस ढांचा तैयार करें और फाइनेंशियल मैकेनिज्म, संस्थागत व्यवस्था, स्टेकहोल्डर्स की जिम्मेदारियां और लागू करने की रणनीति को शामिल करते हुए एक व्यापक प्रस्ताव एक महीने के भीतर तैयार करें। सिरसा ने इस पहल के जनहित पहलू पर जोर देते हुए कहा कि नागरिकों, व्यवसायों और रीसाइक्लर्स को साथ लेकर डीआरएस न केवल प्रदूषण कम करेगा, बल्कि दिल्ली को स्वच्छ और हरित बनाने में मदद करेगा। यह पहल प्रदूषण-मुक्त भविष्य के लिए दिल्ली सरकार की नवाचारी और जन-केंद्रित सोच को दर्शाती है। डिपॉजिट रिटर्न स्कीम : डिपॉजिट रिटर्न स्कीम (डीआरएस) एक इंसेंटिव आधारित सिस्टम है, जिसमें प्लास्टिक बोतल या पैकेजिंग जैसी कुछ वस्तुओं पर खरीद के समय एक छोटा रिफंडेबल डिपॉजिट लिया जाता है। जब उपभोक्ता इन खाली वस्तुओं को निर्धारित कलेक्शन पॉइंट्स जैसे दुकानों या रीसाइक्लिंग सेंटर पर वापस करते हैं, तो उन्हें यह राशि वापस मिल जाती है। इससे कचरे का सही तरीके से अलग-अलग संग्रह और रीसाइक्लिंग बढ़ती है और इधर-उधर फेंका जाने वाला कचरा कम होता है। गोवा, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड जैसे राज्यों में डीआरएस लागू किया गया है, जहां इसके अच्छे परिणाम सामने आ रहे हैं। दुनिया के 40 से अधिक देशों में डीआरएस लागू है, जहां कई रिपोर्ट्स के अनुसार 90 फीसद से अधिक रिटर्न रेट हासिल होता है। जर्मनी और स्वीडन जैसे देशों में यह दर लगभग 96 फीसद तक बताई गई है। डीआरएस से सरकार को कचरा प्रबंधन की लागत कम करने में मदद मिलती है, साथ ही लोगों में जिम्मेदारी से कचरा निपटान की आदत भी विकसित होती है।

सुल्तानपुरी में चाकूबाजी से नाबालिग की हत्या

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। बाहरी दिल्ली के सुल्तानपुरी इलाके में मामूली विवाद ने खूनी रूप ले लिया, जहां कुछ नाबालिगों ने एक दूसरे नाबालिग की चाकू मारकर हत्या कर दी। पुलिस ने इस मामले में तीन नाबालिग आरोपियों को पकड़ लिया है, जबकि अन्य की तलाश जारी है। बाहरी जिले के पुलिस उपायुक्त विक्रम सिंह ने मंगलवार को बताया कि 13 अप्रैल को थाना सुल्तानपुरी में पीसीआर कॉल प्राप्त हुई थी, जिसमें सूचना दी गई कि ई-2/238, सुल्तानपुरी निवासी एक लड़के को चाकू मार दिया गया है। घायल अवस्था में उसे तुरंत संजय गांधी मेमोरियल अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। जांच में सामने आया कि मृतक का अपने ही इलाके के कुछ लड़कों से पहले से मामूली बातों को लेकर विवाद चल रहा था, जिसकी कभी पुलिस में शिकायत नहीं की गई। घटना वाले दिन शाम को मृतक का सामना नाबालिग आरोपितों से हो गया। इसी दौरान पुराने विवाद को लेकर कहासुनी हुई, जो जल्द ही हिंसक झगड़े में बदल गई। इस झगड़े के दौरान आरोपितों ने पीड़ित पर चाकू से हमला कर दिया, जिससे उसकी मौके पर ही हालत गंभीर हो गई और बाद में अस्पताल में उसकी मौत हो गई। पुलिस उपायुक्त के अनुसार पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए तीन नाबालिग आरोपितों को पकड़ लिया है। सभी से पूछताछ की जा रही है और घटना में इस्तेमाल हथियार समेत अन्य सबूत जुटाए जा रहे हैं। इस संबंध में थाना सुल्तानपुरी में एफआईआर संख्या 216/26 धारा 103(1)/3(5) बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस का कहना है कि बाकी आरोपितों की पहचान कर उनकी गिरफ्तारी के प्रयास जारी हैं।

दिल्ली में नकली कॉस्मेटिक बनाने वाला बड़ा गिरोह बेनकाब, मास्टरमाइंड समेत चार गिरफ्तार

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। राजधानी में नकली कॉस्मेटिक उत्पाद बनाकर बाजार में सप्लाई करने वाले एक संगठित गिरोह का दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने पर्दाफाश किया है। पुलिस ने इस मामले में सरगना समेत चार आरोपितों को गिरफ्तार कर भारी मात्रा में नकली सामान, कच्चा माल और मशीनरी बरामद की है। क्राइम ब्रांच के पुलिस उपायुक्त हर्ष इंदौरा ने मंगलवार को बताया कि सात अप्रैल को दर्ज एफआईआर संख्या 74/26 के तहत कार्रवाई करते हुए संजय गांधी ट्रांसपोर्ट नगर, बादली में छापा मारकर इस अवैध फैक्ट्री का भंडाफोड़ किया। यहां से पुलिस ने करीब 20 हजार से अधिक नकली उत्पाद, जिनमें वीट हेयर रिमूवल क्रीम के भरे हुए ट्यूब, पैक्ड यूनिट, खाली ट्यूब, रैपर, कार्टन और केमिकल बरामद किए। पुलिस के मुताबिक, गिरफ्तार आरोपितों में रोशन आरा रोड निवासी नीरज गुप्ता (40), समालखा (हरियाणा) निवासी रवि (31), वेस्ट पटेल नगर निवासी सुरेश कुमार राजपूत (56) और बवाना निवासी दिनेश चंद्र सती (54) शामिल हैं। इनमें नीरज गुप्ता इस पूरे रैकेट का मास्टरमाइंड है। जांच में सामने आया है कि आरोपित पिछले करीब दो साल से नकली कॉस्मेटिक उत्पाद बनाने और सप्लाई करने का धंधा चला रहे थे। कम मुनाफे के कारण नीरज गुप्ता ने असली ब्रांड की नकल कर नकली वीट क्रीम बनानी शुरू की। इसके लिए बादली में अवैध यूनिट स्थापित की गई, जहां घटिया केमिकल और मशीनों की मदद से बड़े पैमाने पर उत्पादन किया जाता था। पुलिस उपायुक्त के अनुसार गिरोह के सदस्य अलग-अलग जिम्मेदारी निभा रहे थे। रवि पैकेजिंग मैटेरियल और रैपर की व्यवस्था करता था, जबकि सुरेश कुमार राजपूत बवाना स्थित अपनी फैक्ट्री में नकली ब्रांड के डिब्बे और प्रिंटिंग का काम करता था। दिनेश चंद्र सती इस यूनिट में सुपरवाइजर के तौर पर प्रिंटिंग और पैकिंग में सहयोग करता था। पुलिस जांच में यह भी सामने आया है कि तैयार नकली उत्पादों को स्थानीय बाजारों, साप्ताहिक बाजारों और आसपास के राज्यों में सप्लाई किया जाता था, जिससे आम लोगों को धोखा दिया जा रहा था और असली कंपनियों को आर्थिक नुकसान पहुंचाया जा रहा था। इस मामले की शुरुआत 6 अप्रैल को हुई, जब एम/एस रेकिट बेंकाइजर (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड के अधिकृत प्रतिनिधि ने नकली वीट उत्पादों की शिकायत दी थी। इसके बाद क्राइम ब्रांच की टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर छापा मारकर पूरे नेटवर्क का खुलासा किया। पुलिस ने इस मामले में भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं और कॉपीराइट एक्ट की धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज किया है। फिलहाल आरोपितों से पूछताछ जारी है और इस गिरोह से जुड़े अन्य सप्लायर, डिस्ट्रीब्यूटर और रिटेलरों की तलाश की जा रही है। पुलिस का कहना है कि इस कार्रवाई से बाजार में बड़ी मात्रा में नकली और संभावित रूप से हानिकारक उत्पादों की सप्लाई को रोका गया है। साथ ही पुलिस ने साफ किया है कि इस तरह के संगठित अपराधों के खिलाफ आगे भी सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

संक्षिप्त समाचार

अंबेडकर शोभा यात्रा का अग्रवाल सभा द्वारा किया गया भव्य स्वागत

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा, हसनपुरः मंगलवार को नगर में अंबेडकर जयंती के उपलक्ष में निकाली गई शोभायात्रा का अग्रवाल सभा हसनपुर (संबद्ध अग्रोहा विकास ट्रस्ट) के द्वारा शोभायात्रा में शामिल झांकियो पर पुष्प वर्षा की गई एवं यात्रा में शामिल लोगों को फूलमाला पहनाकर एवं जलपान कराकर भव्य स्वागत किया गया, बताते चलें कि अंबेडकर जयंती पर निकाली भव्य शोभायात्रा का नगर के मुख्य बाजार में स्थित अग्रवाल सभा के अध्यक्ष उमेश अग्रवाल के प्रतिष्ठान के निकट शोभायात्रा में शामिल लोगों पर पुष्प वर्षा की गई एवं जलपान कराया गया तथा आपकी भाईचारे का संदेश दिया गया, शोभायात्रा में शामिल लोगों का अग्रवाल सभा के पदाधिकारी ने फूलमाला पहनाकर स्वागत किया, वही अंबेडकर शोभायात्रा के आयोजकों द्वारा अग्रवाल सभा के अध्यक्ष उमेश अग्रवाल को बाबा साहब का चित्र भेंट कर सम्मानित किया गया, इस मौके पर उमेश अग्रवाल, मुकेश अग्रवाल, अंकुर अग्रवाल, राजकुमार अग्रवाल, अतुल अग्रवाल, मनोज गोयल, शिखर अग्रवाल, रमेश चंद गोयल, तथा अंबेडकर शोभा यात्रा के आयोजकों में विनोद कुमार गौतम, दिनेश गौतम, मास्टर रामवीर सिंह, अरविंद अन्ना, महिपाल सिंह, डॉ सुरेश जाटव, मुकुल जाटव आदि लोग सम्मिलित रहे।

डॉ भीमराव अंबेडकर जयंती पर नजीबाबाद विधायक हाजी तसलीम अहमद ने किया स्मृति द्वार का उद्घाटन

» विधानसभा क्षेत्र नजीबाबाद के सभी सेक्टरों में हर्षोल्लास के साथ मनाई गई जयंती

लोकतंत्र की शान : खिज़र अहमद , समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मा० अखिलेश यादव जी आह्वान पर आज भारतीय संविधान के निर्माता, भारत रत्न डॉ भीमराव अंबेडकर जी की जयंती के उपलक्ष्य में नजीबाबाद विधायक हाजी तसलीम अहमद के नेतृत्व में विधानसभा क्षेत्र नजीबाबाद के सभी सेक्टरों में जयंती कार्यक्रम आयोजित किए गए। उन्होंने ग्राम रानीकोटा पहुँचकर बाबा साहब के चित्र पर पुष्प अर्पित किए और ग्रामीणों को संबोधित किया। विधायक नजीबाबाद ने कहा कि हम सब भारतवासी आज 14 अप्रैल को संविधान के मुख्य निर्माता डॉ. भीमराव अंबेडकर की 135वीं जयंती मना रहे हैं। बाबा साहब ऐसे महापुरुष थे जिन्होंने संविधान के माध्यम से यह सुनिश्चित किया कि जाति, धर्म या लिंग के आधार पर किसी के साथ भेदभाव न हो। आज जयंती के अवसर पर नजीबाबाद विधायक हाजी तसलीम अहमद ने नगीना रोड पर अपनी विधायक निधि से निर्मित डॉ भीमराव अंबेडकर स्मृति द्वार का फीता काटकर उद्घाटन किया। इस मौके पर नि० विधानसभा अध्यक्ष नईम मकरानी, जिला पंचायत सदस्य रफ़ी अंसारी, ग्राम प्रधान रानीकोटा महताब अहमद, ज़ाहिद अंसारी, फुरकान मकरानी, नितिन कश्यप, पवन कुमार, अनूप जोशी, बलवीर सिंह, लाल सिंह, नरेश कुमार, विजय प्रधान, राजेश, रोहिताश, चरण सिंह आदि सैंकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

मिशन शक्ति 5.0 के तहत हजरतनगर गढ़ी पुलिस का सराहनीय प्रयास, महिलाओं को सुरक्षा व साइबर जागरूकता का दिया संदेश

लोकतंत्र की शान : सैय्यद कुमैल जैदी , संभल सिरसी थाना हजरत नगर गढ़ी क्षेत्र में कृष्ण कुमार के कुशल निर्देशन में संचालित मिशन शक्ति फेज 5.0 अभियान के अंतर्गत थाना हजरतनगर गढ़ी पुलिस द्वारा महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान एवं सशक्तिकरण को लेकर व्यापक जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में थाना प्रभारी सुधीर पवार एवं मिशन शक्ति प्रभारी उपनिरीक्षक रश्मि मलिक के नेतृत्व में थाना क्षेत्र के विभिन्न गांवों एवं मोहल्लों में विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। कार्यक्रम के दौरान पुलिस टीम ने महिलाओं एवं बालिकाओं को उनके अधिकारों, कानून द्वारा प्रदत्त सुरक्षा उपायों एवं सरकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी। साथ ही नारी सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन के महत्व को समझाते हुए उन्हें आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित किया गया। इसके अतिरिक्त, वर्तमान समय में बढ़ते साइबर अपराधों को ध्यान में रखते हुए साइबर अवेयरनेस पर विशेष जोर दिया गया। महिलाओं को ऑनलाइन ठगी, फर्जी कॉल, सोशल मीडिया दुरुपयोग और डिजिटल सुरक्षा के उपायों के बारे में जागरूक करते हुए बताया गया कि किसी भी संदिग्ध गतिविधि की तुरंत सूचना पुलिस को दें। पुलिस टीम द्वारा महिला हेल्पलाइन नंबरों (1090, 112, 181) की जानकारी भी साझा की गई और आश्वस्त किया गया कि किसी भी आपात स्थिति में पुलिस सदैव उनके साथ खड़ी है। स्थानीय महिलाओं एवं बालिकाओं ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि इस तरह के कार्यक्रम समाज में जागरूकता बढ़ाने और महिलाओं के आत्मविश्वास को मजबूत करने में अत्यंत सहायक हैं। मिशन शक्ति अभियान के माध्यम से संभल पुलिस लगातार यह संदेश दे रही है कि नारी सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन ही सशक्त समाज की पहचान है।

मिशन शक्ति 5.0 अभियान के दूसरे चरण में बच्चों को किया गया जागरूक

सैय्यद कुमैल ज़ैदी , संभल। जनपद में चलाए जा रहे मिशन शक्ति अभियान 5.0 के दूसरे चरण के अंतर्गत थाना नखासा क्षेत्र के मौहल्ला रुकंदी सराय स्थित प्राथमिक विद्यालय नखासा में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान बच्चों को विभिन्न आवश्यक हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी दी गई तथा विशेष रूप से छोटी बच्चियों को 'गुड टच' और 'बैड टच' के बारे में विस्तार से समझाया गया। इस अवसर पर पुलिस टीम द्वारा बच्चों को महिला सुरक्षा एवं सशक्तिकरण से जुड़ी सरकारी योजनाओं की जानकारी भी दी गई, ताकि वे आवश्यकता पड़ने पर उनका लाभ उठा सकें। साथ ही हेल्पलाइन नंबर 1076, 112, 1090, 1930 तथा एमएसके (आंतरिक संपर्क) नंबर के बारे में अवगत कराते हुए बताया गया कि किसी भी आपात स्थिति में इन नंबरों का तुरंत उपयोग करें। कार्यक्रम में मिशन शक्ति प्रभारी राखी सिंह के नेतृत्व में महिला आरक्षी नीतू, प्रियंका एवं शैली थाना नखासा की टीम मौजूद रही। इस दौरान थाना नखासा प्रभारी संजिव बालियान के निर्देशन में कार्यक्रम को सफलतापूर्वक संपन्न कराया गया, जिसमें पुलिस टीम ने बच्चों को जागरूक करते हुए सुरक्षा संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी साझा की। स्थानीय लोगों एवं विद्यालय स्टाफ ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के जागरूकता कार्यक्रम समाज में सुरक्षा के प्रति सकारात्मक संदेश देते हैं।

स्मार्ट मीटरों से बढ़ी जनता की परेशानी, जांच की मांग उठी

» आज़ाद समाज पार्टी के मण्डल प्रभारी खुर्शीद मंसूरी ने विद्युत विभाग की समस्या को सौंपा ज्ञापन, निष्पक्ष जांच और समाधान की उठाई मांग

लोकतंत्र की शान , खिज़र अहमद

नजीबाबाद। बिजनौर नजीबाबाद क्षेत्र में लगाए जा रहे स्मार्ट (प्रीपेड) बिजली मीटरों को लेकर जनता की समस्याएं लगातार बढ़ती जा रही हैं। इसी को लेकर आज़ाद समाज पार्टी (काशीराम) के मण्डल प्रभारी मोहम्मद खुर्शीद मंसूरी ने विद्युत विभाग को ज्ञापन सौंपकर गंभीर आरोप लगाए हैं और तत्काल जांच की मांग की है। ज्ञापन में कहा गया है कि स्मार्ट मीटर लगने के बाद उपभोक्ताओं के बिजली बिलों में अप्रत्याशित वृद्धि देखने को मिल रही है। आम जनता का कहना है कि मीटर की रीडिंग असामान्य रूप से तेज गति से बढ़ रही है, जिससे उन पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ रहा है। इसके अलावा कई उपभोक्ताओं ने यह भी शिकायत की है कि समय से रिचार्ज/भुगतान करने के बावजूद कई बार बिना सूचना के बिजली आपूर्ति बाधित कर दी जाती है, जबकि मीटर की रीडिंग लगातार जारी रहती है। इतना ही नहीं, भुगतान के बाद भी अतिरिक्त धनराशि जमा करने के संदेश मिलने जैसी समस्याएं भी सामने आ रही हैं। मोहम्मद खुर्शीद मंसूरी ने अपने ज्ञापन में कहा कि यह स्थिति नजीबाबाद नगर और आसपास के क्षेत्रों में जनता के लिए बड़ी परेशानी और असंतोष का कारण बन चुकी है। उन्होंने विद्युत विभाग से मांग की है कि स्मार्ट मीटरों की निष्पक्ष जांच कराई जाए और उपभोक्ताओं की समस्याओं का जल्द से जल्द समाधान किया जाए। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से यह भी अनुरोध किया कि इस पूरे मामले को गंभीरता से लेते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए जाएं, ताकि आम जनता को राहत मिल सके।

योगी सरकार संवार रही ग्रामीण महिलाओं का जीवन, मशरूम उत्पादन से 10 लाख तक कमाई

लोकतंत्र की शान

लखनऊ : खेती का मतलब अब सिर्फ गेहूं-धान की फसल तक सीमित नहीं है। उत्तर प्रदेश के भदोही जिले की रहने वाली पप्पू देवी ने इस बात को जमीन पर सच साबित कर दिखाया है। पारंपरिक खेती से इतर योगी सरकार के उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन (यूपीएसआरएलएम) की मदद से उन्होंने मशरूम उत्पादन शुरू किया और आज उनकी सालाना कमाई 8 से 10 लाख रुपए तक पहुंच गई है। यह मिशन अब प्रदेश की ग्रामीण महिलाओं के लिए आर्थिक आजादी और स्वावलंबन के लिहाज से 'संजीवनी' साबित हो रहा है। भदोही जैसे जिले में जहां ज्यादातर परिवार पुश्तैनी खेती पर निर्भर हैं वहीं, पप्पू देवी ने लीक से हटकर कुछ नया करने की ठानी। यूपीएसआरएलएम और डेवलपमेंट अल्टरनेटिव्स के सही मार्गदर्शन ने उनके इस सपने को पंख दिए। उन्होंने अपनी जमा-पूंजी से करीब ढाई लाख रुपए लगाए और 50 हजार रुपए का ऋण लेकर मशरूम उगाने का काम शुरू किया। थोड़ी सी जगह और सीमित संसाधनों से शुरू हुआ यह उद्यम आज एक बेहतरीन मुनाफे वाले व्यवसाय में बदल चुका है।

ग्रामीण महिलाओं के लिए प्रेरणा-खास बात यह है कि पप्पू देवी की यह सफलता सिर्फ उनके परिवार की आर्थिक स्थिति सुधरने तक सीमित नहीं है। वे अब अपने गांव की अन्य स्थानीय महिलाओं को भी रोजगार उपलब्ध करा रहीं हैं। उनका यह मॉडल स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) और ग्रामीण महिलाओं के लिए एक बड़ी प्रेरणा बन गया है।

इंटरव्यू (बाइट) – राष्ट्रीय अध्यक्ष, जाटव महासभा महेश सागर अपने बाबा भीमराव अंबेडकर के बारे में बहुत सुंदरता से उत्तर दिया

लोकतंत्र की शान, मंडल प्रभारी अवनीत कुमार शर्मा

रामपुर / उत्तर प्रदेश/प्रश्नः बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती के अवसर पर निकाली गई शोभायात्रा को लेकर आपका क्या संदेश है?

महेश सागरः आज बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर जी की जयंती पर जो विशाल शोभायात्रा निकाली गई है, यह हमारे समाज की एकता और जागरूकता का प्रतीक है। बाबा साहेब ने हमें संविधान दिया, अधिकार दिए और सम्मान के साथ जीने का रास्ता दिखाया। आज का दिन हमें उनके विचारों को अपनाने का संकल्प लेने का दिन है।

प्रश्नः इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य क्या रहा?

महेश सागरः हमारा उद्देश्य यही रहा कि समाज में शिक्षा का प्रचार हो, युवाओं में जागरूकता आए और बाबा साहेब के बताए मार्ग पर चलकर समाज आगे बढ़े। आज हम सभी को संगठित रहकर अपने अधिकारों की रक्षा करनी है और भाईचारे के साथ देश की तरक्की में योगदान देना है।

प्रश्नः युवा वर्ग के लिए आपका क्या संदेश है?

महेश सागरः मैं युवाओं से कहना चाहता हूं कि बाबा साहेब के विचारों को पढ़ें, शिक्षा को अपना हथियार बनाएं और नशे जैसी बुराइयों से दूर रहें। शिक्षा ही समाज को आगे ले जाएगी। बाबा साहेब का संदेश "शिक्षित बनो, संगठित रहो और संघर्ष करो" आज भी उतना ही महत्वपूर्ण है।

प्रश्नः प्रशासन और पुलिस के सहयोग को लेकर आप क्या कहना चाहेंगे?

महेश सागरः मैं रामपुर पुलिस अधीक्षक सोमेंद्र मीणा जी और पूरे प्रशासन का धन्यवाद करता हूं, जिनके सहयोग से यह शोभायात्रा शांतिपूर्ण और सफल तरीके से संपन्न हुई।

प्रश्नः आगे जाटव महासभा की क्या योजना है?

महेश सागरः आगे हम समाज में शिक्षा, रोजगार और सामाजिक जागरूकता को लेकर बड़े कार्यक्रम करेंगे। हमारा लक्ष्य है कि हर वर्ग को न्याय मिले और समाज एकजुट होकर विकास की दिशा में आगे बढ़े।

अजीमनगर क्षेत्र में खेत में लगी भीषण आग, कई किसानों की ओर से दिए गए नाम थाने में कई किसानों के खेत जलकर हुआ नुकसान

लोकतंत्र की शान, मंडल प्रभारी अवनीत कुमार शर्मा

रामपुर। थाना अजीमनगर क्षेत्र में काशीपुर आंगा निवासी ने बताया कई किसानों के नुकसान हुआ यह थाना प्रभारी ने कई नाम की पुष्टि की है और यह भी बताया कि एफआईआर नहीं लिखवा रहे। इसके पीछे क्या खेल था जो लिखवाने के लिए मन व तैयार नहीं थे बाद में थाने में एक टिहरी दी गई जिसमें कई लोगों के नाम बताए गए हैं किसानों के खेत स्वामी किसान एवं समाजसेवी रिफाकत सुल्तान ने बताया के किसान के खेत में अचानक भीषण आग लग गई। आग इतनी तेज थी कि कुछ ही देर में खेत में खड़ी फसल और अन्य कृषि सामग्री को भारी नुकसान पहुंचा। आग की लपटें दूर-दूर तक दिखाई देने लगीं, जिससे क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई। बताया जा रहा है कि आग लगने की सूचना मिलते ही आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे और आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन आग की भयावहता के कारण ग्रामीणों की कोशिशें नाकाफी साबित हुईं। सूचना मिलते ही पुलिस बल और एसडीएम भी तत्काल मौके पर पहुंचे और हालात का जायजा लिया। खेत स्वामी ने थाने में तहरी देकर कई किसानों ने गुहार लगाई है साथ में समाजसेवी ने भी सहयोग किया ।रिफाकत सुल्तान ने इस घटना को लेकर जिलाधिकारी से मदद की गुहार लगाई है। उनका कहना है कि आग से उन्हें भारी आर्थिक नुकसान हुआ है और प्रशासन से मुआवजे की मांग की जा रही है। प्रशासन द्वारा आग लगने के कारणों की जांच कराई जा रही है। वहीं मौके पर मौजूद अधिकारियों ने आश्वासन दिया कि नुकसान का आंकलन कर रिपोर्ट तैयार की जाएगी और नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी। इस घटना के बाद ग्रामीणों में भी चिंता का माहौल है और आग लगने की वजह को लेकर कई तरह की चर्चाएं हो रही हैं। जिसमें थाना प्रभारी का कहना है की जांच की जाएगी जांच करने के बाद कार्रवाई की जा रही है

महमूदाबाद में हर्षोल्लास के साथ मनाई गई बाबा साहब की जयंती, शोभायात्रा में उमड़ा जनसैलाब

लोकतंत्र की शान, अब्दुल्लाह खान ब्यूरो चीफ

महमूदाबाद, सीतापुर। भारतीय संविधान के शिल्पी भारत रत्न डॉ. भीमराव अम्बेडकर की 135वीं जयंती मंगलवार को महमूदाबाद क्षेत्र में बड़े ही उत्साह और श्रद्धा के साथ मनाई गई। इस अवसर पर तहसील मुख्यालय से लेकर ग्रामीण इलाकों तक विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, जिसमें हजारों की संख्या में बाबा साहब के अनुयायियों ने भाग लिया।

मुख्य कार्यक्रम और शोभायात्रा- नगर के प्रमुख चौराहों पर बाबा साहब की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया गया। स्थानीय आयोजन समिति द्वारा एक भव्य शोभायात्रा निकाली गई, जो नगर के मुख्य मार्गों से होते हुए गुजरी शोभायात्रा में बाबा साहब के जीवन और उनके संघर्षों को दर्शाती हुई विभिन्न झांकियां आकर्षण का केंद्र रहीं।

उत्साहः डीजे पर बज रहे 'भीम गीतों' पर युवा झूमते नजर आए और पूरा वातावरण 'जय भीम' के नारों से गुंजायमान हो उठा।

विचार गोष्ठी और संगोष्ठी- अम्बेडकर पार्क और विभिन्न शिक्षण संस्थानों में विचार गोष्ठियों का आयोजन किया गया। वक्ताओं ने बाबा साहब के पदचिन्हों पर चलने का आह्वान करते हुए कहा कि शिक्षित बनकर ही समाज का सर्वांगीण विकास संभव है।

मुख्य संदेशः "शिक्षित बनो, संगठित रहो और संघर्ष करो" के मूल मंत्र को आत्मसात करने पर जोर दिया गया।

योगदानः वक्ताओं ने संविधान निर्माण में उनके अद्वितीय योगदान और सामाजिक न्याय के लिए उनके संघर्ष को याद किया।

सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम कार्यक्रम के दौरान शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए महमूदाबाद पुलिस प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद रहा। एसडीएम, बी के सिँह,और क्षेत्राधिकारी वेद प्रकाश श्रीवास्तव (CO) स्वयं शोभायात्रा की निगरानी करते रहे कोतवाली प्रभारी अनिल सिँह तोमर, क़स्बा इंचार्ज दीपक राठौर,नगर के संवेदनशील मोड़ों पर भारी पुलिस बल तैनात किया गया था, जिससे सभी कार्यक्रम शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुए महमूदाबाद के ग्रामीण अंचलों—जैसे सदरपुर, पैंतेपुर और सरैया में भी बाबा साहब की जयंती धूमधाम से मनाई गई। कई स्थानों पर विचार गोष्ठी के बाद प्रसाद और भंडारे का भी आयोजन किया गया महमूदाबाद मे रामकुडा चौराहे से झांकी निकल कर बजाजा बाजार, चिकमंडी, तहसील रोड, स्टेट बैंक, संकटा देवी मंदिर, अमीरगंज, रेलवे स्टेशन से होकर बरगड़िया, मे सम्पन्न हुवी कार्यकर्म मे जगह जगह लोगो ने जुलुस का स्वागत किया, डॉ अखिलेश, आलोक वर्मा आज़ाद, अशोक वर्मा, चेतराम भारतीय, शुरेश भार्गव, आनंद गौतम, समेत तमाम लोग मौजूद रहे, सरय्या स्टेशन मे कांग्रेस ब्लाक अध्यक्ष राहुल रस्तोगी ने बाबा साहब के चित्र पर माल्यार्पण किया, भाजपा विधायक आशा मौर्या ने अपने विधानसभा मे कई जगहों पर माल्यार्पण किया और बाबा साहब के आदर्शो पर चलने की लोगो को प्रेरणा दिलाई सपा के पूर्व मंत्री नरेंद्र सिँह ने चिकमंडी चौराहे पर एक कैम्प का आयोजन किया जिसमे नसीम कोटेदार, अब्दुल क़य्यूम कोटेदार, अय्यूब, मुन्ना केतली,राज यादव, समेत तमाम लोग मौजूद रहे

आर टी आई एसोसिएशन ऑफ इंडिया के संस्थापक व पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष की पुण्यतिथि मनाई

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा

हसनपुरः मंगलवार को प्रदेश कार्यालय मौहल्ला होली वाला निकट शिवाला मंदिर हसनपुर पर आर टी आई एसोसिएशन ऑफ इंडिया के संगठन के संस्थापक व पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष स्वर्गीय श्री मंगत सिंह त्यागी जी की पुण्यतिथि के अवसर पर संगठन के सभी पदाधिकारी व कार्यकर्ताओं द्वारा उन्हें याद कर श्रद्धांजलि अर्पित की और उन्हें नमन किया, इस मौके पर भारत लाल प्रजापति ने कहा कि स्वर्गीय श्री मंगत सिंह त्यागी जी जैसे व्यक्तित्व की कमी कभी पूरी नहीं की जा सकती तथा उन्होंने हमेशा संगठन हित में कार्य करते हुए अपना जीवन नौछावर कर दिया ऐसे महान व्यक्ति की कमी हमेशा महसूस होती रहेगी, इस मौके पर भरत लाल प्रजापति प्रदेश प्रभारी, नसरुद्दीन सैफी प्रदेश कार्यालय सचिव, प्रदेश उपाध्यक्ष राहुल शर्मा, प्रदेश प्रशासनिक सचिव नुसरत अली एडवोकेट, प्रदेश सचिव पूरन राणा, महेंद्र सिंह प्रजापति, राजवीर सिंह प्रजापति प्रदेश सदस्य कुलदीप त्यागी , प्रदेश सदस्य अमर सिंह प्रजापति, कार्यकर्ता छुनन अल्वी, आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ द्वारा अंबेडकर शोभायात्रा का पुष्प वर्षा कर स्वागत किया गया

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा

हसनपुरः मंगलवार को भारत रत्न डॉक्टर भीमराव अंबेडकर जी की जयंती के उपलक्ष में निकाली गई भव्य एवं विशाल शोभायात्रा का राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ नगर हसनपुर के स्वयंसेवकों द्वारा भव्य स्वागत किया गया। इस अवसर पर स्वयंसेवकों ने शोभायात्रा पर पुष्प वर्षा कर संघ की ओर से अंबेडकर जी का सम्मान एवं संघ की सहभागिता प्रकट की गई, इस मौके पर नगर संचालक दीपक कुमार ने कहा कि अंबेडकर जी एक महान जननायक थे जिन्होंने हर दवे कुचले तवके को समानता का दर्जा दिलाया, तथा हर किसी को पढ़ने लिखने के लिए प्रेरित किया ऐसे बाबा साहब को हम नमन करते हैं,

इस दौरान संघसंचालक दीपक अग्रवाल, नगर कार्यवाह सोनू गर्ग, प्रचार प्रमुख कपिल शर्मा, सहप्रचार प्रमुख अमित शर्मा, बौद्धिक प्रमुख रजनीकांत आर्य, सह नगर कार्यवाह उधम सिंह आदि सहित दर्जनों स्वयंसेवक मौजूद रहे।

बरेली में मिलावटी खाद्य पर बड़ा एक्शनः मशहूर त्यागी रेस्टोरेंट पर छापा, समोसे-तेल के नमूनें सील

» Bareilly -: Sandeep Chandra (Bareilly Uttar Pradesh)**बरेली में मिलावटी खाद्य पर बड़ा एक्शनः मशहूर त्यागी रेस्टोरेंट पर छापा, समोसे-तेल के नमूने सील**

» **नकली अंडों की अफवाह पर प्रशासन सतर्कः कई इलाकों में छापेमारी, नहीं मिला कोई संदिग्ध स्टॉक**

» **रिपोर्ट के बाद होगी कड़ी कार्रवाईः मिलावटी तेल से सेहत पर खतरे को लेकर विभाग सख्त**

लोकतंत्र की शान

बरेली। शहर में मिलावटी खाद्य पदार्थों के खिलाफ चल रहे अभियान के तहत खाद्य सुरक्षा विभाग ने सोमवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए पुराना रोडवेज बस अड्डा स्थित एक रेस्टोरेंट पर छापा मारा। इस अचानक हुई कार्रवाई से इलाके में हड़कंप मच गया और आसपास के कारोबारियों में भी खलबली देखी गई। सहायक आयुक्त (खाद्य) द्वितीय अक्षय गोयल के नेतृत्व में पहुंची टीम ने मौके पर गहन जांच की। इस दौरान रेस्टोरेंट में तैयार हो रहे खाद्य पदार्थों और उपयोग में लाए जा रहे तेल की गुणवत्ता पर संदेह होने पर अधिकारियों ने समोसे और वनस्पति तेल के नमूने एकत्र कर उन्हें सील कर दिया। इन नमूनों को परीक्षण के लिए राजकीय खाद्य प्रयोगशाला भेजा गया है।

रिपोर्ट के आधार पर तय होगी आगे की कार्रवाई-खाद्य विभाग के अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि जांच रिपोर्ट आने के बाद ही संबंधित प्रतिष्ठान के खिलाफ आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। यदि नमूने मानक के अनुरूप नहीं पाए जाते हैं, तो सख्त कदम उठाए जाएंगे। विभाग का कहना है कि आम जनता को शुद्ध और सुरक्षित खाद्य सामग्री उपलब्ध कराना उनकी प्राथमिकता है।

नकली अंडों की शिकायत पर चला विशेष अभियान-इधर, शहर में नकली अंडों की मिल रही शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए विभाग ने 11 और 12 अप्रैल को विशेष जांच अभियान चलाया। इसइस दौरान जगतपुर गौटिया, एजाज नगर, शहदाना, पुराना शहर, फतेहगंज पूर्वी, फरीदपुर और बहेड़ी सहित कई इलाकों में अंडा विक्रेताओं के यहां छापेमारी की गई।

संक्षिप्त समाचार

जमीन विवाद पर मारपीट, 11 लोग घायल

लोकतंत्र की शान : हाजीपुर। वैशाली जिले के कटहरा थाना क्षेत्र स्थित बखरीदोआ गांव में मंगलवार दोपहर जमीनी विवाद को लेकर दो पक्षों के बीच जमकर मारपीट और आगजनी हुई। इस घटना में दोनों पक्षों के कुल 11 लोग घायल हो गए, जिन्हें एंबुलेंस से अस्पताल में भर्ती कराया गया है। आग लगने से एक झोपड़ीनुमा घर और उसमें बंधी एक गाय जलकर मर गई। सूचना मिलते ही महुआ अग्निशमन विभाग की दो गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग पर काबू पाया। महुआ अनुमंडल अग्निशामक पदाधिकारी सत्य राज ने बताया कि आग बुझा दी गई है। घटना के दौरान कटहरा पुलिस की डायल 112 टीम भी मौके पर मौजूद थी। जानकारी के अनुसार, बखरीदोआ गांव निवासी दिलीप पासवान और अर्जुन पासवान के बीच लंबे समय से जमीनी विवाद चल रहा था। स्थानीय लोगों ने बताया कि इस विवादित जमीन की सरकारी अमीन द्वारा चार से पांच बार मापी की जा चुकी है। सोमवार को भी अमीन मापी के लिए आया था, लेकिन एक पक्ष ने उसे मापी करने से रोक दिया था। मंगलवार को यह विवाद इतना बढ़ गया कि दोनों पक्षों में मारपीट और आगजनी की घटना हो गई। प्रथम पक्ष से स्वर्गीय देवेंद्र पासवान के पुत्र दिलीप पासवान, भिखारी पासवान, नीतू देवी और किरण देवी (जो अपने मायके बखरीदोआ आई थीं) घायल हुए हैं। वहीं, दूसरे पक्ष से मक्खन पासवान के पुत्र अर्जुन पासवान, सविता कुमारी, हरेंद्र पासवान, राजीव कुमार, रवि किशन, अंधीर कुमार और सोनाली कुमारी घायल हुए हैं। आसपास के लोगों के मुताबिक, सभी घायलों को उनकी सुविधा के अनुसार अलग-अलग अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। आगजनी की घटना में झोपड़ीनुमा घर पूरी तरह जल गया। इसमें बंधी एक गाय की मौत हो गई। इसके अलावा, तीन साइकिल, एक स्कूटर, दो चारा काटने की मशीन और झोपड़ी में रखा अनाज भी जलकर राख हो गया। इस दौरान कटहरा थानाध्यक्ष संजीव कुमार दुबे ने बताया कि इस घटना के सम्बन्ध में दोनों पक्षों में से किसी के द्वारा आवेदन प्राप्त नहीं है। आवेदन मिलने पर जांच कर होगी कार्रवाई।

वैशाली में गंगा स्नान के दौरान भाई-बहन लापता

लोकतंत्र की शान : हाजीपुर। वैशाली जिले के रुस्तमपुर थाना क्षेत्र में गंगा नदी में स्नान के दौरान डूबे ममेरे-फुफेरे भाई-बहन निशांत कुमार और मानती कुमारी 36 घंटे बाद भी लापता हैं। उनकी तलाश में एसडीआरएफ (SDRF) का रेस्क्यू अभियान लगातार जारी है, लेकिन दूसरे दिन भी उनका कोई सुराग नहीं मिल पाया है। लापता निशांत कुमार पटना जिले के धनरूआ थाना अंतर्गत पवेरा निवासी अरविंद शर्मा के पुत्र हैं, जबकि मानती कुमारी दीदारगंज थाना अंतर्गत फतेहपुर निवासी सुधीर शर्मा की पुत्री हैं। दोनों आपस में ममेरे-फुफेरे भाई-बहन थे। जानकारी के अनुसार, निशांत कुमार आलमपुर कच्ची दरगाह स्थित अपनी मौसी के घर आए हुए थे। मानती भी अपनी फुआ के घर आई हुई थी। रविवार को मौसी के घर से पांच महिलाएं और दो पुरुष रुस्तमपुर थाना के कच्ची दरगाह घाट पर स्नान करने गए थे। नदी में पानी कम होने के कारण सभी पीपा पुल के पास स्नान कर रहे थे। स्नान के दौरान मानती कुमारी अचानक डूबने लगीं। उन्हें बचाने के प्रयास में छह अन्य लोग भी पानी में डूबने लगे। शोर सुनकर स्थानीय लोगों ने तुरंत कार्रवाई करते हुए चार लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। हालांकि, निशांत और मानती तेज धारा में बह गए और लापता हो गए। निशांत के पिता बनारस में बढ़ई का काम करते हैं। घटना की सूचना मिलते ही सबसे पहले नदी थाना पुलिस मौके पर पहुंची, जिसने रुस्तमपुर थाना को जानकारी दी। खबर लिखे जाने तक एसडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंच चुकी थी और व्यापक तलाशी अभियान चला रही थी। सूचना मिलने पर राघोपुर के सीओ राजीव रंजन चौधरी भी घटनास्थल पर पहुंचे और एसडीआरएफ टीम को लाने के लिए अपनी गाड़ी भेजी।

चैनपुर में भीषण आग, फायर ब्रिगेड ने पाया काबू

लोकतंत्र की शान : हाजीपुर। वैशाली के गोरौल प्रखंड स्थित चैनपुर गांव में भीषण आग लगने से किसानों को भारी नुकसान हुआ है। बिजली पावर ग्रिड के पास झाड़ियों में लगी आग तेजी से फैल गई, जिससे करीब एक एकड़ फसल जलकर राख हो गई। चैनपुर गांव में बिजली पावर ग्रिड के समीप अचानक झाड़ियों में आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया और आसपास के खेतों में फैल गई। इस भीषण आग में झलसी और इकरी सहित लगभग एक एकड़ में लगी फसल पूरी तरह नष्ट हो गई। आग इतनी तेजी से फैली कि स्थानीय लोग कुछ समझ पाते, उससे पहले ही फसल तबाह हो चुकी थी। घटना की सूचना मिलते ही गोरौल, बेलसर, भगवानपुर और महुआ अनुमंडल से अग्निशमन विभाग की कई टीमें मौके पर पहुंचीं। दमकल कर्मियों ने काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। फिलहाल आग लगने के कारणों का स्पष्ट पता नहीं चल सका है। हालांकि, प्रारंभिक आशंका जताई जा रही है कि तेज गर्मी और सूखी झाड़ियों के कारण यह आग भड़की होगी।

एईएस को लेकर अलर्ट मोड में स्वास्थ्य विभाग

लोकतंत्र की शान : मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर में तापमान में बढ़ोतरी के साथ ही चमकी बुखार (AES) के मामलों की आशंका को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग पूरी तरह अलर्ट मोड में आ गया है। जिला प्रशासन के निर्देश पर मेडिकल से लेकर ग्रामीण स्तर तक व्यापक तैयारी पूरी कर ली गई है। श्रीकृष्ण मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल (SKMCH) में अब तक कुल 17 AES के मामले सामने आए हैं, जिनमें 12 बच्चे मुजफ्फरपुर के और 5 अन्य जिलों के हैं। सभी बच्चों का इलाज कर उन्हें डिस्चार्ज कर दिया गया था। फिलहाल कुछ बच्चे भर्ती हैं, लेकिन अभी तक कोई नया मामला सामने नहीं आया है। स्वास्थ्य विभाग ने इस वर्ष किसी भी बच्चे की मौत न हो, इसके लिए विशेष तैयारी की है। SKMCH में 100 बेड का ICU पूरी तरह रेडी मोड में रखा गया है। इसके अलावा सदर अस्पताल में 10 बेड का आईसीयू तैयार है और जिले के सभी PHC और CHC में 2-2 आईसीयू बेड रिजर्व किए गए हैं। प्रशासन की ओर से ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में व्यापक स्तर पर प्रचार-प्रसार किया जा रहा है। लोगों को चमकी बुखार के लक्षण, बचाव और समय पर इलाज के प्रति जागरूक किया जा रहा है। SKMCH के उपाधीक्षक डॉ. गोपाल शंकर साहनी ने बताया कि अस्पताल में इलाज की पूरी व्यवस्था कर ली गई है। सभी आवश्यक दवाएं और जांच सुविधाएं उपलब्ध हैं। इस वर्ष भी बेहतर परिणाम लाने का लक्ष्य है और किसी भी बच्चे की AES से मौत न हो, इसके लिए विशेष निर्देश दिए गए हैं। जिले के सभी अस्पतालों को अलर्ट कर दिया गया है। PHC, CHC और सदर अस्पताल के अधीक्षकों को निर्देश दिए गए हैं कि किसी भी स्थिति में इलाज में लापरवाही न हो और सभी जरूरी सुविधाएं उपलब्ध रहें।

मनाई गई डॉ. भीमराव अंबेडकर की 135वीं जयंती

लोकतंत्र की शान : मुजफ्फरपुर। भारतीय संविधान के शिल्पकार डॉ. भीमराव अंबेडकर की 135वीं जयंती कलेक्ट्रेट परिसर में हर्षोल्लास और गरिमामय वातावरण में मनाई गई। इस अवसर पर कलेक्ट्रेट स्थित अंबेडकर उपवन में अधिकारियों, कर्मचारियों और गणमान्य अतिथियों ने उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। श्रद्धांजलि अर्पित करने वालों में तिरहुत प्रमंडल के आयुक्त गिरिवर दयाल सिंह, जिलाधिकारी सुब्रत कुमार सेन, वरीय पुलिस अधीक्षक कांतेश कुमार मिश्र, उप विकास आयुक्त श्रेष्ठ अनुपम, नगर आयुक्त रितुराज प्रताप सिंह, अनुमंडल पदाधिकारी (पूर्वी) तुषार कुमार और अनुमंडल पदाधिकारी (पश्चिमी) आकांक्षा आनंद समेत कई अधिकारी व कर्मचारी संघ के सदस्य शामिल रहे। इसके बाद कलेक्ट्रेट सभागार में अनुसूचित जाति एवं जनजाति कर्मचारी संघ की ओर से भव्य समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन अतिथियों द्वारा सामूहिक रूप से दीप प्रज्वलित कर किया गया, जबकि समारोह की अध्यक्षता प्रमंडलीय आयुक्त गिरिवर दयाल सिंह ने की। समारोह में वक्ताओं ने बाबा साहब के व्यक्तित्व और कृतित्व पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए उन्हें बहुमुखी प्रतिभा का धनी बताया। उन्होंने कहा कि डॉ. अंबेडकर के विचार, आदर्श और सिद्धांत आज भी समाज के लिए मार्गदर्शक हैं और युवा पीढ़ी के लिए प्रेरणास्रोत हैं। कार्यक्रम के दौरान स्कूली छात्र-छात्राओं को प्रतीक चिन्ह और स्कूल बैग प्रदान कर उनका उत्साहवर्धन किया गया। अंत में उपस्थित सभी लोगों ने बाबा साहब के बताए मार्ग पर चलने और उनके आदर्शों को अपने जीवन में अपनाने का संकल्प लिया।

सम्राट चौधरी होंगे बिहार के नए मुख्यमंत्री, आज लेंगे शपथ

एजेंसी, पटना

बिहार की राजनीति में 14 अप्रैल 2026 एक ऐतिहासिक दिन के रूप में दर्ज हो गया है। करीब दो दशकों तक सत्ता में रहे नीतीश कुमार के इस्तीफे के साथ 'नीतीश युग' का अंत हो गया है और अब सम्राट चौधरी बिहार के नए मुख्यमंत्री के रूप में उभरकर सामने आए हैं। उन्हें मंगलवार शाम चार बजे भारतीय जनता पार्टी विधायक दल का नेता चुना गया। राजग की बैठक के बाद इसकी औपचारिक घोषणा की जाएगी। उनका शपथग्रहण समारोह 15 अप्रैल को लोकभवन में होगा।

यह बदलाव बिहार की राजनीति में एक नए दौर की शुरुआत माना जा रहा है। कभी लालू प्रसाद यादव की राजनीति से जुड़े रहे सम्राट चौधरी आज भाजपा के सबसे भरोसेमंद चेहरों में शामिल हो चुके हैं और सत्ता के शीर्ष तक पहुंच गए हैं। सम्राट चौधरी का जन्म 16 नवंबर 1968 को मुंगेर जिले के लखनपुर गांव में हुआ था। राजनीति उन्हें विरासत में मिली। उनके पिता शकुनी चौधरी समता पार्टी के संस्थापकों में रहे और सात बार विधायक व सांसद रह चुके हैं। उनकी माता पार्वती देवी भी विधायक रह चुकी हैं। सम्राट चौधरी ने 1990 के दशक में सक्रिय राजनीति की शुरुआत लालू प्रसाद यादव के नेतृत्व में की। वर्ष 1999 में वे राबड़ी देवी की सरकार में कृषि मंत्री बने। उस समय उनकी कम उम्र को लेकर विवाद भी हुआ था। हालांकि, उनके राजनीतिक जीवन का निर्णायक मोड़ तब आया जब उन्होंने समाजवादी धारा छोड़कर भाजपा का दामन थाम लिया। वर्ष 2018 में भाजपा में शामिल होने के बाद उन्होंने तेजी से संगठन और सत्ता दोनों में अपनी पकड़ मजबूत की। 2019 में वे भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष बने, 2020 में विधान परिषद सदस्य चुने गए और 2022 में विधान परिषद में नेता प्रतिपक्ष की जिम्मेदारी मिली। वर्ष 2023 में उन्हें बिहार भाजपा का प्रदेश अध्यक्ष बनाया गया, जो उनके राजनीतिक करियर का अहम पड़ाव साबित हुआ।

इसके बाद 2024 में वे उपमुख्यमंत्री और वित्त मंत्री बने तथा बाद में गृह विभाग की जिम्मेदारी भी संभाली। नवंबर 2025 में दोबारा उपमुख्यमंत्री बनने के बाद उन्होंने कानून-व्यवस्था को लेकर सख्त रुख अपनाया और कई बड़े फैसले लिए। गृह मंत्री के रूप में सम्राट चौधरी ने अपराध के खिलाफ सख्त कार्रवाई की नीति अपनाई। उन्होंने अपराधियों को स्पष्ट संदेश दिया—"या तो अपराध छोड़ो या बिहार।" बेगूसराय में गैंगस्टर शिवदत्त राय पर हुई कार्रवाई को लोगों ने कड़े प्रशासनिक रुख के रूप में देखा। महिलाओं की सुरक्षा के लिए 'अभय ब्रिगेड' और 'पिंक पुलिसिंग' जैसी पहल शुरू की गई। साथ ही डायल 112 के रिस्पॉन्स टाइम को 10 मिनट से कम करने के निर्देश दिए गए। अवैध खनन और भू-माफियाओं के खिलाफ उनकी सख्ती ने उन्हें भाजपा नेतृत्व के बीच मजबूत स्थान दिलाया।

25,000 का इनामी कुख्यात अपराधी बादल साह उर्फ बोस गिरफ्तार, सहरसा पुलिस को बड़ी सफलता

लोकतंत्र की शान

सहरसा, मो. जियाउद्दीन, जिला संवाददाता: सहरसा पुलिस को अपराध नियंत्रण अभियान के तहत एक बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने 25,000 के इनामी कुख्यात अपराधी बादल साह उर्फ बोस को गिरफ्तार कर लिया है। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत की गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार, दिनांक 12 अप्रैल 2026 को सलखुआ थाना पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए टीम गठित की। एसटीएफ और डीआईयू की संयुक्त टीम ने योजनाबद्ध छापेमारी कर आरोपी को पटना के शास्त्री नगर थाना क्षेत्र से गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपी बादल साह, पिता अजीत साह, मूल रूप से बेगूसराय जिले के लोदिया नगर थाना क्षेत्र के बाघी वार्ड नंबर-01 का निवासी है। वह सलखुआ थाना कांड संख्या-199/2025 में वांछित था और टॉप-10 अपराधियों की सूची में शामिल था।

अपराधिक इतिहास भी रहा गंभीर–पुलिस के अनुसार, आरोपी पर कई गंभीर मामले दर्ज हैं, जिनमें हत्या, मारपीट और आर्म्स एक्ट से जुड़े मामले शामिल हैं। वर्ष 2019, 2021 और 2025 में विभिन्न थानों में उसके खिलाफ केस दर्ज किए गए हैं।

इनकी रही अहम भूमिका–इस कार्रवाई में थानाध्यक्ष मुकेश कुमार सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम के सदस्य—बबलू कुमार, दिलीप कुमार चौधरी, फिरोज आलम सहित सशस्त्र बल के जवान शामिल रहे। पुलिस का कहना है कि जिले में अपराधियों के खिलाफ अभियान आगे भी जारी रहेगा और कानून-व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के लिए सख्त कदम उठाए जाते रहेंगे।

सीएम नीतीश ने बाबा साहेब के आदर्शों पर आधारित नीतियों के माध्यम से उनके सपनों को साकार किया

लोकतंत्र की शान, पटना

जनता दल यूनाईटेड (जदयू) के प्रदेश कार्यालय, पटना में संविधान निर्माता भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती मनाई गई। इस अवसर पर पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा ने बाबा साहेब के तैलचित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। मौके पर कुशवाहा ने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने अपने कार्यकाल में सुशासन के माध्यम से बाबा साहेब की विचारधारा एवं उनके सामाजिक न्याय के मूल सिद्धांतों पर आधारित नीतियों का निर्माण किया और उन्हें प्रभावी रूप से धरातल पर उतारा। उनके नेतृत्व में बिहार में अनुसूचित जाति एवं जनजाति वर्ग के सर्वांगीण विकास हेतु कई ठोस एवं दूरगामी कदम उठाए गए, जिनसे समाज के सबसे वंचित एवं पिछड़े वर्गों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन आया है।

नीतीश कुमार द्वारा महादलित विकास मिशन की शुरुआत की गई। इसके माध्यम से शिक्षा, रोजगार, आवास एवं सामाजिक सुरक्षा से संबंधित अनेक जनकल्याणकारी योजनाओं को प्रभावी ढंग से लागू किया गया। वर्ष 2007 में अनुसूचित जाति एवं जनजाति कल्याण विभाग का स्वतंत्र रूप से गठन किया गया। साथ ही, राज्य अनुसूचित जाति एवं जनजाति आयोग की स्थापना कर इन समुदायों के उत्थान की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की गई।

शैक्षणिक सशक्तिकरण को प्राथमिकता देते हुए डॉ. भीमराव अंबेडकर आवासीय विद्यालय तथा डॉ. अंबेडकर कल्याण छात्रावासों की स्थापना की गई। वर्तमान में राज्य में अनुसूचित जाति वर्ग हेतु 66 तथा अनुसूचित जनजाति वर्ग हेतु 25 आवासीय विद्यालय संचालित हैं।

सहरसा में 34वां रीजनल क्रिकेट ट्रायल मीट 2026 का शुभारंभ, अग्निशमन सेवा सप्ताह भी शुरू

लोकतंत्र की शान

सहरसा | मो. जियाउद्दीन, जिला संवाददाता: सहरसा स्थित पी एम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय बरियाही में 34वें रीजनल क्रिकेट ट्रायल मीट 2026 का भव्य शुभारंभ जिलाधिकारी श्री दीपेश कुमार द्वारा फीता काटकर किया गया। कार्यक्रम में नवोदय विद्यालय समिति पटना संभाग के अंतर्गत आने वाले विद्यालयों के प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा कि पढ़ाई के साथ-साथ खेलों में रुचि रखना भी आवश्यक है। उन्होंने कहा कि खेल से बच्चों का शारीरिक और मानसिक विकास होता है, जिससे उनकी पढ़ाई भी बेहतर होती है। उन्होंने खिलाड़ियों से आह्वान किया कि वे उत्कृष्ट प्रदर्शन कर पटना संभाग की मजबूत टीम बनाएं और राष्ट्रीय स्तर पर बिहार, झारखंड एवं पश्चिम बंगाल का नाम रोशन करें। जानकारी के अनुसार, पटना संभाग के 84 विद्यालयों से कुल 362 खिलाड़ी इस ट्रायल में भाग ले रहे हैं। तीन दिवसीय इस ट्रायल में अंडर-14, अंडर-17 और अंडर-19 वर्ग की टीमों का चयन कर राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं के लिए तैयार किया जाएगा। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के बीच जिलाधिकारी ने विद्यालय की वार्षिक पत्रिका 'संकल्प' का विमोचन भी किया तथा छात्रों द्वारा लगाए गए कला एवं विज्ञान प्रदर्शनी का निरीक्षण किया। इस अवसर पर प्राचार्य नीलम कुमारी ने जिलाधिकारी दीपेश कुमार एवं ओएसडी सहरसा श्री राजू कुमार को मिथिला पाग-दोपट्टा, बुके एवं मोमेंटो भेंट कर सम्मानित किया। कार्यक्रम में वरिष्ठ शिक्षक विनोद विहारी ने धन्यवाद ज्ञापन किया, जबकि मंच संचालन शिक्षक प्रदीप कुमार चौधरी एवं सतरूपा शर्मा ने किया। कार्यक्रम में कई शिक्षक, पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

अग्निशमन सेवा सप्ताह का शुभारंभ–जिले में 14 अप्रैल से 20 अप्रैल 2026 तक अग्निशमन सेवा सप्ताह का आयोजन किया जा रहा है। इस अवसर पर जिलाधिकारी श्री दीपेश कुमार एवं पुलिस अधीक्षक श्री हिमांशु को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। इस सप्ताह का उद्देश्य आगजनी की घटनाओं की रोकथाम एवं आपातकालीन परिस्थितियों में अपनाए जाने वाले सुरक्षा उपायों के प्रति लोगों को जागरूक करना है। प्रशासन द्वारा विभिन्न जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर आमजन को सुरक्षा संबंधी जानकारी दी जाएगी।

सहरसा पुलिस की बड़ी सफलता: छिनतई कांड का उद्भेदन, हत्या कांड का आरोपी 24 घंटे में गिरफ्तार

लोकतंत्र की शान

सहरसा | मो. जियाउद्दीन, जिला संवाददाता: सहरसा पुलिस ने दो अलग-अलग मामलों में त्वरित और प्रभावी कार्रवाई करते हुए उल्लेखनीय सफलता हासिल की है। सोनवर्षराज थाना क्षेत्र में छिनतई कांड का सफल उद्भेदन किया गया, वहीं सिमरी बख्तियारपुर थाना क्षेत्र में हत्या कांड के मुख्य आरोपी को महज 24 घंटे के भीतर गिरफ्तार कर लिया गया।

छिनतई कांड का खुलासा–29 मार्च 2026 को उषा देवी अपने पति गणेश यादव के साथ मोटरसाइकिल से घर लौट रही थीं। नवटोलिया स्थित शिव मंदिर के पास अज्ञात अपराधियों ने उनके कान की बाली छीन ली थी। इस मामले में 1 अप्रैल 2026 को प्राथमिकी दर्ज कर अनुसंधान शुरू किया गया। अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी के नेतृत्व में गठित विशेष टीम ने तकनीकी एवं मानवीय साक्ष्यों के आधार पर कार्रवाई करते हुए तीन अपराधियों—शिवम कुमार, कुंदन ठाकुर और बाबू साहेब—को गिरफ्तार किया। पुलिस ने उनके पास से घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल, दो मोबाइल, एक जोड़ी कान की बाली और हेलमेट बरामद किया।

हत्या कांड का त्वरित उद्भेदन–12 अप्रैल 2026 को सिमरी बख्तियारपुर थाना क्षेत्र के सिटानाबाद पैना टोली में 9 वर्षीय बालक आदर्श की हत्या कर शव को घर के पास गड्ढे में छिपा दिया गया था। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और वैज्ञानिक तरीके से जांच शुरू की। मामले में 13 अप्रैल 2026 को प्राथमिकी दर्ज कर विशेष टीम गठित की गई। टीम ने महज 24 घंटे के भीतर मुख्य आरोपी साज हसन को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

पुलिस की सक्रियता की सराहना–दोनों मामलों में पुलिस की त्वरित कार्रवाई, तकनीकी जांच और टीमवर्क से अपराधियों की जल्द गिरफ्तारी संभव हो सकी। सहरसा पुलिस ने एक बार फिर यह साबित किया है कि कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए वह पूरी तरह सतर्क और प्रतिबद्ध है।

हेल्पलाइन: 06478-225554

"सहरसा पुलिस आपकी सेवा एवं सुरक्षा में सदैव तत्पर"

दक्षिण-मध्य बिहार में 18 के बाद 40 पार जाएगा पारा

लोकतंत्र की शान, पटना

राजधानी समेत राज्यभर में मौसम बदला हुआ है। पटना मौसम केंद्र के मुताबिक 18 अप्रैल के बाद दक्षिण और मध्य बिहार के कई जिलों में पारा 4 डिग्री तक बढ़ेगा, जिससे अधिकतम तापमान 40 के पार जाने की संभावना है। गयाजी, औरंगाबाद, रोहतास, कैमूर, नवादा, बक्सर समेत कई जिलों में हीट वेव की स्थिति बनेगी। अगले 7 दिनों तक अधिकांश जिलों में बारिश की संभावना नहीं है। अररिया, किशनगंज, पूर्णिया और कटिहार में एक-दो जगह हल्की बारिश संभव है।

क्यों बढ़ रही गर्मी: पूर्व-पश्चिम और उत्तर-दक्षिण ट्रफ लाइनें राज्य से गुजर रहीं। पश्चिमी विक्षोभ कमजोर, इसलिए ठंडा असर नहीं मिल रहा। ऊपर के स्तर पर तेज जेट स्ट्रीम हवाएं, लेकिन सतह पर गर्मी हावी। इन सभी कारणों से नमी घटी और तापमान बढ़ा।

नमी कम होने की वजह से मौसम शुष्क: उत्तर-पूर्व बिहार के ऊपर कई ट्रफ लाइन बनी हैं। इससे नमी कम हो रही है और मौसम शुष्क बना हुआ है। तेज धूप और गर्म हवाएं तापमान को लगातार बढ़ा रही हैं। कई जगहों पर हवा की रफ्तार 30 से 40 किमी तक पहुंच रही है। इससे अब दिन में बाहर निकलना मुश्किल होने लगा है। शरीर में पानी की कमी और थकान बढ़ रही है।

इंस्पेक्टर पर 50 लाख की रंगदारी मांगने का आरोप

लोकतंत्र की शान, पटना

पटना में खेमनी चक मोड पर एक इंस्पेक्टर और कोयला कारोबारी के बीच गाली-गलौज और हंगामा हुआ। इस दौरान लोगों की भीड़ भी जुटी रही। दरअसल, कोतवाली इलाके के मौर्या लोक के पास कोयला कारोबारी किसी काम के से पहुंचे थे। उन्होंने अपनी गाड़ी पास में ही खड़ी की थी। काम पूरा होने के बाद कारोबारी गाड़ी में आकर बैठे तब तक साइबर थाने में पदस्थापित एक इंस्पेक्टर वर्दी में आए और उसे पकड़ लिया। कोयला कारोबारी के दोस्त का आरोप है कि पकड़ने के बाद उन्होंने कारोबारी के मोबाइल फोन ले लिए। गाड़ी की चाबी निकाल ली। इसके बाद केस में फंसाने की धमकी देकर 50 लाख रुपए की डिमांड करने लगे।

दो घंटे तक शहर में घुमाया: दोस्त ने बताया, तकरीबन एक से दो घंटे तक उसी गाड़ी से शहर में घुमाया। इसी बीच कारोबारी ने अपने पार्टनर को फोन कर के रुपये लाने के लिए कहा। पार्टनर ने इंस्पेक्टर से बात की और डिमांड के रुपए देने को लेकर राम कृष्ण नगर इलाके के खेमनी चक में बुलाया। कारोबारी के पार्टनर ने इंस्पेक्टर से शर्त रखी कि वर्दी में नहीं आएंगे। रुपए लेने सादे लिबास में आएंगे।

नीतीश कुमार का दो दशक का कार्यकाल 'स्वर्णिम युग' समावेशी विकास और सुशासन की नई पहचान: जदयू

लोकतंत्र की शान, पटना

बिहार के मुख्यमंत्री के रूप में नीतीश कुमार के पिछले दो दशकों के कार्यकाल को आधुनिक बिहार के इतिहास में 'स्वर्णिम युग' के रूप में याद किया जाएगा। वर्ष 2005 में सत्ता संभालने के बाद उन्होंने एक ऐसे बिहार की नींव रखी, जो समावेशी विकास और सामाजिक न्याय के सिद्धांतों पर आधारित है। यह बातें जनता दल यूनाइटेड (जदयू) के प्रदेश प्रवक्ता हिमराज राम और परिमल कुमार ने मंगलवार को मीडिया में जारी बयान में कहीं। प्रवक्ताओं ने कहा कि नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार ने बदहाल कानून-व्यवस्था के दौर को पीछे छोड़ते हुए सुशासन के माध्यम से भयमुक्त वातावरण स्थापित किया और विकास की नई दिशा में कदम बढ़ाया। उन्होंने समाज के उन वर्गों को मुख्यधारा से जोड़ने का ऐतिहासिक कार्य किया, जो लंबे समय से उपेक्षित रहे थे।

महिलाओं के सशक्तिकरण के क्षेत्र में भी बिहार ने उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। सरकारी नौकरियों में महिलाओं को आरक्षण देने और पुलिस बल में उनकी बड़े पैमाने पर बहाली के फैसले ने प्रशासनिक और सुरक्षा व्यवस्था में महिलाओं की भागीदारी को मजबूती दी है।

वर्ष 2013 में पुलिस बल में 35 प्रतिशत आरक्षण लागू करने के बाद आज बिहार में महिला पुलिसकर्मियों की संख्या देश में सबसे अधिक बताई जा रही है। इसके साथ ही 'जीविका' योजना के माध्यम से लाखों महिलाओं को स्वयं सहायता समूहों से जोड़कर उन्हें आत्मनिर्भर बनाया गया है। इस पहल ने ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई दिशा दी है और बड़ी संख्या में महिलाएं आर्थिक रूप से सशक्त होकर अपना भविष्य संवार रही हैं।

प्रवक्ताओं ने आगे कहा कि पिछड़ा, अति पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक समुदायों के कल्याण के लिए अनेक योजनाएं चलाई गईं, जिससे उनके सामाजिक और आर्थिक उत्थान को बल मिला। मुख्यमंत्री के 'न्याय के साथ विकास' के संकल्प का ही परिणाम है कि आज राज्य के दूरदराज गांवों तक बिजली और आधारभूत संरचनाएं पहुंच चुकी हैं। सड़कों और पुलों के निर्माण से राज्य की कनेक्टिविटी में व्यापक सुधार हुआ है और बिहार आज आधारभूत ढांचे के मामले में देश के अग्रणी राज्यों को चुनौती दे रहा है। प्रवक्ताओं ने कहा कि यह 20 से अधिक वर्षों की निरंतर मेहनत और प्रतिबद्धता का परिणाम है कि आज बिहार एक प्रगतिशील और सशक्त राज्य के रूप में अपनी पहचान बना चुका है।

संक्षिप्त समाचार

सुशील कोल को पुलिस द्वारा अभी तक गिरफ्तार नहीं किया गया कोई राजनीति संरक्षण प्राप्त है

लोकतंत्र कि शान हसन रसीद जिला ब्यूरो चीफ जबलपुर कटनी मध्य प्रदेशः कटनी जानकारी अनुसार गत दिनों अनिल साहू अशोक साहू जो उसके ससुर है उनके साथ हुए मैं अभी तक अपराधी को गिरफ्तार नहीं किया गया जिसके चलते पुलिस अधीक्षक महोदय के समक्ष आवेदन प्रस्तुत किया गया ताकि सुशीलको ल को गिरफ्तारकया जा सके। अनिल साहू ने विज्ञप्ति के अनुसार बताया कि क्या हमारे ससुर को आज जबलपुर मेडिकल रेफर और इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज में भर्ती कियाज चुका है इलाज जारी है इधर गांवमें दहशत का माहौल है आज यह हादसा हुआ है कल दूसरेके साथ के साथ भी यह हादसा होसकता है जिला प्रशासन

वरिष्ठ बसपा कार्यकर्ता मौहम्मद फिरोज खान हिन्दुस्तानी ने बाबा साहब के विचारों पर चलने का दिया संदेश

मौहम्मद फ़िरोज़ खान हिन्दुस्तानी वरिष्ठ कार्यकर्त्ता, बसपा 32-असमोली विधानसभा

लोकतंत्र की शान : संभल/असमोली डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती के पावन अवसर पर वरिष्ठ बसपा कार्यकर्ता मौहम्मद फिरोज खान हिन्दुस्तानी द्वारा क्षेत्र में जनजागरूकता अभियान चलाया गया। इस दौरान उन्होंने लोगों को बाबा साहब के सिद्धांतों पर चलने और उनके बताए मार्ग को अपनाने के लिए प्रेरित किया। मौहम्मद फिरोज खान हिन्दुस्तानी ने अपने संबोधन में कहा कि बाबा साहब ने अपना पूरा जीवन समाज के कमजोर, शोषित और वंचित वर्गों के अधिकारों के लिए समर्पित कर दिया। उन्होंने शिक्षा, समानता और अधिकारों की लड़ाई को एक आंदोलन का रूप दिया, जिससे आज देश का हर नागरिक अपने अधिकारों के प्रति जागरूक हो सका है।

डॉ. भीमराव अंबेडकर का बाबा साहब के जीवन पर रोशनी डालते हुए जीवन परिचयः डॉ. भीमराव अंबेडकर का जन्म 14 अप्रैल 1891 को मध्य प्रदेश के महू में हुआ था। वे एक महान विधिवेत्ता, अर्थशास्त्री, समाज सुधारक और भारतीय संविधान के मुख्य शिल्पकार थे। कठिन परिस्थितियों में जन्म लेने के बावजूद उन्होंने शिक्षा को अपना सबसे बड़ा हथियार बनाया और कोलंबिया विश्वविद्यालय तथा लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स से उच्च शिक्षा प्राप्त की। बाबा साहब ने जातिवाद, भेदभाव और सामाजिक अन्याय के खिलाफ आजीवन संघर्ष किया। उन्होंने भारतीय संविधान के माध्यम से सभी नागरिकों को समान अधिकार दिलाने का कार्य किया। उनका मानना था कि समाज में वास्तविक परिवर्तन शिक्षा और जागरूकता के माध्यम से ही संभव है।

बाबा साहब से हमें क्या सीख लेनी चाहिएः बाबा साहब का जीवन हमें संघर्ष, शिक्षा और आत्मसम्मान का संदेश देता है। हमें उनके तीन मूल मंत्र — शिक्षित बनो, संगठित रहो और संघर्ष करो — को अपने जीवन में अपनाना चाहिए। उन्होंने सिखाया कि इंसान को अपने अधिकारों के लिए खड़ा होना चाहिए और कभी भी अन्याय के सामने झुकना नहीं चाहिए। अंत में मौहम्मद फिरोज खान हिन्दुस्तानी ने सभी लोगों से अपील की कि वे बाबा साहब के विचारों को अपने जीवन में उतारें और एक समान, न्यायपूर्ण और मजबूत समाज के निर्माण में योगदान

नूर महल में उलेमा के साथ बातचीत करते पूर्व मंत्री नवाब काजिम अली खां उर्फ नवेद मियां

» फिलिस्तीनी राजदूत के कार्यक्रम को लेकर उलेमा से मिले नवेद मियां

» सौलत लाइब्रेरी और जामा मस्जिद जाएंगे राजदूत, बुद्धिजीवियों और उलेमा भी होगी मुलाकात

लोकतंत्र की शान : मंडल प्रभारी अवनीत कुमार शर्मा , रामपुर। भारत में फ़िलिस्तीन के राजदूत अब्दुल्ला मोहम्मद अबू शावेश रामपुर आएंगे। वो सौलत पब्लिक लाइब्रेरी और जामा मस्जिद का दौरा करेंगे। राजदूत बुद्धिजीवियों और उलेमा से भी मिलेंगे। पूर्व मंत्री नवाब काजिम अली खां उर्फ नवेद मियां ने सोमवार को नूर महल में उलेमा के साथ बैठक कर फ़िलिस्तीन के राजदूत के कार्यक्रम को लेकर चर्चा की। नवेद मियां ने ईरान और फिलिस्तीन के हालात पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि दुनियाभर के इंसाफ़पसंद लोगों को एकजुट होकर जुल्म और ज्यादती का विरोध करना चाहिए। नवेद मियां ने बताया कि उन्होंने फ़िलिस्तीन के राजदूत अब्दुल्ला मोहम्मद अबू शावेश से मुलाकात कर रामपुर आने का आग्रह किया था, जिसे उन्होंने स्वीकार कर लिया है। राजदूत जल्दी ही रामपुर आएंगे। कार्यक्रम को अंतिम रूप दिया जा रहा है। इस मौके पर शहर इमाम हजरत मौलाना मौलवी मोहम्मद नासिर खां, शिया धर्मगुरु इमामे जुमा शिया जामा मस्जिद सैयद अली मोहम्मद नक़वी, इमामे जमात मस्जिद किला मौलाना जमा बाक़री, मस्जिदे ज़हरा के इमाम मौलाना सैयद मूसा रज़ा, मौलवी शाह खालिद खां, नवेद मियां के पीआरओ काशिफ खां, माजिद खां उर्फ राजा खां, मिर्जा तस्लीम बेग, अहतेशाम सहरी, शबाब हुसैन, हसन मेहदी आदि मौजूद रहे।

राजधानी में नहीं थम रहा देह व्यापार, स्पा सेंटरों की आड़ में अवैध गतिविधियों के आरोप नई DCP पूर्वी पर टिकी नजरें

लोकतंत्र की शान : अब्दुल्लाह खान ब्यूरो चीफ , लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में देह व्यापार के मामलों पर लगाम लगती नजर नहीं आ रही है। शहर के विभिन्न इलाकों में स्पा सेंटरों की आड़ में अवैध गतिविधियों के संचालित होने के गंभीर आरोप सामने आ रहे हैं। स्थानीय सूत्रों के मुताबिक गाजीपुर थाना क्षेत्र, गुडम्बा, विकास नगर, विभूतिखंड और गोमती नगर समेत कई इलाकों में कथित तौर पर स्पा और वेलनेस सेंटरों की आड़ में देह व्यापार संचालित किए जाने की चर्चाएं हैं। इन गतिविधियों को लेकर स्थानीय लोगों में नाराजगी भी बढ़ती जा रही है। मामले को लेकर यह भी आरोप लगाए जा रहे हैं कि कुछ जगहों पर यह कारोबार प्रशासन की नजरों के सामने ही चल रहा है। हालांकि, इन आरोपों की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन चर्चाओं का बाजार गर्म है। पुलिस की भूमिका पर भी सवाल उठाए जा रहे हैं और कुछ मामलों में मिलीभगत के आरोप भी सामने आ रहे हैं। इसी बीच हाल ही में पूर्वी जोन की नई DCP के रूप में दीक्षा शर्मा की तैनाती हुई है। ऐसे में अब इन आरोपों के बीच उनकी कार्यशैली और कार्रवाई पर सभी की नजरें टिकी हुई हैं। स्थानीय लोगों को उम्मीद है कि नई DCP के नेतृत्व में इन मामलों की निष्पक्ष जांच होगी और अवैध गतिविधियों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल, जरूरत इस बात की है कि प्रशासन इन आरोपों को गंभीरता से लेते हुए ठोस कदम उठाए, ताकि शहर में कानून-व्यवस्था बनी रहे और इस तरह की गतिविधियों पर पूरी तरह रोक लग सके

मझौली महाविद्यालय में नारी शक्ति वंदन पखवाड़ा के अंतर्गत व्याख्यान आयोजित

» नारी शक्ति वंदन अधिनियम नारी शक्ति को समर्पितः श्यामवती सिंह,

» देश के समावेशी एवं संतुलित विकास में नारी शक्ति का योगदान अहमः डॉ गीता भारती

लोकतंत्र की शान (ऋचा पाण्डेय ब्यूरो प्रमुख)

सीधी। शासकीय कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय मझौली में मध्य प्रदेश शासन उच्च शिक्षा विभाग, भोपाल के निर्देशन एवं महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. गीता भारती के मार्गदर्शन में 'नारी शक्ति वंदन पखवाड़ा'के अंतर्गत व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस आयोजन का उद्देश्य राजनीति में महिलाओं की समान भागीदारी सुनिश्चित करना तथा समाज में लैंगिक समानता को बढ़ावा देना है। कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती के छायाचित्र पर माल्यार्पण एवं दीप्रज्वलन से हुई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जनपद पंचायत कुशमी की अध्यक्ष श्यामवती सिंह उपस्थित रहीं। उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम भारतीय लोकतंत्र का एक ऐतिहासिक निर्णय है, जो राजनीति में महिलाओं की सक्रिय भूमिका को सुनिश्चित करेगा। उन्होंने यह भी कहा कि नारी शक्ति के बिना सशक्त राष्ट्र की परिकल्पना संभव नहीं है। महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. गीता भारती ने अपने वक्तव्य में कहा कि राष्ट्र निर्माण में नारी शक्ति का विशेष योगदान रहा है। देश के समावेशी एवं संतुलित विकास के लिए महिलाओं की भागीदारी अत्यंत आवश्यक है। कार्यक्रम में महाविद्यालय के सभी प्राध्यापकों एवं छात्र-छात्राओं ने सक्रिय सहभागिता निभाई, जिससे आयोजन सफल रहा। कार्यक्रम का संचालन डॉ. संदीप कुमार शर्मा द्वारा किया गया, जबकि अंत में प्रोफेसर रागिनी तिवारी ने सभी के प्रति आभार व्यक्त किया।

नर्सरी में देर रात भीषण आग, हजारों पौधे जले

कड़ी मशक्कत से तड़के चार बजे तक आग बुझाई

लोकतंत्र की शान (ऋचा पाण्डेय ब्यूरो प्रमुख)

सीधी । जिले के मझौली ब्लॉक अंतर्गत ग्राम कचहरिया स्थित नर्सरी में सोमवार देर रात भीषण आग लग गई। इस घटना में हजारों पौधे जलकर राख हो गए, जिससे नर्सरी को भारी नुकसान हुआ है। आग रात करीब 1 बजे भड़की और लगभग 4 घंटे तक धधकती रही। आग की चपेट में आने से आम, अमरूद, सेव, पपीता और ड्रैगन फ्रूट जैसे फलदार पौधों के साथ औषधीय और फूलों के पौधे भी पूरी तरह नष्ट हो गए। नर्सरी में मौजूद विभिन्न प्रकार की वनस्पतियां भी जलकर खाक हो गईं। इस अग्निकांड में लाखों रुपये के नुकसान का अनुमान लगाया जा रहा है। नर्सरी में कार्यरत कर्मचारी रामबहोर ने बताया कि आग लगने के समय वह सो रहे थे। आग की जानकारी मिलते ही उन्होंने अकेले ही इसे बुझाने का प्रयास किया, लेकिन आग तेजी से फैलती चली गई। उन्होंने तत्काल फायर ब्रिगेड को सूचना दी। फायर ब्रिगेड के

कर्मचारी सचिन यादव के अनुसार सूचना मिलते ही दमकल की टीम तड़के करीब 3 बजे मौके पर पहुंची और आग बुझाने का कार्य शुरू किया। उन्होंने बताया कि नर्सरी में सूखी पत्तियों की अधिकता के कारण आग तेजी से फैली, जिस पर काबू पाने में काफी मशक्कत करनी पड़ी। लगभग एक घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद सुबह चार बजे आग पर पूरी तरह नियंत्रण पा लिया गया।

थाना एन.के.जे. पुलिस द्वारा नबालिग बालिका को सूरत (गुजरात) से किया दस्तयाब

लोकतंत्र कि शान हसन रसीद जिला ब्यूरो चीफ जबलपुर कटनी मध्य प्रदेश

कटनी पुलिस अधीक्षक अभिनय विश्वकर्मा ,अति पुलिस अधीक्षक महोदय श्री संतोष डेहरिया के निर्देशन एवं उप पुलिस अधीक्षक (मुख्या.) श्री रत्नेश मिश्रा के कुशल मार्ग दर्शन में थाना एन.के.जे. प्रभारी को अपहर्त बालिका को तलाश करने में मिली सफलता। घटना विवरण- कटनी पुलिस अधीक्षक श्री अभिनय विश्वकर्मा द्वारा पुलिस मुख्यालय भोपाल द्वारा चलाए जा रहे ''आपरेशन मुस्कान '' के तहत अधिक से अधिक अपहृत बालक / बालिका के दस्तयाबी हेतु निर्देशित किया गया है। जिसके पालन में अति पुलिस अधीक्षक महोदय श्री संतोष डेहरिया के निर्देशन एवं उप पुलिस महोदय (मुख्या.) श्री रत्नेश मिश्रा के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी एनकेजे कटनी के नेतृत्व में बालिका के दस्तयाबी हेतु टीम गठित कर थाना एनकेजे के अप. क्र. 178/26 धारा 137(2) बीएनएस के प्रकरण मे साइबर सेल कटनी से की मदद से थाना एन.के.जे. पुलिस टीम द्वारा जिला सूरत (गुजरात) से अपहृत नाबालिग बालिका को पता तलाश कर दस्तयाब किया गया। थाना लाकर परिजनो को सुपुर्द किया गया । बालिका के मिलने पर परिजनो ने एनकेजे पुलिस के कार्य की सराहना की है। सराहनीय भूमिका - थाना प्रभारी उप.निरी.रुपेन्द्र राजपूत , सउनि केवल उइके ,प्र. आर.304 शैलेश दमोहिया , आर. 58 विनोद सिंह मार्को, म.प्र.आर. 486 पुष्पलता मिश्रा व साइबर सेल कटनी टीम शुभम गौतम अमित श्रीपाल अजय शंकर साकेत , सत्येंद्र ,चंदन एव एन.आर.एस. सोनू कहार की सराहनीय भूमिका रही ।

करनाल के डॉ. रीतेश सिन्हा को OMG बुक ऑफ रिकॉर्ड्स 2026 में मिला सम्मान

लोकतंत्र की शान, राजेंद्र करनाल की रिपोर्ट

करनाल, हरियाणाः परंपरा, नवाचार और समावेशिता का अद्भुत संगम प्रस्तुत करते हुए करनाल के डॉ. रीतेश सिन्हा को OMG Book of Records 2026 में उनके विशिष्ट योगदान के लिए सम्मानित किया गया है। डॉ. सिन्हा को उनके द्वारा विकसित एक नई हस्त मुद्रा "रीतेश मुद्रा" के लिए यह सम्मान प्राप्त हुआ है। यह मुद्रा प्राचीन भारतीय हस्त-मुद्राओं और आधुनिक एक्यूप्रेशर तकनीकों का अनूठा संयोजन है, जो विशेष रूप से सेरेब्रल पाल्सी जैसे न्यूरोलॉजिकल स्थितियों से प्रभावित व्यक्तियों में स्पास्टिसिटी को कम करने और मोटर नियंत्रण को बेहतर बनाने में सहायक है। इसके साथ ही, उन्होंने "रीतेश की पेंसिल पकड़ने की विधि" भी विकसित की है, जो हाथ की पकड़ (ग्रिप), सूक्ष्म मोटर कौशल (फाइन मोटर स्किल्स) और मानसिक एकाग्रता को बढ़ाने में मदद करती है। यह तकनीक विशेष रूप से उन बच्चों और व्यक्तियों के लिए उपयोगी है, जिन्हें लिखने में कठिनाई होती है। समावेशिता की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, डॉ. सिन्हा को सुगम्य वस्त्र (Accessible Clothing) के क्षेत्र में उनके कार्य के लिए भी सराहा गया है। उनके डिज़ाइन ऐसे हैं जो दिव्यांग व्यक्तियों के लिए आराम, गरिमा और आत्मनिर्भरता सुनिश्चित करते हैं। इस अवसर पर डॉ. सिन्हा ने कहा, "यह सम्मान केवल मेरी उपलब्धि नहीं है, बल्कि यह समाज में 'दिव्यांगता' की सोच को बदलने की दिशा में एक प्रयास है। हर व्यक्ति में क्षमता होती है, बस उसे सही दिशा और विधि की आवश्यकता होती है।" डॉ. रीतेश सिन्हा का कार्य इस विश्वास पर आधारित है कि दिव्यांग व्यक्ति वास्तव में विशिष्ट रूप से सक्षम (Distinctly Abled) होते हैं, और उनकी ये पहलें उन्हें सशक्त बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण योगदान दे रही हैं। OMG बुक ऑफ रिकॉर्ड्स द्वारा मिला यह सम्मान उनके सतत प्रयासों और समाज में सकारात्मक बदलाव लाने की उनकी प्रतिबद्धता का प्रतीक है।

बाबा साहब का संदेश हर भारतीय के लिए प्रेरणा - हेमंत खंडेलवाल

» संविधान शिल्पी, भारत रत्न अंबेडकर जी की जयंती पर अर्पित किए श्रृद्धा सूमन

लोकतंत्र की शान

बैतूल। भारतीय जनता पार्टी के प्रमुख कार्यक्रमों में शामिल डा.भीमराव अंबेडकर जी की जयंती पर जिले के 30 संगठनात्मक मंडलो के 1758 बूथो पर संविधान शिल्पी, भारत रत्न डा.भीमराव अंबेडकर जी जयंती का कार्यक्रम पूरे उत्साह के साथ मनाया गया। जिला मुख्यालय पर आयोजित कार्यक्रम अंबेडकर चौक पर पार्टी कार्यकर्ताओं द्वारा बाबा साहब की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर संपन्न हुआ। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने कहा कि बाबा साहब भारत के ऐसे महान सपूत रहे जिन्होने ना सिर्फ संविधान निर्माण किया बल्कि समाज में जो वर्ग पिछड गया था उन्हे मुख्यधारा में ले जाकर संरक्षण करने का काम किया। उन्ही की प्रेरणा से सबका साथ और सबका विकास के मूलमंत्र को दोहराते हुए हम विकसित भारत के लिए कार्य कर रहे है। हर वर्ग के लिए बाबा साहब के विचार आज भी प्रेरणा का काम करते है। इस दौरान भाजपा जिलाध्यक्ष सुधाकर पंवार ने कहा कि भारत रत्न डा.भीमराव अंबेडकर जी की आज हम 135 वीं जयंती मना रहे है। बाबा साहब के विचारों ने देश में सामाजिक न्याय के सपने को साकार करने का काम किया है। उनके सिद्वांत एवं आदर्श आत्म निर्भर और विकसित भारत निर्माण को मजबूती और गति देने वाला है। इस दौरान आमला विधायक डा. योगेश पंडाग्रे ने कहा कि बाबा साहेब के विचारों का सम्मान मोदी सरकार कर रही है। 14 अप्रेल को इसी कडी मे सभी केन्द्रीय सरकारी कार्यालय , औद्योगिक प्रतिष्ठानों में अवकाश घोषित किया गया है। डा. बाबा साहब अंबेडकर के विजन को पूरा करने के लिए सरकार लगातार प्रयास कर रही है। वहीं अन्य राजनीतिक दलों में अंबेडकर जी को भारत रत्न देने से भी मना करने का महापाप किया है। इस दौरान पूर्व जिलाध्यक्ष वसंत बाबा माकोडे, जिला महामंत्री कृष्णा गायकी, जिला उपाध्यक्ष इंद्रपाल पुण्डे, रश्मि साहू, नरेश फाटे, अजा मोर्चा प्रदेशसह कोषाध्यक्ष मूकेश झारे, पिछडा वर्ग मोर्चा प्रदेश मंत्री अतीत पंवार, महिला मोर्चा प्रदेश मंत्री ममता मालवी,जिला कोषाध्यक्ष दीपक सलूजा, मंडल अध्यक्ष विकास मिश्रा, विक्रम वैद्य, सुनील पंवार, सुनील गुडडू शर्मा, राहूल लोहाडिया, योगी खंडेलवाल, रमेश बारस्कर, पिंटू महाले, डा.अरूण जयसिंगपुरे, राजा साहू, महेश राठौर, सुरेश गायकवाड, पिंटू परिहार, आशीष पंवार, अनिल पंवार, सतीश जौधलेकर, सुनिता देशमुख, वर्षा खाडे, कविता रघुवंशी, सरिता रघुवंशी, सुनीला राठौर , शारदा पाटिल,ममता यादव, प्रेमराज चौकीकर, कुणाल शर्मा , अनिल मंडलकर, चाणक्य राखडे सहित बडी संख्या में पार्टी पदाधिकारी कार्यकर्ता मौजूद रहे।

नारी शक्ति वंदन अधिनियम का लाईव प्रसारण देख महिलाएं बोली यह ऐतिहासिक कदम

लोकतंत्र की शान

बैतूल। भारतीय जनता पार्टी द्वारा नगर के वरद मैरिज लॉन में आयोजित नारी शक्ति वंदन अधिनियम कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का लाइव प्रसारण किया गया। इस अवसर पर सैकड़ो बहनों ने साथ देखा और सुना वर्चुअल रूप से नारी शक्ति वंदन अधिनियम के विषय पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उद्बोधन के पश्चात महिलाओं में उत्साह नजर आया महिलाओं ने इस दौरान कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में महिला सशक्तिकरण की दिशा में लाया गया नारी शक्ति वंदन अधिनियम देश में महिलाओं के नेतृत्व विकास की दिशा में एक ऐतिहासिक और क्रांतिकारी कदम है। यह कानून महिलाओं को नीति निर्माण एवं नेतृत्व में अधिक भागीदारी सुनिश्चित कर उस 50 प्रतिशत आबादी को सशक्त आवाज देता है, जिसे लंबे समय से अपेक्षित प्रतिनिधित्व नहीं मिल पाया था। यह केवल एक विधायी सुधार नहीं, बल्कि सामाजिक परिवर्तन का मजबूत आधार है। सशक्त महिलाएं ही मजबूत संस्थानों, समावेशी शासन और एक प्रगतिशील भारत के निर्माण की धुरी बनेंगी।

नगर पंचायत सिरसी में भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती अभूतपूर्व उत्साह, गरिमा और सामाजिक समरसता के भाव के साथ मनाई गई

लोकतंत्र की शान, सैय्यद कुमैल ज़ैदी

संभल/सिरसी पूरा क्षेत्र "जय भीम" के नारों से गूंज उठा और हर वर्ग के लोगों ने बढ़-चढ़कर इस ऐतिहासिक दिवस में भाग लिया। यह आयोजन न केवल एक औपचारिक कार्यक्रम रहा, बल्कि बाबा साहब के विचारों को जन-जन तक पहुंचाने का एक सशक्त माध्यम भी बना। कार्यक्रम की शुरुआत नगर पंचायत कार्यालय परिसर में बाबा साहब के चित्र पर माल्यार्पण के साथ हुई, जहाँ नगर पंचायत सिरसी के अध्यक्ष कौसर अब्बास ने श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए बाबा साहब को नमन किया। इसके पश्चात वार्ड संख्या 4 स्थित पार्क में भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिकों, युवाओं और गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति रही। मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता राजेश सिंघल (पूर्व जिलाध्यक्ष एवं वर्तमान क्षेत्रीय उपाध्यक्ष) ने अपने ओजस्वी संबोधन में कहा कि डॉ. अंबेडकर केवल एक व्यक्ति नहीं, बल्कि एक विचारधारा हैं—ऐसी विचारधारा जो समानता, न्याय और अधिकारों की नींव पर टिकी हुई है। उन्होंने कहा कि बाबा साहब का जीवन संघर्ष हमें यह सिखाता है कि विपरीत परिस्थितियों में भी शिक्षा और दृढ़ संकल्प के बल पर असंभव को संभव बनाया जा सकता है।

अंबेडकर जयंती के दौरान बबाल, एक दर्जन लोगों को आई चोटें

» मामूली सी बात पर भीम आर्मी के लोगों ने की मारपीट

» एक ही परिवार के चार लोगों को आई गंभीर चोटें

» उपद्रियों ने अमिलिया थाना परिसर में घुसकर की तोडफ़ोड़

लोकतंत्र की शान (ऋचा पाण्डेय ब्यूरो प्रमुख)

सीधी। जिले के अमिलिया थाना क्षेत्र अंतर्गत डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती के दौरान निकली रैली हिंसा में बदल गई। मामूली विवाद ने देखते ही देखते उग्र रूप ले लिया, जहां एक पक्ष द्वारा सुनियोजित हमला किए जाने के बाद जवाबी हिंसा भी भड़क उठी। इस घटना में एक ही परिवार के चार लोग घायल हुए हैं। हालात को काबू में करने के लिए भारी पुलिस बल तैनात किया गया है। जानकारी के अनुसार अंबेडकर जयंती के मौके पर अमिलिया बाजार में रैली निकाली जा रही थी इसी दौरान रास्ते में खड़ी बोलेरो गाड़ी को हटाने को लेकर विवाद शुरू हुआ। देखते ही देखते यह बहस बढ़ गई और दो पक्षों के बीच तनाव की स्थिति बन गई। भारी संख्या में मौजूद भीम आर्मी के लोगों ने हाथापाई कतरे हुए करीब 50 की संख्या में उपद्रवियों ने पीड़ित के घर में घुस गए मारपीट करने लगे, बीच बचाव करने पहुंची घर की महिलाओं के साथ भी आरोपियों ने मारपीट की है, इस घटना में एक ही परिवार के चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। प्राप्त जानकारी अनुसार घायलों को समुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में प्राथमिक उपचार के बाद जिला चिकित्सालय भेजा गया था, लेकिन यह सभी घायल उपचार कराने संजय गांधी मेडिकल कॉलेज रीवा चले गए हैं। बता दें कि एक इस घटना के बाद कुछ देर के लिए मामला शांत हो गया था, ऐसा माना जा रहा था कि अब स्थिति सामान्य हो गई है, लेकिन करीब आधे घंटे बाद यह भीड़ सीधे अमिलिया थाना परिसर में पहुंच गई और थाना प्रभारी सहित मौके पर मौजूद स्टॉफ के साथ मारपीट करते हुए, थाने में तोड़फोड़ शुरू कर दी, इस घटना की जानकारी मिलते ही जिले के प्रभारी पुलिस अधीक्षक एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अरविंद श्रीवास्तव ने लाइन ऑर्डर जारी कर दिया, जिसके बाद पुलिस लाइन सहित जिले के आधा दर्जन थानों से बल तैनात कर दिया गया, तब जाकर स्थिति सामान्य हुई है। खबर लिखे जाने तक एफआईआर की कार्यवाही की जा रही थी, बताया जा रहा है कि बाजार क्षेत्र एवं थाना परिसर में लगें सीसीटीवी कैमरों को खंगाला जा रहा है, और आरोपियों को चिन्हित किया जा रहा है।

संक्षिप्त समाचार

बालेन्द्र सरकार ने बनाया नेपाल को 'बफर स्टेट' से 'वाइब्रेंट ब्रिज' के रूप में आगे बढ़ाने का मसौदा

काठमांडू। नेपाल सरकार ने देश को 'बफर स्टेट' से 'वाइब्रेंट ब्रिज' के रूप में रूपांतरित करने वाली कूटनीति और विदेश संबंधों का प्रस्ताव रखते हुए राष्ट्रीय प्रतिबद्धता का मसौदा प्रस्तुत किया है। संसद में प्रतिनिधित्व करने वाले 6 राजनीतिक दलों के घोषणापत्रों को मिलाकर तैयार इस मसौदे में त्रिपक्षीय आर्थिक साझेदारी और कनेक्टिविटी के माध्यम से राष्ट्रीय हित सुनिश्चित करने का उल्लेख किया गया है। मसौदे में कहा गया है कि नेपाल की संप्रभुता और राष्ट्रीय हित को सर्वोपरि रखते हुए देश को 'बफर स्टेट' से 'वाइब्रेंट ब्रिज' में परिवर्तित किया जाएगा। इसमें यह भी उल्लेख किया गया है कि नेपाल की संप्रभुता, भौगोलिक

अखंडता और राष्ट्रीय हित को सर्वोच्च रखते हुए बदलती वैश्विक भू-राजनीति और पड़ोसी शक्तियों के उदय को विकास के अवसर में बदलने के लिए 'संतुलित और गतिशील कूटनीति' अपनाई जाएगी। मसौदे में नेपाल के कूटनीतिक मिशनों के कार्य और जिम्मेदारियों का मूल्यांकन करने के लिए वैज्ञानिक 'परफॉर्मेंस ऑडिट' प्रणाली लागू करने की बात भी कही गई है। इसके साथ ही यह स्पष्ट किया गया है कि नेपाल किसी भी सैन्य गठबंधन, हथियारों की दौड़ और युद्ध को शांति के लिए बाधक मानते हुए सभी देशों के साथ समान दूरी और समान निकटता की नीति अपनाएगा। मसौदे के अनुसार समूची कूटनीति के केंद्र में 'नेपाल प्रथमः नेपाली प्रथम' की अवधारणा को रखा जाएगा। आर्थिक कूटनीति को बढ़ावा देने के साथ-साथ 'सगरमाथा संवाद' जैसे कार्यक्रमों को निरंतरता दी जाएगी। इसके अलावा जलवायु परिवर्तन, हिमालय संरक्षण, पर्वतीय मुद्दों और भूपरिवेष्ठित देशों के साझा हितों के सवाल पर अंतरराष्ट्रीय मंचों पर नेपाल की आवाज को सशक्त रूप से उठाने की भी बात कही गई है।

डेमोक्रेट सांसद एरिक स्वॉलवेल पर यौन उत्पीड़न का आरोप, देंगे इस्तीफा

वाशिंगटन। डेमोक्रेटिक प्रतिनिधि एरिक स्वॉलवेल ने सोमवार को कहा कि वे कांग्रेस से इस्तीफा देंगे। उन पर कई महिलाओं ने यौन उत्पीड़न और अन्य दुर्व्यवहार के आरोप लगाए हैं। वह कैलिफोर्निया के 14वें निर्वाचन क्षेत्र से अमेरिकी प्रतिनिधि सभा के सदस्य हैं। उन्होंने कहा, "मुझे और अन्य सदस्यों को तत्काल निष्कासित करने की प्रक्रिया चल रही है। आरोप लगने के कुछ ही दिनों में निष्कासित करना गलत है। बावजूद इसके मैंने नैतिकता के आधार पर कांग्रेस से इस्तीफा देने का फैसला किया है।" सीबीएस न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, इस्तीफा देने के फैसले की घोषणा के साथ स्वॉलवेल का राजनीतिक जीवन पूरी तरह से ढह गया। लगभग चार महिलाओं ने उन पर यौन दुर्व्यवहार के आरोप लगाए। इन आरोपों में बलात्कार, अश्लील संदेश और नग्न तस्वीरें भेजना शामिल है। इस कांग्रेसी नेता ने रविवार को कैलिफोर्निया के गवर्नर पद के लिए अपना चुनाव अभियान भी समाप्त कर दिया। अपने इस्तीफे की घोषणा में स्वॉलवेल ने अतीत में निर्णय लेने में हुई गलतियों के लिए माफी मांगी, साथ ही आरोपों का सामना करने का संकल्प भी लिया। एक पीड़ित महिला के बारे में पिछले शुक्रवार को सैन फ्रांसिस्को क्रॉनिकल में छपी

रिपोर्ट से आहत स्वॉलवेल ने कहा, "फिर भी मैंने जो गलतियां की हैं, उनके लिए मुझे जिम्मेदारी लेनी होगी और उन्हें स्वीकार करना होगा।" महिला ने स्वॉलवेल पर आरोप लगाया कि 2019 और 2024 में वह बहुत ज्यादा नशे की हालत में थी। वह सहमति देने की स्थिति में भी नहीं थी। तब स्वॉलवेल ने उसके साथ यौन संबंध बनाए। इसके बाद तीन अन्य महिलाओं ने भी स्वॉलवेल के कथित यौन दुर्व्यवहार के बारे में विस्तार से बताया। द्विदलीय हाउस एथिक्स कमेटी ने स्वॉलवेल के इस्तीफा देने की घोषणा से पहले कहा था कि वह स्वॉलवेल के खिलाफ जाँच कर रही है। स्वॉलवेल के इस्तीफे के साथ ही यह जांच बंद हो जाएगी। स्वॉलवेल का इस्तीफा ऐसे समय में आया है जब आरोपों के सामने आने के बाद कांग्रेस में उनके कुछ सबसे करीबी सहयोगियों ने भी उनसे दूरी बना ली है। स्वॉलवेल के करीबी एरिजोना के डेमोक्रेटिक सीनेटर रूबेन गैलेगो ने कहा कि उन्हें निष्कासित कर दिया जाना चाहिए। गैलेगो ने कहा, "मैंने जिस व्यक्ति पर भरोसा किया। जिसे मित्र माना। वह खराब आदमी निकला।"

गौपालन में गिरावट से बढ़ी कृषि लागत और उर्वरता संकटः नवल किशोर

देहरादून। अखिल भारतीय सह संयोजक, गौ सेवा गतिविधि नवल किशोर ने कहा कि गौपालन में लगातार गिरावट के चलते किसानों की कृषि लागत बढ़ रही है और रासायनिक खादों पर निर्भरता बढ़ने से भूमि की उर्वरता पर नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है। गौवंश संरक्षण को केवल सरकारी जिम्मेदारी न मानते हुए इसे जनभागीदारी से जोड़ने की जरूरत है। अखिल भारतीय सह संयोजक, गौ सेवा गतिविधि नवल किशोर मंगलवार को यहां तिलक रोड पर आयोजित एक बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने 'गौवृत्ति परिवार' मॉडल को समय की सबसे बड़ी आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा कि वर्तमान में देश में केवल करीब 15 प्रतिशत गौवंश ही किसानों के पास है, जबकि 85 प्रतिशत गायें गौशालाओं में सरकार और सामाजिक संस्थाओं के भरोसे हैं। इस व्यवस्था से सरकारी संसाधनों पर दबाव बढ़ रहा है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि गौपालन समाज की जिम्मेदारी बने बिना स्थायी समाधान संभव नहीं है। नवल किशोर ने कहा कि गौपालन में आई गिरावट ने

कृषि लागत बढ़ा दी है और रासायनिक खादों पर निर्भरता बढ़ाकर भूमि की उर्वरता को खतरे में डाल दिया है। उन्होंने गौ-आधारित अर्थव्यवस्था को पुनर्जीवित करने की जरूरत पर बल देते हुए कहा कि जैविक खाद, पंचगव्य और अन्य गौ-उत्पाद किसानों की आय बढ़ाने के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण में भी सहायक हो सकते हैं। उन्होंने ऐतिहासिक संदर्भ देते हुए कहा कि प्राचीन भारत में गाय अर्थव्यवस्था की आधारशिला थी, लेकिन औपनिवेशिक नीतियों ने इस व्यवस्था को कमजोर कर दिया। अब समय आ गया है कि समाज फिर से इस परंपरा को मजबूत करे। बैठक में धार्मिक और सांस्कृतिक पहलुओं पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि गोपाष्टमी जैसे पर्व केवल आस्था नहीं, बल्कि सामाजिक चेतना के प्रतीक हैं। उन्होंने गौपूजा, गौकथा और जनजागरण अभियानों के जरिए इसे जनआंदोलन का रूप देने का आह्वान किया। बैठक में उत्तराखंड गौसेवा संयोजक धर्मवीर, विभाग प्रचारक धन्नजय, विभाग कार्यवाह अरुण, जोत सिंह, ललित बडाकोटी, दीपेन्द्र त्रिपाठी सहित कई गणमान्य नागरिक और गौसेवा से जुड़े कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

अलवर में दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे पर हादसा, बस की केमिकल से भरे ट्रक से टक्कर, तीन की मौत

अलवर (राजस्थान)। अलवर जिले में दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे पर मंगलवार को सड़क हादसे में तीन लोगों की जान चली गई। इस हादसे में कम से कम 30 लोग घायल हो गए। यह हादसा राजगढ़ थाना क्षेत्र के पिनान स्थित चैनल नंबर 100 इंटरचेंज पुलिया के पास इंदौर से दिल्ली जा रही एक ट्रेवल बस के आगे चल रहे केमिकल से भरे ट्रक से टकराने से हुआ। मृतकों में बस चालक, एक महिला और एक बच्चा शामिल हैं। घटना की सूचना मिलते ही एनएचआई ए की टीम मौके पर पहुंची और राहत कार्य शुरू किया। सभी घायलों को एंबुलेंस के जरिए पिनान के आदर्श सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया। गंभीर रूप से घायल यात्रियों को अलवर और जयपुर रेफर किया गया है। थानाधिकारी राजेश मीणा ने बताया प्रारम्भिक सूचना में ड्राइवर के नींद आने से हादसा हुआ है।

उत्तराखंड से मानसरोवर की यात्रा जल्द कर सकेंगे श्रद्धालुः गडकरी

एजेंसी, देहरादून

केन्द्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि मानसरोवर यात्रा के लिए नेपाल और चीन से होकर जाना पड़ता था, लेकिन अब 52 सौ करोड़ रूपये की लागत से टनकपुर-पिथौरागढ़ होकर लिपुलेख तक मार्ग बनाया जा रहा है। 370 किमी लंबे इस प्रोजेक्ट में से करीब 200 किमी.का कार्य पूरा हो चुका है। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी मंगलवार को दिल्ली–देहरादून इकोनॉमिक कॉरिडोर के उद्घाटन के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कररहे थे। केन्द्रीय मंत्री गडकरी ने उत्तराखंड में चल रही विकास परियोजनाओं की जानकारी देते हुए कहा कि उत्तराखंड में करीब 1.30 लाख करोड़ रुपये की परियोजनाओं पर कार्य जारी है। सहारनपुर बाईपास से हरिद्वार तक 51 किलोमीटर छह लेन सड़क का उद्घाटन जून में होगा, जबकि 1650 करोड़ रुपये की लागत से पौंटा साहिब से देहरादून फोरलेन मार्ग अगले महीने तक शुरू हो जाएगा। दिल्ली–देहरादून इकोनॉमिक कॉरिडोर राज्य के विकास को नई गति देगा। उन्होंने बताया कि 16 सौ करोड़ रुपये की लागत से हरिद्वार ग्रीनफील्ड बाईपास फेज-1 अक्टूबर 2026 तक पूरा होगा, जिससे हरिद्वार

◆ दिल्ली–दून इकोनॉमिक कॉरिडोर के उद्घाटन समारोह को गडकरी ने किया संबोधितउत्तराखंड में करीब 1.30 लाख करोड़ रुपये की परियोजनाओं पर कार्य जारी: गडकरी

और ऋषिकेश में जाम की समस्या कम होगी।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि इसी तरह 12 हजार करोड़ की लागत से निर्माणाधीन 825 किमी लंबी चारधाम सड़क परियोजना में 640 किमी.का काम पूरा हो चुका है। बताया कि 11 सौ करोड़ रुपये की लागत से ऋषिकेश बाईपास परियोजना को मंजूरी मिल चुकी है, जिस पर अगस्त तक काम शुरू होगा।

इसके अलावा 1050 करोड़ रुपये की लागत से 21 किमी लंबा रुद्रपुर फोरलेन बाईपास इस साल अक्टूबर तक और 936 करोड़ रुपये की लागत से 15 किमी लंबा काशीपुर बाईपास दिसंबर 2026 तक पूरा किया जाएगा। उन्होंने कहा कि 716 करोड़ रुपये की लागत से 12 किमी लंबा देहरादून-झाझरा-आशारोड़ी एलिवेटेड रोड अगले वर्ष अप्रैल तक और 745 करोड़ रुपये की लागत से भानियावाला-जौलीग्रांट से ऋषिकेश फोरलेन मार्ग अप्रैल 2028 तक पूरा होगा। साथ ही 8 सौ करोड़ रुपये की लागत से श्रीनगर में टू-लेन बाईपास की डीपीआर तैयार की जा रही है।

उन्होंने बताया कि 13 सौ करोड़ की लागत से रुद्रप्रयाग से गौरीकुंड तक सड़क कार्य दिसंबर 2026 से शुरू होगा। इसके साथ-साथ गंगोत्री धाम जाने के लिए 142 किमी का काम पूरा हुआ है और बाकी 100 किमी. का काम चरणबद्ध तरीके से हो रहा है। यमुनोत्री धाम में 25 सौ करोड़ की लागत से धरासू से यमुनोत्री तक 46 किमी. का काम पूरा हो चुका है और 30 किमी. का काम अप्रैल, 2028 तक पूरा हो जाएगा।

नोएडा में दूसरे दिन भी बवाल पुलिस से झड़प, पथराव

एजेंसी, नई गौतमबुद्धनगर

नोएडा, यानी गौतमबुद्ध नगर में सैलरी बढ़ाने की मांग को लेकर फैक्ट्री कर्मचारी मंगलवार को भी सड़कों पर उतर आए। पुलिस ने उन्हें रोकने की कोशिश की तो झड़प हो गई। भीड़ ने 2–3 जगहों पर पुलिस की गाड़ियों पर पथराव किया। हालांकि पुलिस ने थोड़ी देर में ही हालात पर काबू पा लिया। प्रदर्शनकारियों को वहां से खदेड़ दिया।

फिलहाल, पुलिस और अर्द्धसैनिक बलों के जवान इंडस्ट्रियल इलाकों में सुबह 5 बजे से फ्लैग मार्च कर रहे हैं। CCTV और ड्रोन से निगरानी की जा रही है। इसके अलावा, पीएसी और RAF की 15 कंपनियां, 26 अफसर (8 एडिशनल एसपी और 18 डीएसपी) नोएडा भेजे गए हैं। आज ज्यादातर कंपनियां बंद हैं।

DGP राजीव कृष्ण लखनऊ के कंट्रोल रूम से मॉनिटरिंग कर रहे। कहा- क्षतिग्रस्त संपत्ति की भरपाई भी उपद्रवियों से कराई जाएगी। वहीं, पुलिस कमिश्नर लक्ष्मी सिंह ने कहा अब तक 300 से अधिक गिरफ्तारियां की गई हैं। अफवाह फैलाने वाले कुछ ग्रुप आइडेंटिफाई किए गए हैं। कुछ ऐसे लोग हैं, जो

◆ 15 कंपनियों की फोर्स, 26 पुलिस अफसर भेजे, राहुल बोले- ये श्रमिकों की आखिरी चीख

अलग-अलग जगहों पर भी पाए गए हैं। 50 X हैंडल के जरिए हिंसा के लिए उकसाया गया।

इधर, यूपी सरकार ने सोमवार देर रात फैक्ट्री कर्मचारियों की सैलरी बढ़ा दी। न्यूनतम मजदूरी दरों में 3000 रुपए तक की बढ़ोतरी की गई है। बढ़ी हुई सैलरी 1 अप्रैल से लागू होगी। सोमवार को बवाल के बाद हाईलेवल कमेटी ने रात में कर्मचारियों के साथ बैठक की। इसके बाद रात डेढ़ बजे सरकार ने आदेश जारी कर कमेटी की सिफारिशों पर मुहर लगा दी।

पाकिस्तान में अस्पताल की लापरवाही से 331 बच्चे एचआईवी पॉजिटिव

एजेंसी, इस्लामाबाद

पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के ताउंसा शहर में 331 बच्चे HIV पॉजिटिव पाए गए। ये मामले नवंबर 2024 से अक्टूबर 2025 के बीच दर्ज हुए। अब इस मामले में सरकारी अस्पताल में गंभीर लापरवाही के आरोप लगे हैं। BBC की रिपोर्ट में पाया गया कि THQ ताउंसा अस्पताल में सिरिंज दोबारा इस्तेमाल हो रही थीं। रिपोर्ट के मुताबिक, कई मामलों में एक ही दवा की शीशी से अलग-अलग बच्चों को इंजेक्शन दिया गया। इससे संक्रमण फैलने का खतरा बढ़ गया। मामले का खुलासा आठ साल के बच्चे मोहम्मद अमीन की मौत के बाद हुआ। उसकी बहन असमा भी HIV पॉजिटिव है। मां का कहना है कि बच्चों को अस्पताल में इलाज के दौरान संक्रमित सुई से HIV हुआ।

BBC की जांच में 32 घंटे की अंडरकवर रिकॉर्डिंग की गई।

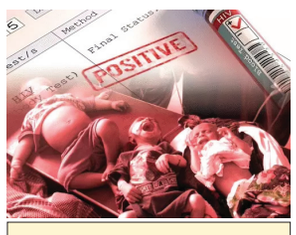

◆ 8 साल के बच्चे की मौत के बाद खुलासा, सिरिंज के दोबारा इस्तेमाल से फैला संक्रमण

इसमें 10 बार देखा गया कि सिरिंज को मल्टी-डोज वायल में दोबारा इस्तेमाल किया गया। इनमें से चार मामलों में उसी दवा को दूसरे बच्चों को दिया गया। संक्रामक रोग विशेषज्ञ डॉ अल्ताफ अहमद ने वीडियो देखने के बाद कहा कि सिरिंज का पिछला हिस्सा वायरस को ट्रांसफर कर सकता है, भले ही नई सुई लगा दी जाए।

हिमाचल प्रदेश में कानून व्यवस्था पूरी तरह चरमराईः जयराम ठाकुर

एजेंसी, शिमला

नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने मंडी जिले के सरकाघाट में 19 वर्षीय छात्रा की निर्मम हत्या की घटना को लेकर प्रदेश सरकार पर कड़ा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि यह घटना हिमाचल प्रदेश में बिगड़ती कानून व्यवस्था और प्रशासनिक कमजोरी का गंभीर संकेत है और इससे पूरे प्रदेश में डर का माहौल बना हुआ है। शिमला में मंगलवार को पत्रकार वार्ता के दौरान जयराम ठाकुर ने कहा कि कॉलेज जा रही एक 19 वर्षीय छात्रा पर एक युवक ने धारदार हथियार से हमला कर उसकी हत्या कर दी। उन्होंने कहा कि इस घटना ने प्रदेश के लोगों को झकझोर दिया है और खास तौर पर महिलाओं और बेटियों की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ी है। उनके अनुसार यह केवल एक सामान्य आपराधिक घटना नहीं है, बल्कि प्रदेश की कानून व्यवस्था पर सवाल खड़े करने वाली गंभीर घटना है। जयराम ठाकुर ने बताया कि वह खुद पीड़ित परिवार से मिले और उनकी पीड़ा को करीब से महसूस किया। उन्होंने कहा कि छात्रा के

पिता, जो निजी वाहन चालक हैं, गहरे सदमे में हैं और अपनी बेटी के लिए न्याय की मांग कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि सुबह पिता ने बेटी से बात की थी और कुछ ही घंटों बाद उन्हें उसकी हत्या की खबर मिली, जो बेहद दुखद और हृदय विदारक स्थिति है। उन्होंने कहा कि पुलिस ने आरोपित को गिरफ्तार कर लिया है, लेकिन इस मामले की गहराई से जांच होना जरूरी है। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या आरोपी अकेला था या इसके पीछे कोई और भी कारण या साजिश हो सकती है, इसकी पूरी जांच की जानी चाहिए।

जयराम ठाकुर ने इस घटना को प्रदेश में बढ़ते नशे के मामलों से भी जोड़ा। उन्होंने कहा कि आरोपित के नशे में होने की बात सामने आ रही है, जो राज्य में फैल रहे नशे के खतरे की ओर इशारा करती है। उन्होंने कहा कि सरकार नशे के खिलाफ अभियान चलाने का दावा करती है, लेकिन जमीन पर हालात चिंताजनक हैं। उनके अनुसार पिछले तीन वर्षों में प्रदेश में एनडीपीएस के 6200 से ज्यादा मामले सामने आए हैं और 66 लोगों की मौत नशे की ओवरडोज से हुई है।

उन्होंने यह भी कहा कि प्रदेश में महिलाओं के खिलाफ अपराधों के मामलों में भी लगातार बढ़ोतरी हो रही है, जो समाज के लिए चिंता का विषय है। साथ ही उन्होंने खराब सड़क व्यवस्था का मुद्दा उठाते हुए कहा कि छात्रा को बस पकड़ने के लिए लंबी दूरी पैदल चलना पड़ता था, जिससे ऐसे खतरे और बढ़ जाते हैं। जयराम ठाकुर ने कहा कि इस मामले की निष्पक्ष और समयबद्ध जांच होनी चाहिए और दोषियों को सख्त सजा मिलनी चाहिए, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोका जा सके और प्रदेश की बेटियों की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके।

टीएमसी ने बंगाल में खत्म किया उद्योग और रोजगार : राहुल गांधी

एजेंसी, मालदा

कांग्रेस नेता और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने मंगलवार को पश्चिम बंगाल के मालदा में चुनावी जनसभा में तृणमुल कांग्रेस (टीएमसी) और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर जमकर हमला बोला। उन्होंने तृणमुल पर प्रदेश में गुंडाराज चलाने का आरोप लगाया।

मालदा के चांचल स्थित कलम बागान में आयोजित जनसभा में राहुल ने कहा कि तृणमूल कांग्रेस के शासन में राज्य में उद्योग और व्यापार खत्म हो गया है। उन्होंने पांच लाख नौकरियों के वादे को "झूठा" बताते हुए दावा किया कि हजारों युवा रोजगार के इंतजार में है। उन्होंने कहा कि तृणमूल सिर्फ अपने संगठन के हित में काम कर रही है और राज्य में कानून-व्यवस्था बिगड़ चुकी है। कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि राष्ट्रीय स्तर पर भाजपा हिंसा फैलाती है, जबकि यहां तृणमूल कांग्रेस हिंसा फैलाने का काम करती है।

राहुल गांधी ने भाजपा पर हमला बोलते हुए कहा कि भाजपा के लोग नफरत फैलाने में लगे हैं। वहीं हम कहते हैं कि देश में एकता होनी चाहिए, भाईचारा होना चाहिए, नफरत मिटनी चाहिए। उन्होंने अपनी भारत जोड़ो यात्रा का जिक्र करते हुए कहा कि उनका मुकाबला नफरत की राजनीति से है।

कांग्रेस नेता ने कहा कि भाजपा का मुकाबला टीएमसी नहीं कर सकती है। सिर्फ कांग्रेस पार्टी ही भाजपा के खिलाफ खड़ी हो सकती है और उसे हरा सकती है। उन्होंने कहा कि यहां एसआईआर के नाम पर वोट चोरी की जा रही है, लेकिन टीएमसी इसे नहीं रोक सकती। सिर्फ कांग्रेस ही इसे रोक सकती है।

उन्होंने वादा किया कि अगर कांग्रेस सत्ता में आती है तो कई जनकल्याणकारी योजनाएं लागू की जाएंगी। इनमें सभी के लिए दस लाख रुपये तक का स्वास्थ्य बीमा, कैंसर मरीजों का मुफ्त इलाज, किसानों को 200 यूनिट तक मुफ्त बिजली और सालाना 15 हजार रुपये की सहायता शामिल है। महिलाओं को हर महीने 2000 रुपये देने और शिक्षा को मुफ्त करने का भी आश्वासन दिया गया।

यूके में भारतीय मूल की स्पीच एंड लैंग्वेज थेरेपिस्ट बर्खास्त

अंग्रेजी न समझ पाने पर नौकरी गई, फॉर्म में गलत जानकारी देने का आरोप

एजेंसी, लंदन

यूके में एक भारतीय मूल की स्पीच एंड लैंग्वेज थेरेपिस्ट साई कीर्तना श्रीपेरंबुदुरु को अंग्रेजी ठीक से न समझ पाने और आवेदन में गलत जानकारी देने के आरोप में नौकरी से निकाल दिया गया। कारण यह रहा कि वह मरीजों और सहकर्मियों की बात ठीक से समझ नहीं पा रही थीं। यह मामला जून 2024 का हो, लेकिन इसकी जानकारी अब सामने आई है। कीर्तना ने अक्टूबर 2023 में यॉर्क एंड स्कारबरो टीचिंग हॉस्पिटल्स NHS ट्रस्ट जॉइन किया था। जॉइनिंग के कुछ ही समय बाद सहकर्मियों को पता चला कि वह मरीजों और स्टाफ की अंग्रेजी ठीक से समझ नहीं पा रही थीं। स्पीच थेरेपिस्ट होने के बावजूद उन्हें उच्चारण, व्याकरण और बातचीत

समझने में समस्या थी। अंततः जून 2024 में उनकी सेवाएं समाप्त कर दी गईं।

अंग्रेजी फर्स्ट लैंग्वेज का दावा गलत निकलाः आवेदन में कीर्तना ने अंग्रेजी को अपनी पहली भाषा बताया था, लेकिन बाद में रिव्यू मीटिंग में स्वीकार किया कि उनकी मातृभाषा तेलुगु है। बाद में दिसंबर में उन्होंने बताया कि वह नौकरी के साथ-साथ अंग्रेजी सुधारने के लिए क्लास भी ले रही थीं। इस मामले में एक और अहम बात सामने आई कि नौकरी के आवेदन में उन्होंने अंग्रेजी को अपनी 'फर्स्ट लैंग्वेज' बताया था। जबकि फॉर्म के नियमों के अनुसार, 'फर्स्ट लैंग्वेज' वही मानी जाती है जो व्यक्ति रोजमर्रा की जिंदगी में सबसे ज्यादा इस्तेमाल करता हो। केवल अंग्रेजी माध्यम से पढ़ाई करना इसे पहली भाषा नहीं बनाता।

कीर्तना के मैनेजर ने यह भी बताया कि इंटरव्यू के दौरान उसने चैट बॉक्स के जरिए सवाल पूछने का अनुरोध किया था, यानी आमने-सामने बातचीत से बचना चाहती थीं। इसे असामान्य माना गया, खासकर इसलिए क्योंकि वह उस समय यूके में ही रह रही थीं। अस्पताल ट्रस्ट के प्रवक्ता ने पुष्टि की कि साई कीर्तना अक्टूबर 2023 से जून 2024 तक काम पर थीं और जून में उनकी सेवाएं समाप्त कर दी गईं।

लक्ष्य और संकल्प के साथ किया गया परिश्रम बाधाओं को दूर करता है : ओम बिरला

एजेंसी, नई दिल्ली

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने मंगलवार को यहां कहा कि लक्ष्य और संकल्प के साथ किया गया परिश्रम न केवल बाधाओं को मिटाता है बल्कि सफलता का मार्ग भी खोलता है। ओम बिरला ने दिल्ली स्थित कॉन्स्टिट्यूशन क्लब में लेडेक्स और आइकन एजुकेशन फाउंडेशन की ओर से डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती के अवसर पर आयोजित "एलीना और महान संविधान" (बाल संविधान) पुस्तक लोकार्पण के दौरान यह बात कही। इसकी टैगलाइन 'बाल संविधानः बचपन से पढ़े संविधान तो देश बने महान' है जो इंदौर इंस्टीट्यूट ऑफ लॉ ने दी है। इस पुस्तक श्रृंखला का उद्देश्य बचपन से ही बच्चों में संवैधानिक मूल्यों और नागरिक कर्तव्यों के प्रति जागरूकता पैदा करना है ताकि एक सशक्त और महान राष्ट्र का निर्माण हो सके।

मुख्य अतिथि के रूप में बिरला ने कहा, "बाबासाहेब की यात्रा आने वाली पीढ़ी को हमेशा प्रेरणा देती रहेगी कि जीवन में कितनी ही विपरीत परिस्थितियां हों, कितनी भी चुनौतियां हों कितना भी घनघोर अंधेरा हो जब लक्ष्य और संकल्प के साथ काम किया जाता है तो चुनौतियां भी समाप्त होती हैं और अंधेरा भी समाप्त होता है।" उन्होंने कहा कि डॉ. अंबेडकर ने सामाजिक न्याय के सिद्धांतों को रखते हुए संविधान सभा की प्रारूप समिति के अध्यक्ष के रूप में एक ऐसा संविधान बनाया जो हम सबका मार्गदर्शक है और दुनिया के संसदीय लोकतंत्र के लिए मार्गदर्शक है। अध्यक्ष ने कहा कि

लोकतंत्र की आत्मा हमारा संविधान है। आज लोगों के जीवन को नैतिक अधिकार, न्याय का अधिकार देने का काम हमारे संविधान में निहित है। एक सामान्य अंतिम पड़ाव का व्यक्ति भी न्याय का समान अधिकार रखता है, मत का समान अधिकार रखता है और एक मानवीय जीवन जीने का अधिकार रखता है। ये समानता उनके जीवन का मूल रही क्योंकि उन्होंने असमानता देखी थी और यही भारत की ताकत बनी।

उन्होंने कहा कि आजादी के 75 वर्षों के बाद आज समाज का कोई भी क्षेत्र चाहे वह विज्ञान हो, रक्षा हो या उद्योग महिलाओं के नेतृत्व से अछूता नहीं है। अब यह नेतृत्व क्षमता विधायी संस्थाओं (संसद और विधानसभाओं) तक पहुंच रही है, जो लोकतंत्र की परिपक्वता का प्रमाण है। मध्य प्रदेश के नगरीय विकास एवं आवास तथा संसदीय कार्य मंत्री विजयवर्गीय ने कहा कि आर्थिक प्रतिबंध किसी भी देश के विकास में रुकावट है। हमारी पार्टी देश की चिंता करता है, जबकि अन्य पार्टियां पार्टी कुर्सी की। उन्होंने संविधान की तुलना रामचरितमानस और गीता जैसे पवित्र ग्रंथों से करते हुए इसे राष्ट्र का मार्गदर्शक बताया और कानून के छात्रों को बाबा साहब के जीवन दर्शन को आत्मसात करने की सलाह दी।

इंदौर इंस्टीट्यूट ऑफ ला की ग्रुप डायरेक्टर एवं डीन प्रो. (डॉ.) मनप्रीत कौर राजपाल ने अपने स्वागत भाषण में कहा कि एक सशक्त राष्ट्र के निर्माण के लिए यह अनिवार्य है कि हमारे बच्चे बचपन से ही उन संवैधानिक मूल्यों और अधिकारों को जानें जो उन्हें एक जिम्मेदार नागरिक बनाते हैं। उन्होंने कहा कि यह पुस्तक बच्चों के मन में लोकतंत्र के प्रति सम्मान और जिज्ञासा पैदा करने का काम करेगी। इस अभिनव पहल के संयोजक लेडेक्स और आइकन एजुकेशन फाउंडेशन के अध्यक्ष डॉ. अक्षय कांति बम ने कहा कि, "बाल संविधान" के माध्यम से देश की भावी पीढ़ी को भारत के लोकतंत्र की नींव से जोड़ने का यह अपनी तरह का पहला और अनूठा प्रयास है। इस मौके पर विशेष अतिथि कैलाश विजयवर्गीय, साक्षी महाविद्यालय के 1500 विद्यार्थी और विभिन्न विद्यालयों के 500 से अधिक विद्यार्थियों सहित अन्य गणमान्य जन मौजूद रहे।

विशेष संसद सत्र 16-18 अप्रैल 2026- नारी शक्ति वंदन अधिनियम 2023 बनाम प्रॉक्सी राजनीति व नेतृत्व,आपराधिक दखल,बैक-डोर कंट्रोल, राजनीतिक ढाल बनाकर दुरुपयोग की चुनौती-कठोर सजा की धाराएं जोड़ने की जरूरत-एक समग्र अंतरराष्ट्रीय विश्लेषण

एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं

» भारतीय संविधान का अनुच्छेद 14 और 15 समानता और गैर- भेदभाव की गारंटी देते हैं,साथ ही अनुच्छेद 15(3) राज्य को महिलाओं और बच्चों के लिए विशेष प्रावधान करने की अनुमति भी देता है- समान अवसर और न्याय के व्यापक सिद्धांतों क्रा संतुलन आवश्यक

» विशेष संसद सत्र में नारी शक्ति वंदन अधिनियम 2023- प्रॉक्सी पॉलिटिक्स,राजनीतिक ढाल, आपराधिक नेटवर्क द्वारा जानबूझकर इस्तेमाल रोकने कठोर सजा का प्रावधान ज़रूरी ताकि वास्तविक सशक्तिकरण हों -एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र

गोंदिया - वैश्विक स्तरपर भारत ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम 2023 के माध्यम से लोकतांत्रिक इतिहास में एक निर्णायक कदम उठाया है, जिसका उद्देश्य संसद और विधानसभाओं में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण प्रदान कर राजनीतिक प्रतिनिधित्व में लैंगिक संतुलन स्थापित करना है। यह कदम केवल सांख्यिकीय प्रतिनिधित्व बढ़ाने का प्रयास नहीं है, बल्कि सामाजिक न्याय, समावेशी विकास और लोकतंत्र की गुणवत्ता को मजबूत करने का एक व्यापक दृष्टिकोण भी है। किंतु इस ऐतिहासिक पहल के साथ कई गंभीर प्रश्न और आशंकाएँ भी उभरकर सामने आई हैंविशेषकर प्रॉक्सी नेतृत्व या बैक-डोर कंट्रोल का खतरा, जिसमें निर्वाचित महिला प्रतिनिधि के स्थान पर वास्तविक सत्ता उनके पति या अन्य पुरुष रिश्तेदारों के हाथों में होती है। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं क्रि यह समस्या भारत तक सीमित नहीं है; विश्व के कई लोकतंत्रों में महिला आरक्षण या कोटा लागू होने के बाद इसी प्रकार की चुनौतियाँ सामने आई हैंइसलिए यह आवश्यक हो जाता है कि हम इस अधिनियम के निहितार्थों, संभावित जोखिमों और सुधारात्मक उपायों का गहन विश्लेषण करें।ताकि नारी शक्ति वंदन अधिनियम 2023 के दूरगामी सकारात्मक प्रभाव हमारे विज़न 2047 के लिए सटीक रूप से मील का पत्थर साबित हो। साथियों बात अगर हम मुद्दों का विश्लेषण करें तो सबसे पहला और बुनियादी प्रश्न यह हैकि क्या महिला जनप्रतिनिधियों का पारिवारिक पुरुषों द्वारा नियंत्रित होना मतदाताओं के विश्वास का हनन है?लोकतंत्र की मूल आत्माप्रतिनिधित्व और उत्तरदायित्व पर आधारित होती है। जब मतदाता किसी महिला को उसकी ईमानदार छवि, सामाजिक संवेदनशीलता और नेतृत्व क्षमता के आधार पर चुनते हैं, तब वे अपेक्षा करते हैं कि वही महिला नीति-निर्माण और निर्णय लेने की प्रक्रिया में सक्रिय भूमिका निभाएगी। लेकिन यदि वास्तविक निर्णय उसके पति या परिवार के पुरुष सदस्य लेते हैं, तो यह न केवल मतदाता के विश्वास के साथ धोखा है, बल्कि लोकतंत्र की पारदर्शिता और जवाबदेही को भी कमजोर करता है। भारत के कई राज्यों में पंचायत स्तर पर सरपंच पति की प्रवृत्ति एक स्थापित वास्तविकता बन चुकी है, जहाँ निर्वाचित महिला केवल नाममात्र की मुखिया होती है और वास्तविक शक्ति पुरुषों के हाथों में रहती है। यह स्थिति महिलाओं के सशक्तिकरण के मूल उद्देश्य को ही निष्प्रभावी कर देती है और उन्हें मात्र एक तुच्छ राजनीतिक औजार बना देती है। साथियों दूसरा महत्वपूर्ण पहलू यह है कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम के लागू होने के बाद बैक-डोर नेतृत्व की संभावनाएँ बढ़ सकती हैं। जब किसी क्षेत्र को महिलाओं के लिए आरक्षित कर दिया जाता है,तोराजनीतिक दल और प्रभावशाली पुरुष नेता अपने परिवार की महिलाओं को उम्मीदवार बनाकर अप्रत्यक्ष रूप से सत्ता पर नियंत्रण बनाए रखने का प्रयास कर सकते हैं। यह प्रवृत्ति पहले से ही स्थानीय निकायों में देखी जा चुकी है और यह संभावना है कि यह अब राज्य और राष्ट्रीय स्तर तक भी फैल सकती है। इस संदर्भ में अंतरराष्ट्रीय अनुभव भी महत्वपूर्ण हैं। उदाहरण के लिए, कुछ अफ्रीकी और दक्षिण एशियाई देशों में महिला कोटा लागू होने के बाद प्रारंभिक वर्षों में प्रॉक्सी पॉलिटिक्स का चलन बढ़ा,जहाँ महिलाएँ केवल प्रतीकात्मक प्रतिनिधि थीं। हालांकि समय के साथ, शिक्षा, राजनीतिक प्रशिक्षण और सामाजिक जागरूकता के बढ़ने से यह प्रवृत्ति धीरे-धीरे कम हुई। इससे यह स्पष्ट होता है कि केवल आरक्षण देना पर्याप्त नहीं है; उसके साथ संस्थागत और सामाजिक सुधार भी आवश्यक हैं। साथियों तीसरा बिंदु यह है कि क्या अयोग्य या अक्षम पुरुष नेता, जो स्वयं चुनाव नहीं लड़ सकते, महिलाओं को आगे कर बैक-डोर से सत्ता पर नियंत्रण बनाए रखेंगे? यह आशंका पूरी तरह निराधार नहीं है। भारतीय राजनीति में परिवारवाद और वंशवाद पहले से ही एक महत्वपूर्ण कारक रहा है। ऐसे में, यदि किसी पुरुष नेता पर कानूनी या राजनीतिक प्रतिबंध है, तो वह अपनी पत्नी, बेटी या अन्य महिला रिश्तेदार को उम्मीदवार बनाकर अप्रत्यक्ष रूप से सत्ता का उपयोग कर सकता है। यह न केवल लोकतांत्रिक प्रतिस्पर्धा को कमजोर करता है, बल्कि योग्य और स्वतंत्र महिला नेताओं के उभरने में भी बाधा डालता है। इस समस्या का समाधान केवल कानूनी प्रावधानों से नहीं, बल्कि राजनीतिक दलों की आंतरिक लोकतांत्रिक संरचना और उम्मीदवार चयन प्रक्रिया में अति अति सतर्कता व पारदर्शिता से ही संभव है।

साथियों चौथा और अत्यंत महत्वपूर्ण पहलू अपराध और न्याय व्यवस्था से जुड़ा है। इंस्टीट्यूट फॉर क्राइम एंड जस्टिस पॉलिसी रिसर्च की रिपोर्ट के अनुसार, भारत में महिला कैदियों की संख्या पिछले दो दशकों में 162 प्रतिशत बढ़ी है, जो पुरुष कैदियों की वृद्धि दर (77 प्रतिशत) से कहीं अधिक है। यह असंतुलन कई गंभीर सवाल खड़े करता है। क्या महिलाओं में अपराध की प्रवृत्ति बढ़ रही है, या उन्हें आपराधिक नेटवर्क द्वारा जानबूझकर इस्तेमाल किया जा रहा है? कई मामलों में यह पाया गया है कि मादक पदार्थों की तस्करी, मानव तस्करी और अवैध प्रवास जैसे अपराधों में महिलाओं को इसलिए शामिल किया जाता है क्योंकि उन्हें कम संदेहास्पद माना जाता है। यह स्थिति और भी चिंताजनक हो जाती है जब हम इसे राजनीतिक संदर्भ में देखते हैं। यदि आपराधिक तत्व महिलाओं को राजनीतिक ढाल के रूप में इस्तेमाल करने लगें, तो यह लोकतंत्र और कानून व्यवस्था दोनों के लिए गंभीर खतरा बन सकता है। विशेष रूप से सीमावर्ती राज्यों में, जहाँ अवैध प्रवास और तस्करी की समस्या अधिक है, यह जोखिम और भी बढ़ जाता है। साथियों पाँचवाँ मुद्दा आरक्षण के व्यावहारिक प्रभाव से जुड़ा है। यदि किसी विधानसभा या लोकसभा क्षेत्र को महिलाओं के लिए आरक्षित कर दिया जाता है,और वहाँ पर्याप्त योग्य महिला उम्मीदवार उपलब्ध नहीं हैं, तो यह संभावना है कि अपेक्षाकृत कम सक्षम उम्मीदवार ही निर्वाचित हो जाएँ। यह स्थिति मतदाताओं के लिए भी अन्यायपूर्ण हो सकती है,क्योंकि उन्हें अपनी पसंद के सर्वश्रेष्ठ उम्मीदवार का चयन करने का अवसर नहीं मिलता। हालांकि यह तर्क आंशिक रूप से सही है, लेकिन इसे व्यापक संदर्भ में देखना आवश्यक है। इतिहास गवाह है कि जब भी किसी वंचित वर्ग को अवसर दिया जाता है, तो प्रारंभिक वर्षों में चुनौतियाँ होती हैं, लेकिन समय के साथ वह वर्ग अपनी क्षमता विकसित कर लेता है। इसलिए, इस समस्या का समाधान आरक्षण को समाप्त करना नहीं, बल्कि महिलाओं के लिए शिक्षा, नेतृत्व प्रशिक्षण और राजनीतिक सहभागिता के अवसर बढ़ाना है। साथियों छठा और अंतिम बिंदु संवैधानिक संतुलन से जुड़ा है। यह सुनिश्चित करना आवश्यक है कि महिला आरक्षण के कारण पुरुषों के मौलिक अधिकारों, विशेष रूप से समानता के अधिकार, का उल्लंघन न हो। भारतीय संविधान का अनुच्छेद 14 और 15 समानता और गैर-भेदभाव की गारंटी देते हैं, लेकिन साथ ही अनुच्छेद 15 (3) राज्य को महिलाओं और बच्चों के लिए विशेष प्रावधान करने की अनुमति भी देता है। इसलिए, महिला आरक्षण संवैधानिक रूप से वैध है, बशर्ते कि यह समान अवसर और न्याय के व्यापक सिद्धांतों के अनुरूप हो। यहाँ संतुलन बनाना अत्यंत आवश्यक है, ताकि यह नीति सामाजिक न्याय को बढ़ावा दे, न कि नए प्रकार के असंतुलन पैदा करे। इन सभी चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए, यह आवश्यक हो जाता है कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम में कुछ ठोस दंडात्मक व सुधारात्मक उपाय जोड़े जाएँ। साथियों सबसे पहले, प्रॉक्सी नेतृत्व को रोकने के लिए स्पष्ट कानूनी प्रावधान होने चाहिए, जिनमें आर्थिक और आपराधिक दंड शामिल हों। यदि यह साबित होता है कि कोई निर्वाचित महिला प्रतिनिधि केवल नाममात्र की है और वास्तविक निर्णय कोई अन्य व्यक्ति ले रहा है, तो उस पर और संबंधित व्यक्ति पर कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए। दूसरा, महिला प्रतिनिधियों के लिए अनिवार्य राजनीतिक और प्रशासनिक प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किए जाने चाहिए, ताकि वे आत्मनिर्भर और सक्षम नेता बन सकें। तीसरा, राजनीतिक दलों को अपने आंतरिक ढांचे में सुधार करना होगा और महिलाओं को केवल टोकन उम्मीदवार के रूप में नहीं, बल्कि वास्तविक नेता के रूप में आगे बढ़ाना होगा। चौथा, नागरिक समाज और मीडिया की भूमिका भी महत्वपूर्ण है; उन्हें ऐसे मामलों को उजागर करना चाहिए जहाँ महिलाओं का दुरुपयोग किया जा रहा हो। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी यह देखा गया है कि महिला आरक्षण तभी सफल होता है जब उसे व्यापक सामाजिक और संस्थागत सुधारों के साथ जोड़ा जाए। रवांडा, नॉर्वे और फ्रांस जैसे देशों में महिला प्रतिनिधित्व बढ़ने के साथ-साथ महिलाओं की वास्तविक भागीदारी भी बढ़ी है, क्योंकि वहाँ शिक्षा, आर्थिक स्वतंत्रता और सामाजिक स्वीकृति का स्तर उच्च है। भारत को भी इस दिशा में समग्र दृष्टिकोण अपनाने की आवश्यकता है। अंततः, नारी शक्ति वंदन अधिनियम 2023 भारत के लोकतांत्रिक विकास की दिशा में एक ऐतिहासिक और आवश्यक कदम है, लेकिन इसकी सफलता इस बात पर निर्भर करेगी कि हम "संख्यात्मक प्रतिनिधित्व" को "वास्तविक सशक्तिकरण" में कैसे बदलते हैं। यदि हम प्रॉक्सी नेतृत्व, आपराधिक दखल अंदाजी और संस्थागत कमजोरियों को दूर करने में सफल होते हैं, तो यह अधिनियम न केवल महिलाओं के लिए, बल्कि पूरे समाज के लिए एक परिवर्तनकारी शक्ति बन सकता है। अन्यथा, यह केवल एक कागजी सुधार बनकर रहजाएगा जो अपने मूल उद्देश्य को पूरा करने में असफल रहेगा। इसलिए, समय की मांग है कि हम इस कानून को केवल एक राजनीतिक उपलब्धि के रूप में नहीं, बल्कि एक सामाजिक क्रांति के रूप में देखें और इसे सफल बनाने के लिए सभी स्तरों पर गंभीर और ठोस प्रयास करें।

-संकलनकर्ता लेखक - क्रर विशेषज्ञ स्तंभकार साहित्यकार अंतरराष्ट्रीय लेखक चिंतक कवि संगीत माध्यम सीए (एटीसी) एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र
9284141425

राजनीति के आंगन में सनातन की अडिग ध्वजा के वाहक डॉ. नरोत्तम मिश्रा

लेखक - डॉ. दुर्गेश केसवानी

भारतीय राजनीति में कुछ व्यक्तित्व ऐसे होते हैं जो केवल सत्ता के समीकरणों में न फंसकर, एक विचारधारा, संस्कृति और अडिग विश्वास का प्रतीक बन जाते हैं। मध्य प्रदेश की राजनीति में संकटमोचक के रूप में चर्चित पूर्व गृह मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा ऐसे ही व्यक्तित्व हैं। उनका जीवन और कार्य हमें यह संदेश देते हैं कि राजनीति केवल अवसरवादिता तक सीमित नहीं होती, बल्कि यह समाज के सांस्कृतिक और धार्मिक मूल्यों की रक्षा का एक पवित्र दायित्व भी है। 15 अप्रैल 1960 को ग्वालियर की ऐतिहासिक भूमि पर जन्मे डॉ. नरोत्तम मिश्रा के व्यक्तित्व में चंबल की प्रचंडता और ग्वालियर की सांस्कृतिक गरिमा का अद्वितीय सम्मिलन है। उनकी शिक्षा और जीवन के प्रारंभिक संघर्षों ने उन्हें न केवल अकादमिक रूप से सशक्त किया, बल्कि उनके भीतर राष्ट्रवाद, सनातन संस्कृति और धर्म के प्रति अडिग श्रद्धा का बीज भी रोपित किया। डॉ. मिश्रा का राजनीति में प्रवेश केवल एक पेशेवर विकल्प नहीं था, बल्कि यह समाज की सेवा और भारतीय संस्कृति की रक्षा का संकल्प था। डॉ. नरोत्ततम मिश्रा ने हमेशा यह कहा है कि भारत की आत्मा उसके मंदिरों, ग्रंथों और परंपराओं में बसी है। गृह मंत्री के रूप में उनके कार्यकाल में, मध्य प्रदेश में धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने और मंदिरों के जीर्णोद्धार की जो पहल की, वह उनकी इस दृष्टि का सशक्त प्रमाण है। उज्जैन के महाकाल लोक से लेकर ओरछा के राम राजा लोक तक, उन्होंने हर कदम पर सनातन की गरिमा को पुनर्निर्मित किया। इन प्रयासों ने न केवल राज्य की सांस्कृतिक धरोहर को फिर से जीवित किया, बल्कि लाखों श्रद्धालुओं के लिए आस्था का नया केंद्र भी स्थापित किया। डॉ. मिश्रा का सबसे बड़ा राजनीतिक हथियार उनका स्पष्ट दृष्टिकोण और साहसिक निर्णय थे। जब भी सनातन संस्कृति पर हमलावर शक्तियाँ सामने आईं, उन्होंने उनके खिलाफ हमेशा अपनी आवाज उठाई। लव जिहाद पर कड़ा कानून लागू करना हो या धर्म परिवर्तन पर रोक लगाने के लिए कानून बनाना, डॉ. मिश्रा ने यह सुनिश्चित किया कि धर्म की मर्यादाओं की रक्षा के लिए कानून उतना ही कठोर और स्पष्ट रहे जितना समाज के अन्य मुद्दों पर होता है। डॉ. मिश्रा का सनातन धर्म के प्रति प्रेम दतिया में बने नवग्रह मंदिर में जीवित रूप से देख सकते हैं। दतिया को लघु वृंदावन का दर्जा दिलाने में उनका अत्यधिक योगदान है, और नवग्रह मंदिर का निर्माण उनके जीवन का एक अभूतपूर्व और ऐतिहासिक कार्य है। यह मंदिर न केवल श्रद्धा का प्रतीक है, बल्कि सनातन धर्म के ज्योतिषीय और स्थापत्य विज्ञान का अद्वितीय संगम भी है। दतिया का नवग्रह मंदिर दुनिया का एकमात्र ऐसा मंदिर है, जहां नौ ग्रहों के अधिष्ठाता देवों की भव्य मूर्तियाँ शास्त्रों के अनुसार स्थापित की गई हैं। यह मंदिर न केवल आध्यात्मिक शांति का केंद्र है, बल्कि यह भारतीय संस्कृति और खगोलशास्त्र का एक अद्वितीय संगम भी प्रस्तुत करता है। मंदिर की स्थापत्य कला में उत्तर और दक्षिण भारतीय कला का मिश्रण है, जो डॉ. मिश्रा की कलात्मक दृष्टि और संस्कृतिपरक दृषटिकोन को दर्शाता है। यह नवग्रह मंदिर दतिया को अंतरराष्ट्रीय धार्मिक मानचित्र पर एक प्रमुख स्थान प्रदान करता है। लाखों श्रद्धालु यहाँ आकर ग्रहों की शांति और आध्यात्मिक उन्नति के लिए पूजा अर्चना करते हैं। इससे न केवल धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा मिला है, बल्कि स्थानीय रोजगार के अवसरों में भी अभूतपूर्व वृद्धि हुई है। डॉ. मिश्रा को उनके प्रभावशाली भाषणों और वाकपटुता के लिए भी जाना जाता है। चाहे वह विधानसभा में हो या प्रेस कांफ्रेंस में, वे सनातन धर्म विरोधी नरेटीव को तथ्यों और तर्कों से ध्वस्त कर देते हैं। वे हमेशा कहते हैं, सनातन वह प्रवाह है जिसे कोई भी बांध नहीं सकता। उनके भाषण युवाओं को प्रेरित करते हैं कि वे अपनी सांस्कृतिक धरोहर पर गर्व करें और उसे राजनीति के माध्यम से प्रोत्साहित करें। डॉ. मिश्रा ने हमेशा संस्कृति की रक्षा के लिए आवाज उठाई है। चाहे ओटीटी प्लेटफॉर्म्स पर सनातन प्रतीकों का अपमान हो, या कहीं अन्यत्र सनातन के विरुद्ध कुछ हो, डॉ. मिश्रा हमेशा उसके खिलाफ खड़े हुए। उनका मानना है कि राजनीति को धर्म (कर्तव्य) के अंकुश में रहकर ही चलाना चाहिए।

माता पिता आपको अच्छा इंसान बनाते हैं

लेखक- संजय गोस्वामी

हर बालक अनगढ़ पत्थर की तरह है जिसमें सुन्दर मूर्ति छिपी है, जिसे शिल्पी की आँख देख पाती है। वह उसे तराश कर सुन्दर मूर्ति में बदल सकता है। क्योंकि मूर्ति पहले से ही पत्थर में मौजूद होती है शिल्पी तो बस उस फालतू पत्थर को जिसमें मूर्ति ढकी होती है, एक तरफ कर देता है और सुन्दर मूर्ति प्रकट हो जाती है। माता-पिता शिक्षक और समाज बालक को इसी प्रकार सँवार कर खूबसूरत व्यक्तित्व प्रदान करते हैं। मां- बाप प्रतिफल बच्चों को सुख देने के लिए बेचैन रहते हैं इनके जीवन का 90 प्रतिशत संघर्ष तो मां –बाप ही पूरा कर देते हैं ऐसे लोग होते है जो पढ़ाई का खर्च खुद उठाते हैं आज के बच्चे इसकी कल्पना भी नहीं कर सकते इन्हें लगता है कि फीस मां- बाप को ही भरनी है पेरेंट्स बच्चों को अच्छे से पढ़ा देते हैं अच्छी सी नौकरी लगवा देते हैं बच्चों के जीवन में संघर्ष बचा ही नहीं कुछ संघर्ष संतानों के लिए भी छोड़ना चाहिए एहसास कराना चाहिए कि जो सुविधाएं इन्हें मिल रहे हैं ये इनका अधिकार नहीं बल्कि माता- पिता का उपकार है परिंदा भी अपने छोटे बच्चों को पेड़ से धक्का दे देता है इसके बाद वो बच्चा पेड़ से गिरता नहीं उड़ जाता है और तब उस बच्चे को पता चलता है कि अगर धक्का नहीं दिया होतो तो में आसमान में नहीं आया होता इसे प्रकार जिंदगी के दरिया में इन बच्चों को हाथ पैर चलाने देना होगा जब संघर्ष आता है तो लोग दुर्भाग्य मानने लगते हैं संघर्ष और दुर्भाग्य में फर्क है दुर्भाग्य परेशान करता है संघर्ष तराशता है पांच चीजें बच्चों को अवश्य सिखाएं परिश्रम ईमानदारी सहनशीलता सहयोग की वृत्ति और परिणाम के प्रति बेफिक्र होना इससे बच्चे परिपक्व होगें हम बहुत-सी चीजें करने के इच्छुक हैं—अच्छी आदतें डालने और बुरी आदतें छोड़ने, एकाग्रता के साथ पढ़ने और मन लगाकर कुछ करने का हम संकल्प लेते हैं। परन्तु बहुधा हमारा मन विद्रोह कर बैठता है और हमें इन संकल्पों को रूपायित करने के हमारे प्रयास से पीछे हटने को मजबूर कर देता है। हमारे सामने किताब खुली पड़ी है और हमारी आँखें खुली हैं; परन्तु मन कुछ पुरानी बातों को सोचता हुआ या भविष्य के लिए ख्याली पुलाव पकाता हुआ इधर-उधर घूमने लगता है। जब हम थोड़ी देर के लिए प्रार्थना, जप या ध्यान करने बैठते हैं, तब भी ऐसा ही होता है। स्वामी विवेकानन्द कहते हैं, ''स्वतन्त्र ! हम एक क्षण तो स्वयं अपने मन पर शासन नहीं कर सकते ! यही नहीं, किसी विषय पर उसे स्थिर नहीं कर सकते और अन्य, सबसे हटाकर किसी एक बिन्दु पर उसे केन्द्रित नहीं कर सकते ! फिर भी हम अपने को स्वतन्त्र कहते हैं ! जरा इस पर गौर तो करो !''शिक्षा का प्रमुख उद्देश्य विद्यार्थी का व्यक्तित्व विकास उनकी योजना का अनिवार्य अंग नहीं बन पाता है।चाहे आई.टी. का क्षेत्र हो अथवा मैनेजमेंट या मेडिकल का, सभी में सन्तोषजनक प्रगति हुई है, परन्तु युवाओं के व्यक्तित्व निर्माण की समस्या जस की तस दिखाई दे रही है। भगवद्गीता का कहना है कि असंयमित मन एक शत्रु के समान और संयमित मन हमारे मित्र के समान आचरण करता है। शिक्षा शास्त्रियों के अनुसार शिक्षा को त्रिमुखी प्रक्रिया माना गया है। शिक्षक, शिक्षार्थी एवं पाठ्यक्रम तीन आधार इस प्रक्रिया में हैं। शिक्षक का पुनीत कार्य शिक्षार्थी को पढ़ाना है, पाठ्यक्रम इसका माध्यम है। स्पष्ट है कि शिक्षक के लिए साध्य शिक्षार्थी है न कि पाठ्यक्रम। पाठ्यक्रम तो शिक्षक के लिए साधन के रूप में उपयोग में लाया जाता है। समय परिवर्तन के साथ साधन, साध्य के रूप में परिवर्तित हो गया है। शिक्षक का केन्द्रीकरण पाठ्यक्रम तक सीमित रह गया है, शिक्षार्थी द्वितीय वरीयता क्रम में आ गया है। अस्तु ! शिक्षा का सर्वांगीण विकास अथवा शिक्षार्थी के व्यक्तित्व विकास की अवधारणा उलट गयी है। लक्ष्य परिवर्तित हो गये हैं, व्यक्तित्व के विकास का स्थान अंक-अर्जन ने प्राप्त कर लिया है, लक्ष्य उपाधि अथवा परिणाम हासिल करने तक सिमट गया है। समस्त शिक्षा-तन्त्र का भी एकमात्र उद्देश्य विद्यालय के उत्तम परीक्षाफल तक ही सीमित हो गया है। विद्यार्थी के विकास से उनका अब कोई लेना-देना नहीं है। पाठ्यक्रम केन्द्रित शिक्षा व्यवस्था ने जो भी विकास किया है वह मात्र पाठ्यक्रम का। दिनोंदिन बस्ते का वजन बढ़ रहा है, विद्यार्थी के विकास की गति उसी के सापेक्ष घट रही है। विद्या प्रदाता को गुरु कहा जाता था, विद्या ग्रहण करने वाले को शिष्य। शनैः-शनैः गुरु-अध्यापक में परिवर्तित हुआ और शिष्य-विद्यार्थी में। वर्तमान में अध्यापक भी शिक्षक के रूप में तथा विद्यार्थी भी शिक्षार्थी के रूप में विद्यमान हैं। व्यक्तित्व निर्माण अथवा सद्गुण तथा सद्संस्कार का सम्बन्ध गुरु और शिष्य से है, शिक्षक और शिक्षार्थी से नहीं। संस्कार तथा जीवन निर्माण की बात तभी पूर्ण हो सकती है जब शिक्षक-गुरु के रूप में कार्य करें तथा शिक्षार्थी स्वयं को शिष्य के स्वरूप को परिलक्षित करें। दोनों में पारस्परिक यथायोग्य परम्पराओं एवं सम्बंधों का निर्वहन हो। शिक्षक और शिक्षार्थी के मध्य निरन्तर सम्पर्क, सम्बन्ध तथा संस्कारोचित व्यवहार हो। व्यक्तित्व-विकास में वंशानुक्रम तथा परिवेश दो प्रधान तत्त्व हैं। वंशानुक्रम व्यक्ति को जन्मजात शक्तियाँ प्रदान करता है। परिवेश उसे इन शक्तियों को सिद्धि के लिए सुविधाएँ प्रदान करता है। बालक के व्यक्तित्व पर सामाजिक परिवेश प्रबल प्रभाव डालता है। ज्यों-ज्यों बालक विकसित होता जाता है, वह उस समाज या समुदाय की शैली को आत्मसात् कर लेता है, जिसमें वह बड़ा होता है, विकास का तात्पर्य यहां सद्गुणों से है, नैतिक एवं जीवन मूल्यों से है, कुल मिलाकर संस्कारों से है। जिसमें माता पिता का वचन पालन करना आवश्यक है जो भगवान राम ने मर्यादा का पालन किया,वर्तमान शिक्षा व्यवस्था ने शिक्षा को केवल साक्षर बनाने तक परिसीमित कर दिया है, शिक्षा का परम उद्देश्य संस्कार होता है, वह ओझल हो गया है।विद्या ददाति विनयम् के आधार पर प्रदान की जाने वाली शिक्षा विकासोन्मुखी एवं संस्कारोन्मुखी थी। वर्तमान शिक्षा व्यवस्था में शिक्षक-शिक्षार्थी सम्बन्ध लगभग समाप्त हो गये हैं। समस्त शिक्षण व्यवस्था का केन्द्र-बिन्दु शिक्षक है। सामाजिक मूल्यों में चाहे जितनी गिरावट आयी हो किन्तु समूचा समाज शिक्षक को आज भी अपेक्षाकृत अन्य वर्गों की तुलना में सम्मान की दृष्टि से देखता है।॰ उन्ही लोगों के साथ न जुड़े रहना जो आपको बार बार और लगातार दर्द दे रहें हैं। यह सोचकर बैठ जाना की आप जीवन कुछ खो नहीं सकते। जब अचानक संघर्ष आता है तो तैयारी न होने पर लोग टूट जाते हैं या बिखर जाते हैं टूट गए तो फिर जुड़ जाएंगे लेकिन बिखर गए तो व्यक्तित्व के टुकड़े समेटना मुश्किल होगा आज के बच्चों को तो मालूम ही नहीं है कि संघर्ष होता क्या है।अतः हमें अपने मन की प्रक्रिया के विषय में एक स्पष्ट धारणा रखने की आवश्यकता है। क्या हम इसे अपने आज्ञा-पालन में, अपने साथ सहयोग करने में प्रशिक्षित कर सकते हैं ? किस प्रकार हमारे व्यक्तित्व के विकास में माता पिता का अहम योगदान रहता है।

जीवन एक समर है यादों में जीवित जय है बिना सारथी के रथ पर यात्रा का हो रहा भय है

» एक अधूरे बिहार की पूर्णता का गर्वित अध्याय

लोकतंत्र की शान

बिहार के सामाजिक राजनीतिक शैक्षणिक प्रशासनिक पुनरुद्धार के प्रणेता अभिभावक माननीय मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जी आप सर्वदा स्मरणीय हैं और रहेंगे। आपके द्वारा 20 सालों तक बिहार के बदलाव की सच्चाई एक कहानी नहीं एक सुखद अध्याय है। सामाजिक न्याय की नई पहचान को आप ने विकास विश्वास के नए दौर में पहुंचाकर प्रगति के नए सोपान पर पहुँचा दिया। इस गौरव यात्रा को बिहार के लोग सुशासन के रूप में याद करते हैं। बिहार की बेटियों को अपनी साइकिल की अभियान से शिक्षा और सफलता का स्वाभिमान अपने ही तो दिया है। जर्जर तार और ट्रांसफार्मर की अंतहीन प्रतीक्षा को देख चुका अंधकार में डूबा बिहार आज घर-घर तक पहुँच गई सतत बिजली के लिए आपका हमेशा आभारी रहेगा हर घर तक नल जल योजना के स्वच्छ जल की अवधारणा आप जैसा दूरदर्शी व्यक्ति ही सोच सकता है। रोजगार के क्षेत्र में आपकी क्रांतिकारी सोच ने आज लाखों युवाओं को उनका उज्जवल भविष्य दे दिया। हम कैसे भूल सकते हैं कि आपने अपने सात निश्चय योजना से बिहार को बदल दिया। पर्यावरण की शुद्धता के लिए सारा बिहार आप का सर्वदा ऋणी रहेगा। आपके आने के पूर्व बिहार में वन क्षेत्र जहाँ 7 प्रतिशत था उसे बढ़ाकर अपने मार्गदर्शन में आपने 17 प्रतिशत कर दिया । इस सदप्रयास के लिए आप को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सराहना मिलीऔर विभिन्न सम्मान सेआपको पुरस्कृत किया गया।आपने प्रशासनिक तंत्र को जनता का जनता के लिए और जनता के द्वार तक पहुँचा कर जनता के आशा को नियति और परिणाम का विश्वास दिया । बीमार स्वास्थ्य संरचना वाला बिहार आज स्वस्थ विहार के परिणाम पर राष्ट्रीय स्तर पर चर्चित है। सड़क की गुणवत्ता से लेकर स्थानीय निकाय की सबलता अपने प्रणेता को कैसे भूल सकता है। पटना के गंगा पथ से गुजरते हुए जब हम अपने बिहार को देखते हैं तो माननीय मुख्यमंत्री जी हमें अहसास हो जाता है कि आपने आधारभूत संरचना ही नहीं हमारे हृदय में विश्वास स्तंभ का दूरदर्शी चिंतन भी दिया है। आप पद से विदा हो रहे हैं लेकिन बिहार के करोड़ जनता के अश्रुपूर्ण नयनों में स्वच्छ छवि के साथ आप हमेशा विराजमान रहेंगे। आपका मार्गदर्शन और दृष्टि बिहार को मिलता रहे और आप जहाँ भी रहें बिहार का अभिभावक बने रहें । हमारी ईश्वर से प्रार्थना है आप स्वस्थ और दीर्घायु बने रहें। आपके साथ कुछ लम्हे कई यादें बतौर इनाम मिले एक सफर पर निकले और तजुर्बे तमाम मिले।

प्रफुल्ल हिंगे ने आईपीएल में रचा इतिहास

- शोएब अख्तर समेत 8 खिलाड़ियों की बराबरी की

नई दिल्ली। सनराइजर्स हैदराबाद ने आईपीएल 2026 के 21वें मैच में राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ अपनी प्लेइंग 11 में प्रफुल्ल हिंगे को शामिल किया। प्रफुल्ल ने अपने डेब्यू मैच में ही फिर वो कमाल कर दिया और आईपीएल इतिहास में किसी भी खिलाड़ी ने नहीं किया था। यही नहीं प्रफुल्ल ने शोएब अख्तर समेत 4 खिलाड़ियों की बराबरी भी कर ली।

प्रफुल्ल ने पहले ओवर में 3 विकेट लिए

प्रफुल्ल हिंगे ने राजस्थान के खिलाफ पारी के पहले ही ओवर में 3 विकेट झटके और आईपीएल इतिहास में बतौर डेब्यूटेंट पहले ओवर में 3 विकेट लेने वाले पहले गेंदबाज बने। प्रफुल्ल ने वैभव सूर्यवंशी, ध्रुव जुरेल और लुआन-ड्रे प्रिटोरियस को आउट कर राजस्थान को पूरी तरह से बैकफुट पर धकेल दिया। ये तीनों बल्लेबाज तो खाता भी नहीं खोल पाए। प्रफुल्ल की गेंदबाजी का इन सभी बल्लेबाजों को पास कोई जवाब नहीं था और सबने उनके सामने सरेंडर कर दिया। प्रफुल्ल ने इस लीग में 1191 मैचों के बाद पहले ओवर में 3 विकेट लेने का कमाल किया। प्रफुल्ल हिंगे ने खबर लिखे जाने तक राजस्थान के खिलाफ 3 ओवर में 18 रन देकर 4 विकेट लिए और उन्होंने आईपीएल की पहली पारी में 4 विकेट लेने का कमाल भी किया।

पहली पारी में 4 विकेट

2026	प्रफुल हिंगे
2025	अश्विनी कुमार
2019	अल्जारी जोसेफ
2017	एंड्रयू टे
2015	डेविड वाइज
2012	केवोन कूपर
2011	पॉल वाल्थाटी
2009	शादाब जकाती
2008	शोएब अख्तर

वैभव दे सकते है टीम इंडिया में दस्तक

बनेंगे भारत के सबसे कम उम्र के खिलाड़ी

आयरलैंड टी- 20 दौरे के लिए चयन लगभग तय

नई दिल्ली। जून 2026 में भारत के आयरलैंड दौरे के लिए वैभव सूर्यवंशी के चुने जाने की संभावना है। यदि वह चुने गए तो देश का प्रतिनिधित्व करने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बनेंगे। इंडियन एक्सप्रेस को मिली जानकारी के अनुसार, चयनकर्ता 15 साल के इस खिलाड़ी को इंग्लैंड के व्हाइट-बॉल दौरे से ठीक पहले होने वाली इस छोटी T20I सीरीज में बड़ा मौका दे सकते हैं। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के सूत्र ने इसकी पुष्टि की। सूत्र ने बताया, ''वह आयरलैंड दौरे के लिए दावेदारों में शामिल है और चयनकर्ताओं ने कई अन्य खिलाड़ियों के साथ उसका नाम भी शॉर्टलिस्ट किया है।''

बाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने पिछले सीजन दुनिया के कुछ बेहतरीन गेंदबाजों की जमकर धुनाई की थी। इस साल भी वह उसी लय में खेल रहे हैं। वैभव सूर्यवंशी ने इस सीजन अब तक रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ 26 गेंदों में 78 रन, चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ 17 गेंदों में 52 रन और मुंबई इंडियंस के खिलाफ 14 गेंदों में 39 रन बनाए हैं। वह बड़े नामों से बिल्कुल भी घबराते हुए नहीं दिखते। उन्होंने जसप्रीत बुमराह (जिन्हें पहली ही गेंद पर छक्का जड़ा था) और जोश हेज़लवुड जैसे गेंदबाजों का भी पूरे आत्मविश्वास के साथ सामना किया।

जिम्बाब्वे दौरे के लिए भी चुने जा सकते हैं वैभव सूर्यवंशी

राष्ट्रीय चयनकर्ता इस युवा खिलाड़ी को भारतीय टीम में शामिल करने के लिए ज्यादा इंतजार करने के मूड में नहीं हैं, लेकिन संभावना है कि वे उसे थोड़ी कमजोर टीम के खिलाफ खेलने का मौका देंगे। अगर वैभव सूर्यवंशी का शानदार रन बनाने का सिलसिला जारी रहता है तो चयन समिति उसे आयरलैंड में होने वाली आगामी सीरीज के साथ-साथ इस साल के अंत में होने वाले जिम्बाब्वे दौरे के लिए भी चुनेगी। यहां तक कि भारत के पूर्व ऑलराउंडर इरफान पठान ने भी राष्ट्रीय चयनकर्ताओं से कहा है कि वे देर न करें और वैभव सूर्यवंशी को तुरंत टीम में चुन लें। सचिन तेंदुलकर भारत का प्रतिनिधित्व करने वाले सबसे कम उम्र के पुरुष क्रिकेटर हैं। सचिन तेंदुलकर ने 1989 में कराची में पाकिस्तान के खिलाफ अपना टेस्ट डेब्यू 16 साल और 205 दिन की उम्र में किया था।

वैभव तोड़ सकते हैं शेफाली वर्मा का रिकॉर्ड

पुरुष और महिला क्रिकेट दोनों की बात करें तो शेफाली वर्मा भारत के लिए खेलने वाली सबसे कम उम्र की क्रिकेटर हैं। शेफाली ने 15 साल, सात महीने और 27 दिन की उम्र में इंटरनेशनल डेब्यू किया था। अगर वैभव सूर्यवंशी आयरलैंड दौरे पर खेलते हैं तो वह शेफाली का रिकॉर्ड तोड़ देंगे। भारत बनाम आयरलैंड टी20 इंटरनेशल सीरीज के दो मैच 26 और 28 जून 2026 को होने हैं। पता चला है कि IPL 2026 के खत्म होने के एक महीने से भी कम समय के भीतर होने वाली इस सीरीज के लिए दूसरी श्रेणी की टीम चुनी जाएगी। चयन समिति वैभव सूर्यवंशी और हाल के समय में अपनी छाप छोड़ने वाले अन्य खिलाड़ियों को इस सीरीज में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट का अनुभव देने के लिए उत्सुक है। आयरलैंड सीरीज के बाद इंग्लैंड का दौरा होगा। एक जुलाई से शुरू होने वाले इंग्लैंड दौरे पर भारत पांच T20 और तीन ODI मैच खेलेगा। इन दोनों सीरीज में कई वरिष्ठ खिलाड़ियों के लौटने की उम्मीद है। बल्लेबाजी के

अपने तरीके के बारे में बताते हुए वैभव सूर्यवंशी कह चुके हैं कि वह कभी भी अपने सामने गेंदबाज के बारे में नहीं सोचते, बल्कि उस गेंद के बारे में सोचते हैं जो उनकी तरफ आ रही होती है।

व्यापार

दनादन 11 बार बोनस शेयर बांट चुकी है मल्टीबैगर कंपनी, हर बार 2 शेयर पर दिए हैं 1 बोनस शेयर

नई दिल्ली, एजेंसी। मल्टीबैगर कंपनी संवर्धन मदरसन इंटरनेशनल ने अपने शेयरधारकों को दनादन बोनस शेयर बांटे हैं। संवर्धन मदरसन अपने निवेशकों को 11 बार बोनस शेयर का तोहफा दे चुकी है। कंपनी के शेयर सोमवार को बीएसई में 119 रुपये पर बंद हुए हैं। पिछले 5 दिन में कंपनी के शेयरों में करीब 12 पर्सेंट की तेजी देखने को मिली है। वहीं, पिछले एक साल में संवर्धन मदरसन के शेयर 40 पर्सेंट उछल गए हैं। कंपनी के शेयरों का 52 हफ्ते का हाई लेवल 136.10 रुपये है। वहीं, संवर्धन मदरसन के शेयरों का 52 हफ्ते का लो लेवल 77.07 रुपये है। संवर्धन मदरसन, ऑटो कंपोनेंट्स एंड इक्विपमेंट्स इंडस्ट्री से जुड़ी है। मल्टीबैगर कंपनी संवर्धन मदरसन इंटरनेशनल ने साल 1997 से लेकर अब तक अपने शेयरधारकों को 11 बार बोनस शेयर दिए हैं। संवर्धन मदरसन ने अपना पिछला बोनस शेयर जुलाई 2025 में दिया है। कंपनी ने साल 1997 से लेकर अब तक हर बार 1:2 के रेशियो में ही बोनस शेयर दिए हैं। यानी, कंपनी ने हर बार प्रत्येक 2 शेयर पर 1 बोनस शेयर बांटा है। संवर्धन मदरसन इंटरनेशनल ने नवंबर 1997, जुलाई 2000, जनवरी 2005, मई 2007, अगस्त 2012, नवंबर 2013, जून 2015, मई 2017, सितंबर 2018, अगस्त 2022 और मई 2025 में बोनस शेयर दिए हैं।

1997 में 100 शेयर खरीदने वाले निवेशक के पास अब होते 8600 से ज्यादा शेयर: अगर किसी निवेशक ने साल 1997 में बोनस शेयर दिए जाने से पहले संवर्धन मदरसन इंटरनेशनल के 100 शेयर खरीदे होते और अपने निवेश को बनाए रखा होता तो मौजूदा समय में उस व्यक्ति के पास इस मल्टीबैगर कंपनी के करीब 8614 शेयर होते। यह बात की एक रिपोर्ट में कही गई है। अगर साल 2000 से कैलकुलेशन करें संवर्धन मदरसन इंटरनेशनल ने अपने निवेशकों को 10 बार बोनस शेयर बांटे हैं।

2 बार अपने शेयर का बंटवारा भी कर चुकी है कंपनी: संवर्धन मदरसन इंटरनेशनल दो बार अपने शेयर का भी बंटवारा कर चुकी है। कंपनी ने अक्टूबर 2002 में अपने शेयर को 2 टुकड़ों में बांटा, तब कंपनी ने 10 रुपये फेस वैल्यू वाले अपने शेयर को 5-5 रुपये फेस वैल्यू वाले 2 शेयरों में बांटा। इसके बाद मार्च 2004 में कंपनी ने अपने शेयर को 5 टुकड़ों में बांटा। कंपनी ने 5 रुपये फेस वैल्यू वाले अपने शेयर को 1-1 रुपये फेस वैल्यू वाले 5 शेयरों में बांटा। संवर्धन मदरसन इंटरनेशनल का मार्केट कैप सोमवार को 1,25,593 करोड़ रुपये को पार कर गया है।

एलजी के शेयर बुधवार को मचाएंगे हलचल

लॉक-इन पीरियड खत्म होने से 44 करोड़ शेयर होंगे मुक्त

नई दिल्ली, एजेंसी। छुट्टी के बाद स्टॉक मार्केट खुलेगा तो एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया के शेयर हलचल मचा सकते हैं। इसकी वजह है कंपनी के शेयरहोल्डर्स के लिए लागू लॉक-इन पीरियड का खत्म होना। इस लॉक-इन पीरियड के खत्म होते ही बड़ी संख्या में शेयर ट्रेडिंग के लिए उपलब्ध हो जाएंगे। नुवामा की एक रिपोर्ट के मुताबिक, ख इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया के शेयरों पर लगा छह महीने का लॉक-इन पीरियड अब समाप्त हो रहा है। इसका मतलब यह है कि अब तक जिन शेयरों को बेचा नहीं जा सकता था, वे अब बाजार में बेचने के लिए योग्य हो जाएंगे।हालांकि, यह जरूरी नहीं है कि सभी शेयर एक साथ बिक जाएं। इसका मतलब सिर्फ इतना है कि अब ये शेयर ट्रेडिंग के लिए खुले हैं।

नुवामा की रिपोर्ट के अनुसार, कंपनी की कुल इक्विटी का लगभग 65 प्रतिशत यानी करीब 44.12 करोड़ शेयर अब बाजार में ट्रेडिंग के लिए उपलब्ध हो जाएंगे। मौजूदा कीमत के हिसाब से इन शेयरों की कुल वैल्यू लगभग 66,180 करोड़ बैठती है। दिसंबर 2025 तिमाही के अंत तक, कंपनी के प्रमोटर्स के पास 85 प्रतिशत हिस्सेदारी थी, जो कि न्यूनतम 75 प्रतिशत की तय सीमा से ज्यादा है। पब्लिक शेयरहोल्डर्स की बात करें तो भारत के म्यूचुअल फंड्स के पास करीब 5.4 प्रतिशत होल्डिंग्स है, जबकि विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों के पास करीब 3 प्रतिशत हिस्सेदारी है। करीब 10.6

लाख छोटे रिटेल निवेशकों, जिनका निवेश 2 लाख तक है, के पास कंपनी में 3.6 प्रतिशत हिस्सेदारी है। हालांकि, मार्च तिमाही के लिए कंपनी ने अभी तक नया शेयरहोल्डिंग डेटा जारी नहीं किया है।

एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया का शेयर प्राइस ट्रेंड: एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया के शेयर सोमवार को 1.8 प्रतिशत की बढ़त के साथ 1,503.5 पर बंद हुए। हालांकि, यह अपने लिस्टिंग के बाद के हाई 1,749 से करीब 14 प्रतिशत नीचे है, लेकिन अभी भी अपने इश्यू प्राइस से ऊपर बना हुआ है।

सब्जियों की कीमतों ने बढ़ाया किचन का बजट

नई दिल्ली, एजेंसी। बीते महीने सीपीआई आधारित खुदरा महंगाई दर 3.40 फीसदी दर्ज की गई, जो फरवरी में 3.21 फीसदी रही थी। सोना-चांदी के आभूषण, नारियल, टमाटर और फूलगोभी समेत अन्य वस्तुओं की कीमतों मे भी दर्ज की गई बढ़ोतरी। मार्च में सोना-चांदी के आभूषण, नारियल, टमाटर और फूलगोभी जैसी वस्तुओं की कीमतों में तेज बढ़ोतरी देखी गई, जिससे खुदरा महंगाई में बढ़ोतरी दर्ज की गई है। इससे किचन का बजट बढ़ गया। सोमवार को राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) द्वारा जारी आंकड़ों से पता चलता है कि उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित महंगाई दर 3.40 फीसदी रही, जो फरवरी 2026 में 3.21 फीसदी थी। बीते महीने ग्रामीण क्षेत्रों में खुदरा महंगाई 3.63 फीसदी और शहरी क्षेत्रों में 3.11 फीसदी दर्ज की गई। स्टेटवाइज आंकड़ों में तेलंगाना में सबसे ज्यादा महंगाई दर्ज की गई, जहां यह 5.83 फीसदी रही। इसके बाद आंध्र प्रदेश में 4.05 फीसदी महंगाई दर्ज की गई है। उसके बाद कर्नाटक, तमिलनाडु और राजस्थान का स्थान रहा है। औसत उपभोक्ता खाद्य मूल्य सूचकांक यानी रसोई के बजट पर असर डालने वाल खाद्य महंगाई में भी बढ़ोतरी दर्ज की गई है जो मार्च में 3.87 फीसदी दर्ज की गई है। इस दौरान ग्रामीण क्षेत्र में खाने-पीने की चीजें 3.96 और शहरों में 3.71 फीसदी रही है।

एनएसई का 20000 करोड़ रूपये का आईपीओ जल्द आएगा

नई दिल्ली, एजेंसी। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का लंबे समय से इंतजार हो रहा है। एनएसई भी सेबी के पास अपने के ड्राफ्ट पेपर दाखिल करने की तैयारी में है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, इससे 20,000 करोड़ रुपये से अधिक जुटाए जा सकते हैं। यह पूरी तरह से ऑफर फॉर सेल होगा, यानी कंपनी को कोई नया पैसा नहीं मिलेगा। सारा फंड मौजूदा शेयरधारकों को जाएगा। अगर आप अभी ह्स्श्व के अनलिस्टेड शेयर खरीदते हैं, तो आप इस में बेचने वालों में शामिल नहीं होंगे। केवल वही पुराने शेयरधारक बेच पाएंगे, जिनके पास जून 2025 से लगातार शेयर हैं।

खबरों के मुताबिक जून 2026 में सेबी के पास ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस दाखिल कर सकता है और इस साल के अंत तक आईपीओ के आने की उम्मीद है। सेबी के नियमों के अनुसार, केवल वही शेयरधारक में शेयर बेच पाएंगे, जिनके पास जून 2025 से लगातार पूरी तरह भुगतान वाले ह्स्श्व शेयर हैं। यह नियम उन लोगों को रोकता है, जो सिर्फ फायदा उठाने के लिए आखिरी समय में अनलिस्टेड मार्केट से शेयर खरीदते हैं। इसका मतलब साफ है अगर आप अभी ह्स्श्व के अनलिस्टेड शेयर

खरीदते हैं, तो आप में हिस्सा नहीं ले सकेंगे। पात्र शेयरहोल्डर्स को भाग लेने के लिए 27 अप्रैल, 2026 तक अपनी 'एक्सप्रेशन ऑफ इंटरेस्ट' जमा करना होगा, जो शेयरधारक समय पर नहीं देंगे, वे में शेयर नहीं बेच पाएंगे।

सेबी का एक साल का नियमः सेबी के नियमों के तहत, मौजूदा शेयरधारक पेपर दाखिल करने से कम से कम एक साल पहले से लगातार शेयर होल्ड कर रहे हों, तभी वे ह्स्श्व में बेच सकते हैं। इस सेकेंडरी सेल में अपनी लगभग 4.5 प्रतिशत इक्विटी बेचने की योजना बना रहा है। 30 जून, 2025 तक 1,59,394 शेयरहोल्डर्स थे। 31 मार्च, 2025 तक 39,201 शेयरहोल्डर्स और 31 दिसंबर, 2025 तक 1,86,481 शेयरहोल्डर्स थे।

आईपीओ के लिए किन-किन बैंकों को चुना गया

पिछले महीने ह्स्श्व ने इस के लिए 20 बैंकों को नियुक्त किया, जो एक रिकॉर्ड है। इससे पहले प्रूडेंशियल एसेट मैनेजमेंट कंपनी ने 18 बैंकों के साथ रिकॉर्ड बनाया था। 8 लॉ फर्मों को भी सलाहकार के तौर पर चुना है। फरवरी 2026 में ह्स्श्व ने एक समिति बनाई और स्वतंत्र सलाहकार नियुक्त किया, जो चयन प्रक्रिया की देखरेख करेगा।

एलपीजी और तेल ही नहीं, किसानों सामने भी खड़ी है बड़ी समस्या, सल्फर की वजह से बढ़ी टेंशन

नई दिल्ली, एजेंसी। स्ट्रेट ऑफ होर्मुज के प्रभावित होने की वजह से सिर्फ तेल और एलपीजी ही नहीं सल्फर की समस्या खड़ी हो सकती है। सल्फर आज के समय में फर्टीलाइजर्स, बैटरी, केमिकल्स, मेटल्स और सेमीकंडक्टर्स के लिए जरूरी है। यूरिया से कंप्यूटर चिप्स तक के लिए सलफ्यूरिक एसिड काफी जरूरी है। लेकिन स्ट्रेट ऑफ होर्मुज बाधित होने की वजह से फैक्टरी प्रोडक्शन धीमा और फूड की कीमतें बढ़ सकती हैं। बता दें, भारत अपनी जरूरत का बढ़ा हिस्सा खाड़ी के देशों से मंगाता है। ऐसे में सल्फर की आपूर्ति प्रभावित होने की वजह से खाद की कीमतों पर असर दिखेगा। इससे किसानों के सामने नई समस्या खड़ी हो सकती है।

सल्फर क्यों है इतना जरूरी: खाड़ी के देशों से दुनिया के एक्सपोर्ट का 45 प्रतिशत उत्पादन होता है। तेल और गैस रिफाइनिंग का सल्फर एक बायप्रोडक्ट है। ऐसे में तेल की आपूर्ति प्रभावित होने का सीधा असर सल्फर पर पड़ता है। बता दें, दुनिया का 60 प्रतिशत सल्फर डिमांड सिर्फ फर्टीलाइजर्स के लिए आता है। बाकि बचा 40 प्रतिशत केमिकल्स, मेटल प्रोसेसिंग, बैटरी और चिप फाइब्रेकेशन के लिए होता है।

भारत के लिए क्यों है चिंता की बात: यूरिया और फॉस्फेट फर्टीलाइजर्स के लिए सल्फर बहुत जरूरी है। सल्फर की आपूर्ति प्रभावित होने की स्थिति में सरकार पर खाद की सब्सिडी बढ़ाने का दबाव होगा। वहीं, किसानों का उत्पादन खर्च बढ़ सकता है। खाद्य महंगाई में बढ़ोतरी देखने को मिलेगी। केमिकल और मेटल का प्रोडक्शन करने वाले लोगों की लागत बढ़ने का दबाव रहेगा।

चीन ने भी दिखाई सख्ती: मौजूदा परिस्थितियों को देखते हुए चीन ने मई से सल्फ्यूरिक एसिड के एक्सपोर्ट को रोकने का संकेत दिया है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार यह 2026 सख्ती 2026 तक लगाई जा सकती है। फाइनेंशियल टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार जब से युद्ध शुरू हुआ है तब से चीन में सल्फर की कीमतों

में 15 प्रतिशत की बढ़ोतरी देखने को मिली है। इस महीने की शुरुआत में केंद्र सरकार ने आने वाले खरीफ फसल के लिए न्यूट्रियन्ट आधारित सब्सिडी में करीब 12 प्रतिशत का इजाफा किया है। अगर युद्ध लम्बा खींचा तब की स्थिति में सरकार पर भी दबाव बढ़ेगा। ऐसे में सरकार के पास तब दो ही विकल्प रह जाएंगे। पहला विकल्प कीमतों को किसानों तक बढ़ा दिया जाए।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक सैयद ज़की हैदर के लिए इरानीयन आर्ट प्रिंटर्स 1534 कासिमजान स्ट्रीट दरियागंज नई दिल्ली 11006 से मुद्रित कराकर, 2684 गली काले खां कूचा चलान दरियागंज नई दिल्ली 02 से प्रकाशित किया।
संपादक : सैयद ज़की हैदर- हैड ऑफिस :- एफ19/4 सेकेंड फ्लोर नफीश रोड जामिया नगर दिल्ली- 110025., सम्पर्क सूत्र :- 9911371802, 9810383593
जितेन्द्र कुमार बिस्वाल ब्यूरो चीफ उड़ीसा/ गोविंद कनोडिया/ पटना/ सैय्यद यूसुफ अली नक़वी-पॉलिटिकल एडिटर। ई-मेलः- (LOKTANTRAKISHAAN@GMAIL.COM

किसी भी प्रकार के विवाद हेतु निपटारे के लिए केवल दिल्ली न्यायालय ही मान्य होगी।
नोट- किसी भी समाचार/आलेख पर दावा प्रति दावा/आपत्ति समाचार प्रकाशन के 15 दिनों के अन्तराल तक ही मान्य होगा। समाचार पत्र में प्रकाशित आलेख से संपादक/प्रकाशक का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

क्षेत्रीय कार्यालय अनवार मंजिल नया टोला गंज नंबर 01 बेतिया/ बिहार/ पिन नंबर 84 5438/>> संवाददाता, सना खान/(डॉ. अमानुल हक) स्थानीय संपादक/बिहार)